MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 03 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-120

खुले में नमाज़ अब नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी, सरकार को दखल देने का पूरा अधिकार

प्रयागराज, 02 मई (एजेंसियां)।

खुली जगह (सार्वजनिक स्थल) पर नमाज पढ़ने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने साफ कहा कि सार्वजनिक स्थल सभी के लिए है। धार्मिक आजादी के नाम पर इस पर कब्जे की इजाजत नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा कि जब सार्वजनिक भूमि की बात आती है तो स्थिति साफ है। सार्वजनिक भूमि सबके लिए है और कानून से कंट्रोल होती है। कोई भी व्यक्ति नियमित धार्मिक आयोजनों के लिए इसका इस्तेमाल करने का दावा नहीं कर सकता। कोर्ट ने कहा कि संवैधानिक समाज में आजादी के साथ हमेशा दूसरों के प्रति जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है।

दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल में आबादी भूमि के हिस्से के निजी परिसर में नमाज अदा करने की अनुमति मांगने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिका को खारिज करने के साथ ही अपने फैसले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है।

अदालत ने आगे कहा कि इस तरह के इस्तेमाल से आने-जाने, पहुंच और सुरक्षा पर असर पड़ता है और सही हालात में समाज के बीच संतुलन पर भी। इसलिए इसे नियमित किया जाना चाहिए। यह राज्य की जिम्मेदारी है कि वह सभी तक बराबर पहुंच, नागरिक व्यवस्था और बिना भेदभाव वाला प्रशासन पक्का करें।

अदालत की इस टिप्पणी से यह साफ है कि सार्वजनिक स्थल पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार को दखल का पूरा अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि सार्वजनिक भूमि पर किसी एक पक्ष का एकाधिकार नहीं हो सकता और उस पर सभी नागरिकों का समान अधिकार है। कोर्ट ने माना कि इस मामले में मौजूदा कानूनी तरीके, लंबे समय से चली आ रही व्यवस्थाएं, या सीमित या खास मकसदों के लिए दी गई इजाजत अपने आप में सही हो सकती हैं लेकिन कोई भी नया या एकतरफा दावा सिर्फ धर्म या अपनी पसंद के आधार पर नहीं किया जा सकता। राज्य को संवैधानिक अधिकार है और सही मामलों में यह उसकी कर्तव्य भी है कि वह बिना कानूनी अधिकार के सार्वजनिक भूमि के इस्तेमाल को रोके।

कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि कानून अधिकारियों को किसी असली गड़बड़ी के होने का इंतज़ार करने की ज़रूरत नहीं बताता है। जहाँ किसी गतिविधि से सार्वजनिक आदेश पर असर पड़ने की संभावना हो वहाँ राज्य को पहले से कार्रवाई करने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि यह दृष्टिकोण धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक सिद्धांत के अनुरूप है जिसके अनुसार सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार और कानून का समान रूप से पालन होना चाहिए।

यद्यपि राज्य को निजी पूजा की अनुमति देनी चाहिए फिर भी वह उन गतिविधियों को विनियमित करने के लिए भी समान रूप से बाध्य है जो सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करती हैं चाहे वो सार्वजनिक भूमि पर हो या निजी परिसर में। संवैधानिक व्यवस्था के अंतर्गत अनुच्छेद 25 और 26 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए इस संतुलन को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। कोर्ट ने कहा कि याचिका में दलीलें साफ़ नहीं हैं और उनमें ज़रूरी जानकारी की कमी है।

कोर्ट ने माना कि रिकॉर्ड में रखी गई जानकारी के आधार पर जिस ज़मीन पर नमाज पढ़ने की बात हो रही है वह सार्वजनिक भूमि के तौर पर रिकॉर्ड की गई है जिसमें गाटा या खाता नंबर जैसी ज़मीन की बेसिक जानकारी नहीं है और यह सिर्फ़ साफ़-साफ़ बताई गई बाउंड्री पर आधारित है। ऐसा डॉक्यूमेंट कोई पहचान वाला टाइटल साबित नहीं करता है और रेवेन्यू रिकॉर्ड की जगह नहीं ले सकता है।

वैसे भी अगर ज़मीन को प्राइवेट माना जाता है, तो भी पिटीशनर मांगी गई राहत का हकदार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि निजी संपत्ति पर सीमित और व्यक्तिगत धार्मिक गतिविधियों की अनुमति है लेकिन उसे बड़े स्तर पर सामूहिक धार्मिक स्थल में बदलने की छूट नहीं दी जा सकती। यह माना गया है कि पहले नमाज़ सिर्फ़ ईद जैसे खास मौकों पर ही पढ़ी जाती थी।

एक सीमित प्राइवेट दायरे से आगे यह विस्तार सुरक्षित कार्यक्षेत्र से बाहर है और नियम के अधीन है। कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि इन हालात में कोई लागू करने लायक कानूनी अधिकार नहीं बनता। कोर्ट इस आधार पर राहत नहीं दे सकता खासकर तब जब मामले का सार्वजनिक आदेश और सामाजिक सद्भाव पर असर हो। यह आदेश जस्टिस सरल श्रीवास्तव और जस्टिस गरिमा प्रसाद की डिविजन बेंच ने याचिकाकर्ता असीन की याचिका को खारिज करते हुए दिया है।

दरअसल याचिकाकर्ता ने कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए प्रतिवादियों को कोई आदेश देने की मांग की थी जिसमें याची की प्राइवेट जगह जो आबादी ज़मीन का 82.80 [illegible] एरिया में है उसमें सुरक्षा और नमाज़ पढ़ने की इजाज़त दी जाए। याची की यह जमीन संभल के गुन्नौर तहसील के गांव इकोना, परगना राजपुरा में है। याची ने दावा किया कि उसकी निजी जमीन पर नमाज पढ़ने से प्रशासन उसे रोक रहा है।

उसने यह भी कहा कि यह उसके मौलिक अधिकारों विशेष रूप से अनुच्छेद 19, 25, 26, 27 और 28 का उल्लंघन है क्योंकि इस्लाम को मानने वाले लोग बिना किसी दखल के नमाज़ पढ़ने के हकदार हैं। याची ने यह भी आरोप लगाया कि इस तरह का दखल मनमाना है और ऐसा कुछ सामाजिक तत्वों की मिलीभगत से किया जा रहा है जिससे याचिकाकर्ता और दूसरे लोगों को नमाज़ पढ़ने में रुकावट आ रही है।

याचिकाकर्ता के वकील की तरफ से हाल ही में हाईकोर्ट द्वारा मुनाजिर खान बनाम स्टेट ऑफ़ यूपी और अन्य, पास्टर सेल्वाकुमार सामू बनाम स्टेट ऑफ़ यूपी, भदोही के मरंथा फुल गॉस्पेल मिनिस्ट्रीज़ बनाम स्टेट ऑफ़ यूपी और इमैनुएल ग्रेस चैरिटेबल ट्रस्ट बनाम स्टेट ऑफ़ यूपी में दिए गए फैसलों का हवाला दिया गया। कोर्ट ने इन मामलों में अपने फैसले में कहा है कि प्राइवेट जगह पर बिना पहले से इजाज़त के प्रार्थना की जा सकती है।

वहीं सरकार की तरफ से पेश हुए स्टैंडिंग काउंसिल ने लिखित निर्देशों के आधार पर कोर्ट को बताया कि जिस ज़मीन की बात हो रही है वो आबादी ज़मीन के तौर पर दर्ज है यानी यह ज़मीन सार्वजनिक उपयोग के लिए है और याचिकाकर्ता का इस पर कोई मालिकाना हक नहीं है। सरकार की तरफ से कहा गया कि यह भी रिकॉर्ड में लाया गया है कि सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट के अनुसार पारंपरिक रूप से उस जगह पर सिर्फ़ ईद के मौके पर ही नमाज़ पढ़ी जाती है और इस तरह की स्थापित प्रथा पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।

हालाँकि, याची गाँव के अंदर और बाहर से लोगों को बुलाकर रोज बड़े पैमाने पर सामूहिक नमाज़ शुरू करने की कोशिश कर रहा है। कहा गया कि इकोना गांव की आबादी मिली-जुली है और दशकों से शांतिपूर्ण रही है। सरकारी वकील ने कोर्ट में पूर्व में दिए गए कई सरकारी आदेशों का हवाला दिया जिनमें सभी में लगातार यह कहा गया कि धार्मिक रीति-रिवाजों का सम्मान किया जाना चाहिए लेकिन किसी भी नई परंपरा या गैर-पारंपरिक गतिविधियों की इजाज़त नहीं दी जाएगी और पब्लिक ऑर्डर बनाए रखने के लिए पहले से चली आ रही रीति-रिवाजों का पालन किया जाना चाहिए।

आगे यह भी कहा गया कि होलिका दहन जैसे हिंदू त्योहारों के संबंध में भी यह खास तौर पर निर्देश दिया गया है कि ऐसे समारोह केवल पारंपरिक

▶8पर

रेवंत ने 4 बड़ी घोषणाएं की

कर्मचारियों की पौ बारह

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को सरकारी कर्मचारियों के कल्याण के लिए चार महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की। इनमें 1 जून तक सभी कर्मचारियों को स्वास्थ्य कार्ड जारी करना और अगले 100 दिनों के भीतर सेवानिवृत्ति के बकाया 6,000 करोड़ का भुगतान करना शामिल है। मुख्यमंत्री ने वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) को तत्काल अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया और कहा कि सरकार वेतन वृद्धि पर निर्णय लेने के लिए तैयार है। साथ ही, उन्होंने कर्मचारी यूनियनों को हर दो महीने में बैठक करने और अपनी समस्याओं पर रिपोर्ट सरकार को सौंपने की सलाह दी।

ये घोषणाएं मुख्यमंत्री आवास पर तेलंगाना एम्प्लॉइज जॉइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) के साथ बैठक के दौरान की गईं। रेवंत रेड्डी ने दोहराया कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कांग्रेस सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सरकारी कर्मचारियों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।

इन घोषणाओं का स्वागत करते हुए, कर्मचारी जेएसी ने सरकार की प्रतिक्रिया पर संतोष व्यक्त किया और 5 मई को होने वाले धरने व अन्य विरोध कार्यक्रमों को वापस लेने की घोषणा की। बैठक में जेएसी के अध्यक्ष एम. जगदीश, टीईजेएसी अध्यक्ष लचिरेड्डी और ए. श्रीनिवास राव, जी. श्रीनिवास रेड्डी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

प्रशासनिक सुधार और पेंडिंग बिलों का निपटारा

मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि कांग्रेस सरकार के शुरुआती निर्णयों में से एक हर महीने के पहले दिन वेतन भुगतान सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि शिक्षक स्थानांतरण बिना किसी भ्रम या हंगामे के नियोजित तरीके से किए गए। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि कांग्रेस सरकार के गठन के बाद से विभिन्न विभागों में 67,760 कर्मचारियों की भर्ती की गई है।

▶8पर

मतगणना से पहले ममता को झटका

केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती ईसी का अधिकार, टीएमसी की अपील खारिज

नई दिल्ली/कोलकाता, 02 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में काउंटिंग सेंटर्स पर केंद्रीय और पीएसयू कर्मचारियों की तैनाती के खिलाफ टीएमसी की आपत्ति को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, चुनाव आयोग को कोई आदेश नहीं दे सकते हैं। यह चुनाव आयोग का अधिकार है, उन पर भरोसा करें। टीएमसी की ओर से सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने कहा है कि हमें उनसे (चुनाव आयोग) से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है। टीएमसी ने इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट में अपील की थी। हाईकोर्ट ने आपत्ति खारिज करते हुए कहा था कि काउंटिंग स्टाफ की नियुक्ति चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आती है, इसमें कोई अवैधता नहीं है। बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को दो फेज में चुनाव हुए हैं। रिजल्ट 4 मई को आएगा।

चुनाव आयोग ने 13 अप्रैल को एक सर्कुलर जारी किया था जिसके अनुसार मतगणना की हर टेबल पर सुपरवाइजर या असिस्टेंट में से कम से कम एक कर्मचारी केंद्र सरकार या पब्लिक सेक्टर (पीएसयू) का होना अनिवार्य है। टीएमसी का आरोप है कि केंद्र सरकार के कर्मचारी बीजेपी के प्रभाव में काम कर सकते हैं। इसलिए राज्य सरकार के कर्मचारियों की भी नियुक्ति की जाए। टीएमसी ने यह शिकायत चुनाव आयोग से भी की थी।

कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले पर पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा है कि किसी राजनीतिक दल को यह तय करने का अधिकार नहीं है कि काउंटिंग में किसे शामिल किया जाए।

फाल्टा में अब 21 को पुनर्मतदान

कोलकाता, 02 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के फाल्टा विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 मतदान केंद्रों पर 21 मई को फिर से मतदान कराया जाएगा, जिसके नतीजे 24 मई को आएंगे। चुनाव आयोग ने प्रदेश की 144-फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में 29 अप्रैल को बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर वोटिंग के दौरान हुई गंभीर चुनावी गड़बड़ियों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के उल्लंघन के मद्देनजर यह फैसला लिया है।

चुनाव आयोग के निर्देश : सभी 285 केंद्रों पर नए सिरे से वोटिंग

चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार फाल्टा विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 मतदान केंद्रों पर नए सिरे से मतदान कराए जाएंगे। सभी मतदान केंद्रों पर 21 मई 2026 को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक नए सिरे से मतदान होगा। फाल्टा विधानसभा क्षेत्र के वोटों की गिनती 24 मई 2026 को होगी। पश्चिम बंगाल में 4 मई को 293 सीटों पर मतगणना होगी।

वहीं फाल्टा के हासिमनगर में कथित धमकी और डराने-धमकाने के मामले में पंचायत प्रधान इसराफिल चौकीदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में अब तक तीन टीएमसी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा चुका है। चुनाव आयोग ने दक्षिण 24 परगना जिले की डायमंड हार्बर जिला पुलिस को निर्देश दिया था कि वे फाल्टा विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी सहयोगियों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करें। ग्रामीणों ने इन सहयोगियों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने भाजपा को वोट देने पर उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

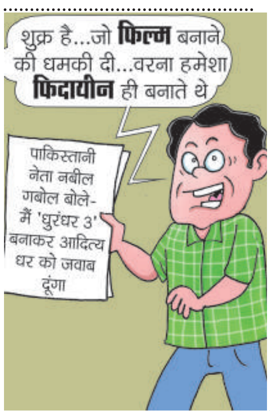
शुक्र है...जो फिल्म बनाने की धमकी दी...वरना हमेशा फिदायीन ही बनाते थे
पाकिस्तानी नेता नबील गबोल बोले- मैं 'धुरंधर 3' बनाकर आदित्य धर को जवाब दूंगा

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 39°
न्यूनतम : 27°

'हार्ट अटैक' बम फोड़ेगा ईरान

परमाणु परीक्षण की आशंका से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में हड़कंप

AI generated

तेहरान/वाशिंगटन, 02 मई (एजेंसियां)।

क्या ईरान किसी भी वक्त अपना परमाणु बम टेस्ट करने वाला है? ये सवाल उठा है ईरान के नेवी के टॉप कमांडर एडमिरल शाहराम ईरानी के एक बयान के बाद। दरअसल ईरान के सरकारी मीडिया को दिए इंटरव्यू में नेवी के टॉप कमांडर शाहराम ईरानी ने 3 बहुत बड़ी बातें कही हैं। ईरानी ने कहा कि ईरान का दुश्मन जल्द एक नये हथियार का सामना करेगा। ईरान के इस हथियार से दुश्मन बहुत डरता है, जिससे दुश्मन (अमेरिका-इजरायल) के नेताओं को हार्ट अटैक आ सकता है।

ईरान की ओर से अमेरिका और इजरायल पर बड़े हमले की धमकी दी गई है। ईरान के पास वो कौन सा सीक्रेट हथियार है जिसके दम पर ईरान समुद्र में युद्धपोत को तबाह करने की धमकी दे रहा है। ईरानी नेवी के कमांडर रियर एडमिरल शाहराम ने कहा है कि यह हथियार दुश्मनों के करीब है और इसका इतना डर है कि

▶8पर

हम समुद्री डकैत : ट्रंप

नयी दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में गहराए तनाव के बीच ईरान के एक और शांति प्रस्ताव को खारिज करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने तेहरान पर सख्ती बढ़ाने के संकेत दिए हैं। ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट से होने वाली तेल आपूर्ति में और अधिक व्यवधान की चेतावनी दी है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी के चलते ईरान को तेल निर्यात से होने वाली लगभग पांच अरब डॉलर की कमाई ठप हो गई है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी नौसेना इस क्षेत्र में समुद्री डकैतों की तरह काम कर रही है, हालांकि उन्होंने इसे रणनीतिक कार्रवाई बताया।

▶8पर

इमरजेंसी अलर्ट टेस्टिंग

देशभर में करोड़ो मोबाइल में बजा सायरन

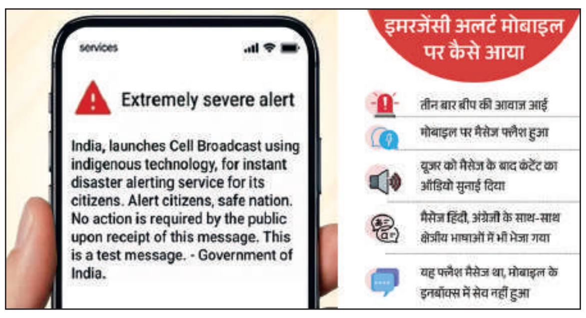

India, launches Cell Broadcast using indigenous technology, for instant disaster alerting service for its citizens. Alert citizens, safe nation. No action is required by the public upon receipt of this message. This is a test message. - Government of India.

इमरजेंसी अलर्ट मोबाइल पर कैसे आया

- तीन बार बीप की आवाज आई
- मोबाइल पर मैसेज फ्लैश हुआ
- यूजर को मैसेज के बाद कंटेंट का ऑडियो सुनाई दिया
- मैसेज हिंदी, अंग्रेजी के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं में भी भेजा गया
- यह फ्लैश मैसेज था, मोबाइल के इनबॉक्स में सेव नहीं हुआ

नयी दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

देशभर में शनिवार सुबह 11:45 बजे कई मोबाइल फोन पर एकसाथ सायरन की आवाज सुनाई देने लगी। स्क्रीन पर हिंदी-अंग्रेजी में एक मैसेज था। सायरन बंद हुआ तो मोबाइल पर मैसेज पढ़कर भी सुनाया गया। इससे कई लोग परेशान हुए, तो कई कन्फ्यूज। यह मैसेज राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, यानी एनडीएमए ने भेजा था। एनडीएमए ने इमरजेंसी में लोगों तक सूचना पहुंचाने के लिए 2 मई को सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम का परीक्षण किया।

▶8पर

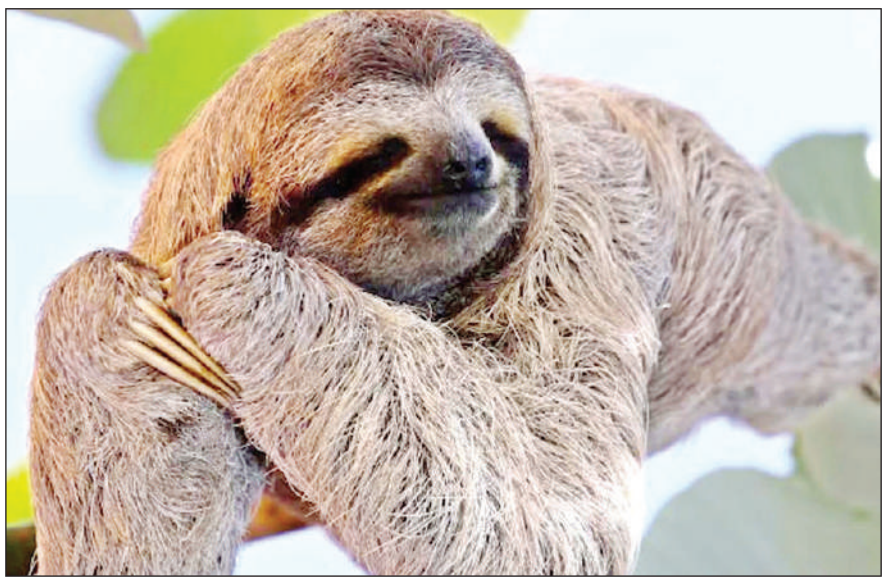

अमेरिका का जंगली जानवर स्लॉथ रोजाना सोता है 22 घंटे तक

लंदन

आपको सुनकर हैरानी होगी कि मध्य और दक्षिण अमेरिका के जंगलों में रहने वाला स्लॉथ नाम का जानवर रोजाना 20 से 22 घंटे तक सोता रहता है। यह इतना आलसी है कि पेड़ पर उल्टा लटककर अपनी पूरी जिंदगी बिताता है, और कई बार इसी अत्यधिक आलस की वजह से उसकी मौत भी हो जाती है। स्लॉथ मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं - टू-टोएड (दो पंजों वाले) और थ्री-टोएड (तीन पंजों वाले)। थ्री-टोएड स्लॉथ को ज्यादा आलसी माना जाता है। ये जानवर इतने सुस्त हैं कि उनकी चाल की रफ्तार सिर्फ 0.24 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। इसका मतलब है कि अगर कोई स्लॉथ किसी एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर जाना चाहे तो उसे पूरा एक दिन लग सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इनका मेटाबॉलिज्म इतना धीमा और कमजोर होता है कि वे दूसरे स्तनधारियों की तुलना में सिर्फ एक तिहाई ऊर्जा का ही इस्तेमाल करते हैं। यही वजह है कि वे दिन में ज्यादातर समय सोते रहते हैं और कम ऊर्जा खर्च करते हैं। स्लॉथ का पूरा जीवन पेड़ों पर ही बीतता है।

वे शायद ही कभी जमीन पर उतरते हैं। हफ्ते में सिर्फ एक बार शौच के लिए नीचे आते हैं और फिर तुरंत वापस पेड़ पर चढ़ जाते हैं। इस दौरान वे इतने धीमे होते हैं कि शिकारी आसानी से उन्हें पकड़ सकते हैं। लेकिन प्रकृति ने उन्हें एक खास बचाव भी दिया है उनके फर पर हरे रंग का शैवाल उग आता है। इससे वे पेड़ों के पत्तों के साथ घुल-मिल जाते हैं और शिकारियों से छिप जाते हैं, जिससे उन्हें बेहतरीन छद्मावरण (कैमोफ्लाज) मिलता है। उनका फर उल्टी दिशा में बढ़ता है ताकि बारिश का पानी आसानी से बह जाए और वे सूखे रहें। फोटोग्राफरों ने जंगल में इस कामचोर जानवर को कई बार कैद किया है। ये पेड़ की डाल पर ज्यादातर उल्टा लटका हुआ दिख जाता है, जिसकी आँखें बंद, मुँह थोड़ा खुला और बिल्कुल निश्चिंत नजर आता है। देखने वाले हैरान रह जाते हैं कि इतना आलसी जानवर कैसे जिंदा रहता है। दरअसल, स्लॉथ का आहार मुख्य रूप से पत्तियां, टहनियां और फल होता है। लेकिन ये पत्तियां इतनी कम पोषक तत्व वाली होती हैं कि स्लॉथ को इन्हें पचाने में एक महीना तक लग जाता है।

इसलिए वे कम खाते हैं और ज्यादा सोते हैं, क्योंकि भोजन से ऊर्जा निकालने की प्रक्रिया बहुत धीमी होती है। कई बार खाना ना मिलने या पेड़ से गिरने से उनकी मौत हो जाती है। वैज्ञानिक कहते हैं कि स्लॉथ का शरीर इतना अनुकूलित है कि वे 10 डिग्री सेल्सियस तक का कम तापमान भी आसानी से सहन कर लेते हैं। उनका शरीर इतना धीमा चलता है कि वे हफ्तों तक बिना खाए-पीए रह सकते हैं। लेकिन यही आलस उनके लिए खतरा भी बन जाता है। अगर वे किसी पेड़ से गिर गए तो वापस चढ़ने में इतना समय लगता है कि शिकारी उन्हें आसानी से मार सकते हैं। कुछ मामलों में वे भूख से कमजोर होकर मर जाते हैं। फिर भी ये जानवर लाखों सालों से जंगलों में अपनी धीमी रफ्तार से जी रहे हैं। स्लॉथ की जिंदगी देखकर लगता है कि आलस भी एक सर्वाइवल स्ट्रेटजी (जीवित रहने की रणनीति) है। वे इतने कम ऊर्जा खर्च करते हैं कि उनके पास ज्यादा खाने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

न्यूज ब्रीफ

ईरान में महंगाई ने तोड़ी लोगों की कमर, एक लाख रियाल में सिर्फ दो रोटी

तेहरान। ईरान में बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की जिंदगी को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। हालात ऐसे हैं कि अब देश का एक लाख रियाल का नोट भी बेहद कम मूल्य का माना जाने लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस रकम में केवल दो फ्लैटब्रेड यानी रोटी ही खरीदी जा सकती हैं, जो आम नागरिकों के लिए चिंता का विषय है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण लोगों को रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए भारी मात्रा में नकदी साथ रखनी पड़ रही है। आर्थिक दबाव के चलते छोटे मूल्य के नोटों का महत्व तकरीबन समाप्त होता जा रहा है और बड़ी रकम भी जल्दी खर्च हो जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक इसी बीच सरकार ने हाल ही में 1 करोड़ रियाल का नया बैंकनोट जारी किया है, जो अब तक का सबसे बड़ा नोट है। हालांकि इसकी वास्तविक कीमत भारतीय मुद्रा में करीब 650 से 700 रुपए के आसपास ही है। गुलाबी रंग के इस नोट के एक तरफ 9वीं सदी की जामा मस्जिद की तस्वीर है, जबकि दूसरी ओर ऐतिहासिक बाम किले का चित्र अंकित है। इससे पहले फरवरी में 50 लाख रियाल का नोट जारी किया था, लेकिन नया नोट उससे भी अधिक मूल्य का है। सरकार का कहना है कि इस बड़े नोट को जारी करने का उद्देश्य लोगों तक नकदी की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करना है, हालांकि डिजिटल भुगतान प्रणाली को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके बावजूद एटीएम के बाहर लंबी कतारें देखी जा रही हैं और कई मशीनों में नकदी की कमी की शिकायतें सामने आई हैं।

ईरान में सियासी दरार गहराईः विदेश मंत्री अब्बास अराघची को हटाए जाने के आसार

तेहरान। ईरान की सत्ता में अंदरूनी खींचतान तेज होती दिख रही है, जहां विदेश मंत्री अब्बास अराघची को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रपति राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर ग़ालिबफ अराघची को पद से हटाने पर विचार कर रहे हैं। अराघची पर आरोप है कि वे शक्तिशाली इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजी) के निर्देशों पर काम कर रहे हैं और महत्वपूर्ण निर्णयों में राष्ट्रपति को नजरअंदाज कर रहे हैं। खासतौर पर परमाणु वार्ताओं के दौरान उनकी भूमिका पर सवाल उठाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति और आईआरजीसी के बीच भी मतभेद बढ़ रहे हैं, जिससे सरकार के भीतर टकराव की स्थिति बन गई है। संसद में भी इस विवाद की झलक देखने को मिली, जहां कुछ कट्टरपंथी नेताओं ने सरकार के रुख का समर्थन करने से इनकार कर दिया। इसी बीच, अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव और क्षेत्रीय हालात ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर यह खींचतान जारी रही, तो ईरान की विदेश नीति और आंतरिक स्थिरता दोनों पर असर पड़ सकता है।

ट्रंप ने की घेराबंदी.......अब चीन को रेल और सड़क परिवहन के रास्ते तेल पहुंचाएगा ईरान

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब एक नए वैश्विक आर्थिक संकट का रूप ले चुका है।

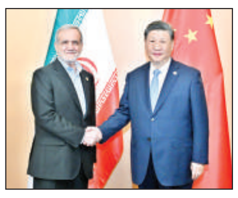

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा स्ट्रेट आफ होर्मुज की सैन्य नाकेबंदी ने ईरान को अपने व्यापारिक रास्ते बदलने पर मजबूर किया है। ईरान अब अपने सबसे बड़े तेल खरीदार, चीन तक ऊर्जा की आपूर्ति बनाए रखने के लिए पारंपरिक समुद्री रास्तों के बजाय रेल मार्गों और सड़क परिवहन का सहारा ले रहा है। ईरान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है, जो दुनिया के कुल कच्चे तेल के व्यापार का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी शिपिंग एसोसिएशन अब चीन को तेल भेजने के लिए रेल मार्ग का विकल्प तलाश रही है। इसके साथ ही, खाद्य सामग्री की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान और काकेशस क्षेत्र से सड़क मार्ग का उपयोग करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि ये वैकल्पिक रास्ते समुद्री मार्ग का पूर्ण स्थान नहीं ले सकते। आंकड़ों के मुताबिक, केवल 40 प्रतिशत व्यापार ही इन रास्तों से संभव है, जो ईरान की चरमराती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए पर्याप्त नहीं है। चीन अपनी तेल जरूरतों का लगभग एक-तिहाई हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से आयात करता है। होर्मुज की नाकेबंदी के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 110 डालर प्रति बैरल को पार कर गई हैं। यह स्थिति चीन के लिए गंभीर ऊर्जा संकट पैदा कर रही है। अब राष्ट्रपति ट्रंप की आगामी चीन यात्रा इस कूटनीतिक और आर्थिक गतिरोध का केंद्र बन गई है।

ईरान से लंबी लड़ाई की तैयारी

अमेरिका ने पश्चिम एशिया में भेजा इंधन जरूरी समान और 6500 टन गोला-बारूद

वाशिंगटन

अमेरिकी सेना पश्चिम एशिया में लंबे युद्ध की तैयारी कर रही है। दरअसल अमेरिकी नौसेना अपने जहाजों के माध्यम से पश्चिम एशिया में ईंधन, खाना, हथियार और बाकी जरूरी सामान भेज रही है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी है। कुछ तस्वीरों में लिखा गया है कि गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रायर यूएसएस डेलबर्ट डी ब्लैक पर ईंधन, खाना, हथियार और जरूरी सप्लाई लोड की जा रही है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका ने बीते 24 घंटे में 6 हजार टन से ज्यादा गोला बारूद और हथियार इस्राइल भेजे हैं। इससे आशंका गहरा गई है कि अमेरिका, ईरान के खिलाफ फिर से युद्ध शुरू कर सकता है। इस्राइली मीडिया के अनुसार, दो कार्गो जहाज और कई विमान 6500 टन गोला बारूद, मिलिट्री ट्रक, जाइंट लाइट टेक्टिकल व्हीकल और अन्य हथियार लेकर इस्राइल पहुंचे हैं। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका ने इस्राइल 1,15,600 टन गोला बारूद, हथियार भेजे हैं।

इस बार युद्ध छिड़ा तो ईरान पर ताकतवर हमला करेगा अमेरिका - इस बीच अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की और उन्हें ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी है। एडमिरल ब्रैड कूपर ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में ट्रंप के साथ बैठक में ये विकल्प पेश किए। इसमें बताया गया कि अगर ट्रंप दोबारा हमले का फैसला लेते हैं, तो एक छोटा लेकिन बहुत ताकतवर हमला किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में ईरान की बची हुई सैन्य ताकत, उसके नेता और अहम ढांचे निशाने पर होंगे।

अमेरिका कई खतरनाक और उन्नत हथियारों के इस्तेमाल पर कर रहा विचार - अमेरिकी सेना इस बार ज्यादा मारक तरीके से ईरान पर हमले की तैयारी कर रही है और इसी लिए कुछ नए और उन्नत हथियार इस्तेमाल करने पर भी विचार कर रही है। इनमें डार्क ईगल हाइपरसोनिक मिसाइलें भी शामिल हैं।

अमेरिका ने समुद्र में उतारे मिसाइल डेस्ट्रायर, ईरान पर सटीक हमले की तैयारी

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने अपनी नौसेना को हाई अलर्ट पर रखते हुए युद्धपोतों की तैनाती शुरू कर दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रायर यूएसएस डेलबर्ट डी ब्लैक सहित कई जहाजों पर भारी मात्रा में ईंधन, रसद, आधुनिक हथियार और अन्य जरूरी सैन्य सामान लोड किया जा रहा है। यह तैयारी इस ओर इशारा करती है कि अमेरिकी नौसेना क्षेत्र में लंबे समय तक चलने वाले किसी भी सैन्य आपरेशन के लिए पूरी तरह कमर कस चुकी है। इस बीच सैन्य हलकों से आ रही खबरें और भी चौंकाने वाली हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के विभिन्न विकल्पों से अवगत कराया है। व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान एडमिरल ब्रैड कूपर ने राष्ट्रपति के समक्ष एक छोटे लेकिन बेहद शक्तिशाली हमले का खाका पेश किया है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ईरान की बची हुई सैन्य क्षमता, उसके शीर्ष नेतृत्व और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना है। चर्चा यह भी है कि इस संभावित हमले में अमेरिका अपने सबसे घातक और उन्नत हथियार डार्क ईगल हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ईरान सीजफायर की आड़ में अपनी सैन्य शक्ति को फिर से संगठित करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी सरकार उन मिसाइलों और ड्रोन प्रणालियों को मलबे या भूमिगत ठिकानों से बाहर निकाल रही है, जो पिछले अमेरिकी-इजरायली हवाई हमलों के दौरान सुरक्षित बच गए थे।

2008 के बाद पैदा हुए लोग.......ब्रिटेन में जिंदगी भर तंबाकू से जुड़ी चीजें नहीं खरीद पाएंगे

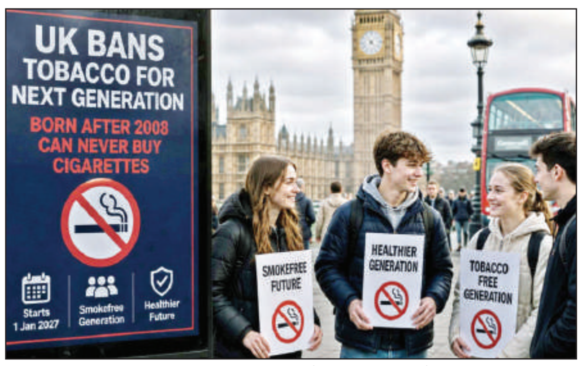

लंदन

ब्रिटेन ने धूम्रपान को रोकने के लिए सख्त कदम उठा दिया है। अब वहां नई पीढ़ी के लोगों के लिए सिगरेट खरीदना हमेशा के लिए बंद हो गया है। ब्रिटिश सरकार ने टोबैको एंड वेप्स बिल पास किया है। इसके तहत 2008 के बाद पैदा हुए लोग जिंदगी भर तंबाकू से जुड़ी चीजें नहीं खरीद पाएंगे। संसद से बिल पास हो चुका है और अब सिर्फ किंग चार्ल्स तृतीय की औपचारिक मंजूरी बाकी है, जिसके बाद यह कानून बन जाएगा। यह पूरे ब्रिटेन यानी इंग्लैंड, स्काटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड में लागू होगा।

ब्रिटिश सरकार ने यह बिल 2024 में पेश किया था और अपनी बड़ी प्राथमिकताओं में रखा था। नए नियम के अनुसार, 1 जनवरी 2027 से यह कानून लागू होगा। 1 जनवरी 2027 से तंबाकू खरीदने की न्यूनतम उम्र हर साल 1 साल बढ़ती जाएगी। यानी अगर 2027 में उम्र सीमा 18 साल है, तब 2028 में 19 साल, 2029 में 20 साल हो जाएगी। जो लोग 2009 या उसके बाद पैदा हुए हैं, वे कभी भी कानूनी तौर पर सिगरेट नहीं खरीद पाएंगे। दुकानदारों को हर ग्राहक की उम्र चेक करना जरूरी होगा। कम उम्र वाले को सिगरेट बेचने पर जुर्माना लगेगा। तंबाकू बेचने वालों को रजिस्ट्रेशन करना होगा। वहीं विज्ञापन और प्रमोशन पर सख्त रोक रहेगी।

वेपिंग (ई-सिगरेट) पर भी सख्ती की गई है। स्कूल, अस्पताल और बच्चों के खेलने की जगहों पर स्मोकिंग पूरी तरह बंद होगी। कई इनडोर जगहों पर वेपिंग भी नहीं कर सकते है। अगर कोई 18 साल से कम उम्र के व्यक्ति के साथ कार में वेपिंग करता है, तब वह भी गैरकानूनी होगा। ब्रिटेन के हेल्थ सेक्रेटरी वेस स्ट्रीटिंग ने कहा है कि यह पीढ़ी लत और नुकसान से बची हुई पहली स्मोक-फ्री जनरेशन होगी। उनका कहना है कि इलाज करने से बेहतर है पहले ही बीमारी को रोक दिया जाए। सरकार का कहना है कि इससे आने वाले समय में स्मोक-फ्री जनरेशन तैयार होगी और धूम्रपान से होने वाली बीमारियां और मौतें कम होंगी।

नेपाल में अतिक्रमण हटाने के लिए आज भी चल रहा है बालेन का बुलडोजर

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के कड़े निर्देशन के बाद राजधानी काठमांडू सहित देश के कई हिस्सों में रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए बुलडोजर चलाने का काम शनिवार को भी जारी है। नदी किनारों और अतिक्रमित सार्वजनिक भूमि पर बने ढांचों को हटाने के अपने अभियान का दायरा सरकार ने बढ़ा दिया है। इसी क्रम में शनिवार को काठमांडू के बालाजु और माछापोखरी क्षेत्रों में बुलडोजर से अतिक्रमण हटाने का कार्य शुरू किया गया। स्थानीय प्रशासन, सुरक्षा बलों और संबंधित निकायों के समन्वय में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत नदी किनारों और सार्वजनिक जमीन पर बने घरों, दुकानों तथा अन्य अस्थायी संरचनाओं को हटाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार यह अभियान अतिक्रमित भूमि को पुनः सरकारी नियंत्रण में लेने और संवेदनशील क्षेत्रों में बसी बस्तियों से जुड़े जोखिम को कम करने की व्यापक पहल का हिस्सा है। इससे पहले शुक्रवार को बल्खु, बंशीघाट और गोंगबु सहित विभिन्न इलाकों में भी इसी प्रकार की कार्रवाई की गई थी, जहां बुलडोजरों की मदद से अवैध माने गए ढांचों को हटाया गया।

रूस के 210 ड्रोन हमले से दहला यूक्रेन, ऊर्जा और रेलवे नेटवर्क पर हमला, बिजली-पानी पर भी संकट

जेलेंस्की का सवाल- कब तक चलेगी पुतिन की मनमानी

कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस द्वारा किए गए बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस पर कड़ा दबाव बनाने और समन्वित प्रतिबंध लगाने की अपील की है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि रूस ने रातभर में 210 ड्रोन हमले किए, जिनमें से करीब 140 शाहेद ड्रोन थे। इन हमलों का निशाना आवासीय क्षेत्र, ऊर्जा ढांचा और महत्वपूर्ण नागरिक सुविधाएं रहीं। उन्होंने कहा कि ओडेसा में आवासीय इमारतों पर हुए हमलों में आग लग गई, जिससे पांच लोग घायल हो गए। वहीं, क्रिवी रिह में ड्रोन हमले में एक व्यक्ति घायल हुआ है। इसके अलावा सूमी और जापोरिज्जिया क्षेत्रों में भी हमले किए गए।

जेलेंस्की ने बताया कि खार्किव क्षेत्र में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को भी निशाना बनाया गया, जिसमें ट्रैक्शन सबस्टेशन प्रभावित हुए। कई रेल डिब्बों में आग लग गई और हजारों परिवारों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। उन्होंने कहा कि रूस लगातार यूक्रेन के ऊर्जा सेक्टर, नागरिक सुविधाओं और महत्वपूर्ण ढांचे को निशाना बना रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि इस तरह के लगातार हमले यह साबित करते हैं कि रूस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाना बेहद जरूरी है ताकि यूरोप की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध नीति को और मजबूत करने की जरूरत है और सभी सहयोगी देशों को अपने प्रतिबंधों को एक साथ लागू करना चाहिए। जेलेंस्की ने कहा कि रूस की आर्थिक और सैन्य क्षमता को सीमित करना जरूरी है ताकि युद्ध को आगे बढ़ने से रोका जा सके।

हमारा जैविक साफ्टवेयर लगातार हो रहा है अपडेटः अध्ययन

हार्वर्ड

ताजा रिसर्च के नतीजों से पता चला है कि मनुष्य का विकास क्रम अब भी जारी है और हमारा जैविक साफ्टवेयर लगातार अपडेट हो रहा है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन ने पुरानी धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। चार्ल्स डार्विन के नैचुरल सलेक्शन सिद्धांत के अनुसार, समय के साथ प्रजातियों में बदलाव आते हैं और अनुकूल गुणों वाले जीव जीवित रहते हैं।

पहले विज्ञान मानता था कि लगभग दस हजार साल पहले इंसानों का शरीर स्थिर हो चुका था। लेकिन, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के वैज्ञानिकों ने पंद्रह हजार से अधिक प्राचीन मानव अवशेषों के डीएनए की जांच कर यह साबित किया है कि विकास का पहिया अभी थमा नहीं है। इंसानों के डीएनए में उम्मीद से कहीं अधिक तेजी से परिवर्तन आए हैं। अध्ययन में पश्चिमी यूरेशिया के इंसानों पर विशेष ध्यान दिया गया। इसमें पाया गया कि हाल के इतिहास में नैचुरल सलेक्शन ने लगभग पाँच सौ जेनेटिक वैरिएंट्स को बढ़ावा दिया है। इनमें पुरुषों में लाल बाल और कम गंजेपन से जुड़े जीन भी शामिल हैं।

इसके अलावा, वैज्ञानिकों ने त्वचा का हल्का रंग, शराब की लत का कम जोखिम और सीलिएक रोग का बढ़ा हुआ जोखिम जैसे प्रमुख लक्षण भी चिह्नित किए हैं, जो प्राकृतिक चयन के कारण विकसित हुए हैं। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में आनुवंशिकी के प्रोफेसर अली अकबरी, जो इस शोध दल का हिस्सा थे, ने लाइव साइंस को बताया कि मानव विकास की गति धीमी नहीं हुई थी, बस ऐसा था कि हम इसके संकेतों को पकड़ नहीं पा रहे थे। शोधकर्ताओं ने सात साल तक दस हजार साल पुराने डीएनए नमूनों का अध्ययन किया। उनका कहना है कि जब इंसानों ने शिकार छोड़कर खेती करना शुरू किया, तब से प्राकृतिक चयन की प्रक्रिया कुछ तेज हो गई है। हालांकि, वैज्ञानिक अभी भी पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं हैं कि विकासवाद ने इन्हीं खास लक्षणों को क्यों चुना।

शोधकर्ताओं के अनुसार, यह संभव है कि लाल बाल होने जैसा कोई लक्षण इसलिए आगे बढ़ा हो क्योंकि वह किसी अन्य ऐसे जीन के करीब था, जिसे प्रकृति स्वयं बढ़ावा दे रही थी। इस अध्ययन के नतीजों पर कुछ वैज्ञानिकों का एक धड़ा संदेह भी व्यक्त कर रहा है और वे नैचुरल सलेक्शन के लिए अधिक पुख्ता सबूतों पर जोर दे रहे हैं। इस महत्वपूर्ण रिसर्च से भविष्य में जीन थेरेपी के विकास में बड़ी मदद मिल सकती है। यदि डाक्टरों को यह पता हो कि किसी खास जीन को प्रकृति ने जानबूझकर चुना है, तो उसे हटाने या बदलने से पहले वे अधिक सावधानी बरत सकेंगे। बता दें कि मानव विकास को लेकर अब तक यह माना जाता रहा है कि एक निश्चित समय के बाद इंसानों में शारीरिक और जैविक बदलाव लगभग रुक गए हैं, लेकिन ताजा अध्ययन ने यह सालों पुरानी धारणा को बदल दिया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज प्रत्येक कार्य मे लाभ की स्थिति दिखेगी , आपकी आय में वृद्धि होगी. किसी अन्य तरीके से भी आर्थिक लाभ होगा. मित्रों के साथ भेंट होगी. सतर्क होकर कार्य करने की आवश्यकता है. आज आपको किसी अपने या किसी अजनबी से कोई ऐसी शिक्षा मिल सकती है, जिसकी आपको जरूरत थी. आप किसी की तरफदारी ना करते हुए सच का साथ देंगे इससे आपके सहकर्मी आपसे बहुत प्रभावित होंगे.रोज सुबह योग और ध्यान का व्यवहार करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप शिक्षण से जुड़े हुए सामाजिक कार्य मे रहते हैं तो आज प्रतिष्ठा मे वृद्धि सम्भव हैं रैंक मे उछाल आएगा छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे. व्यवसाय क्षेत्र में आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा, दाम्पत्यजीवन मे मधुरता बढेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बहुत समय पश्चात खुशखबरी मिलती हुई दिखेगी। किसी विशेष काम में परिवार वालों का सहयोग मिल सकता है. नौकरी में उन्नति होने के चांस बन रहे हैं. . उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की इच्छा रखने वालों के सपने साकार हो सकते हैं. आपको लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. किसी खास व्यक्ति की राय आपके काम के लिये कारगर होगी. आपका कोई दोस्त आपसे मिलने घर पर आ सकता है. गाय को चनादाल और गुड खिलाए।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज कन्याओं को बेसन के लड्डू खाने को दिजिये । जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नजर आ रही हैं. दोस्तों के साथ घूमने जाने की योजना अंतिम समय में निरस्त किए जाने की संभावना है. अपने व्यवहार से अधीनस्थों का दिल जीत लेंगे. घेरलू आज पडोस मे आपसी विवाद के कारण तनाव रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज समय आप के पक्ष मे रहेगा शरीर मे उर्जा रहेगी । कार्य क्षेत्र पर वरिष्ठ और सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगें और आपको अपनी प्रतिभा और प्रयासों के लिए उचित मान्यता प्राप्त होगी. आपका पारिवारिक–जीवन खुशियों से उज्वल रहेगा. आप अच्छे स्वास्थ्य में होंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. एक नया व्यवसाय शुरू करने या विवेकपूर्ण निवेश करने के लिए एक बहुत अच्छी अवधि है.आज व्यापार मे नये समझौते होंगे भविष्य सुनहरा होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कार्यसिद्धि होगी , भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अगर आपका कार्य शिक्षण संस्थान से जुड़ा है, तो आज लाभ होगा. व्यावसायिक प्रगति के लिए दिन अनुकूल है. आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा. उनके साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे. किसी बड़ी बिजनेस मिटिंग के लिये आयोजित पार्टी में जायेंगे, नये कारोबारीयों से मुलाकात होगी इससे फायदा होगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका महनत का फल मिलेगा परिश्रम सफल होगा । आप अपना धैर्य बनाये रखें. आप सबके साथ एक अच्छे तरीके से कार्य कर पाएंगे. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. व्यवसाय से संतुष्टि रहेगी. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. अपने सहकर्मियों से मतभेद संभव है. विरोधी नुकसान पंहुचा सकते हैं. विदेश जाने के योग बन रहे हैं.अगर आपके रिश्तोमे मे खटास हैं तो बातचीत से सुलझाना चाहिए मनमुटाव दूर होगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मिलाझुला दिन रहेगा लेकिन वे आपके पक्ष में रहेंगे. बेकार की गतिविधियों में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद न करें. अपने निर्णयों पर उचित ध्यान दें. यदि आप कोई निवेश करना चाहते हैं, तो विशेषज्ञ से मार्गदर्शन लेना उचित रहेगा. आप अपने दोस्तों की मदद से समस्याओं का हल निकाल सकते हैं. जिस व्यक्ति से आप प्यार करते हैं, पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण रहेगा । हल्काफुलका भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पडोस मे कोई उत्सव रहेगा आपका दिन उत्तम रहेगा. रिश्तेदारों का घर पर आना–जाना लगा रहेगा. किसी बुजुर्ग की मदद करने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. आप सेहतमंद रहेंगे. रिश्तों में मिठास बनी रहेगी. किसी से संपर्क करने के लिए दिन अच्छा है. रुके हुए पैसों को पाने के लिए कोई नया प्लान दिमाग में आयेगा. कार्यक्षेत्र में आज आपको काम के लिये वाहवाही मिलेगी. नंदी भगवान को केले का फल खिलाए

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समय कुछ खास नहीं हैं आप जितनी मेहनत करोगे उतना ही आपको फायदा हो सकता है. अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है. आपके मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है. दुश्मन आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं. नौकरी में बदलाव के भी योग बन रहे हैं बटुक बालक को गुड की मिठाई खिलाए घर मे सुबह धूप जलाएं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप लोगों के लिए एक आदर्श व्यक्ति के रुप मे दिखेंगे आप की लोकप्रियता बढेगी आपके दुश्मन आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में आप की स्थिति बढेगी . सामाजिक लोकप्रियता के चलते आप आकर्षण का केंद्र बनेंगे. आर्थिक पक्ष यथावत रहेगा. आपका पारिवारिक–जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. आज परिवार मे दाम्पत्यजीवन मे और बच्चों मे आपसी स्नेह रहेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप अपने तरीकों से कारोबार मे नयें समझौते करेंगे आप कार्यक्षेत्र बढेगा साझेदारी का काम भी फलदायी होगा . आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. आज जिस काम से यात्रा करेंगे, उसमें कामयाबी मिल सकती है. जीवनसाथी से सहयोग मिल सकता है. राजनीति के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है. आज आपको खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. सोचे हुए कार्यों की गति मजबूत रहेगी. अधिकारी वर्ग आपके काम से प्रसन्न होंगे. छोटे बच्चों को निराश नही करना चाहिए कुछ उपहार देना होगा आप के कार्य सिद्ध होंगे सफलता चरम पर होगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 मई 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 03:04 तक
नक्षत्र : विशाखा प्रात: 07:04 तक
योग : वरियान रात्रि 10:26 तक
करण : तैतिल दोपहर 01:57 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : नारद जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान,
भागवत कथा एवं मूल पारायण,
वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह,
कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष
सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज,
हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गिरफ्तारियां कम, लेकिन छापेमारी डबल...

ईडी की रिपोर्ट में सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

नयी दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक साल में छापेमारी ज्यादा की है, लेकिन इस दौरान गिरफ्तारियां कम हुई हैं। ईडी की 2025–26 की सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। 2025–26 में मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में हुई गिरफ्तारियों में लगभग 27% की कमी आई है। लेकिन इसी दौरान 81 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त की गई है, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। रिपोर्ट के मुताबिक, मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत 2025–26 में 2,892 छापेमारी की गई। जबकि, 2024–25 में 1,491 छापेमारी की गई थी। यानी, 2024–25 की तुलना में 2025–26 में छापेमारी लगभग डबल हो गई। पीएमएलए के तहत, ईडी के पास अपराध से की गई कमाई में गिरफ्तारी, तलाशी, जब्ती या कुर्की करने का अधिकार है। इस कानून के तहत जमानत मिलना भी बेहद मुश्किल हो जाता है। जमानत तभी मिल पाती है, जब अदालत को लगता है कि आरोपी निर्दोष है और अगर उसे जमानत पर छोड़ा जाता है तो वह कोई अपराध नहीं करेगा।

ईडी की रिपोर्ट के मुताबिक, मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में ईसीआईआर दर्ज किया जाता है। 2024–25 में ईडी ने 775 ईसीआईआर दर्ज किए थे, जबकि 2025–26 में यह संख्या बढ़कर 1,080 हो गई। गिरफ्तारियों की बात करें तो 2025–26 में मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में ईडी ने 156 लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि 2024–25 में 214 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। छापेमारी के मामले में ईडी ने 2025–26 में कुल 2,892 छापेमारी की। इससे पहले 2024–25 में ईडी ने 1,491 जगहों पर छापेमारी की थी। सजा के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2025–26 में मनी लॉन्ड्रिंग के 9 मामलों में सजा सुनाई गई, जिनमें 19 दोषियों को सजा हुई। 2024–25 में 9 मामलों में 38 लोगों को सजा हुई थी। ईडी की रिपोर्ट के मुताबिक, मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में होने वाली गिरफ्तारियों में 27 फीसदी की कमी आई है।

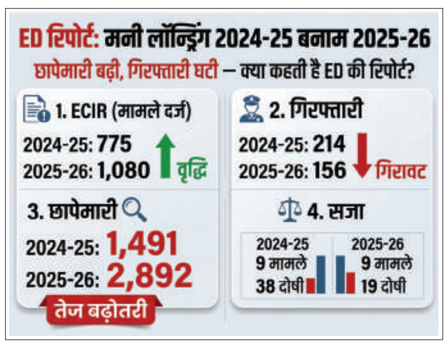
ED रिपोर्ट: मनी लॉन्ड्रिंग 2024-25 बनाम 2025-26
छापेमारी बढ़ी, गिरफ्तारी घटी – क्या कहती है ED की रिपोर्ट?

1. ECIR (मामले दर्ज)
2024-25: 775
2025-26: 1,080
वृद्धि

2. गिरफ्तारी
2024-25: 214
2025-26: 156
गिरावट

3. छापेमारी
2024-25: 1,491
2025-26: 2,892
तेज बढ़ोतरी

4. सजा
2024-25: 9 मामले, 38 दोषी
2025-26: 9 मामले, 19 दोषी

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, गिरफ्तारियों में आई इस गिरावट के पीछे ईडी का कहना है कि जांच एजेंसी अब पहले से ज्यादा टारगेटेड और सबूतों के आधार पर जांच कर रही है। गिरफ्तारियों में भले ही कमी आई हो लेकिन अपराधियों की संपत्ति की कुर्की में बहुत बड़ा उछाल आया है। 2025–26 में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपियों की 81,422 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क किया। जबकि, इससे पहले 2024–25 में ईडी ने 30,036 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। सबसे अहम आंकड़े संपत्ति की बहाली में देखने को मिले।

इसके तहत ईडी जब्त की गई संपत्तियों को धोखाधड़ी के पीड़ितों, जैसे- निवेशकों, घर खरीदारों या बैंकों को वापस सौंप देती है। 2025–26 के दौरान ईडी ने 32,678 करोड़ रुपये की संपत्ति पीड़ितों को लौटाई, जबकि 2024–25 में 15,263 करोड़ रुपये की संपत्ति वापस की गई थी। ईडी के 70 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एजेंसी ने बताया कि उसका कन्विक्शन रेट 94% है और अब तक 2.36 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की जा चुकी है। ईडी अब ड्रग्स और साइबर क्राइम पर भी बढ़ा फोकस कर रहा है।

दिल्ली के ग्रीन पार्क में जज ने लगाई फांसी, बाथरूम में मिला शव

कड़कड़डूमा अदालत में कार्यरत 30 वर्षीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अमन कुमार शर्मा की संदिग्ध मौत

नयी दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

दक्षिणी दिल्ली के ग्रीन पार्क इलाके में शनिवार को एक जज ने आत्महत्या कर ली। 30 वर्षीय अमन कुमार शर्मा कड़कड़डूमा अदालत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के रूप में कार्यरत थे। वे अपने घर में मृत पाए गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या की। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सफदरजंग एन्क्लेव थाना पुलिस को डीडी नंबर 34 के तहत एक पीसीआर कॉल मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत ग्रीन पार्क मेन स्थित यू–4ए, प्रथम तल पर पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि अमन कुमार शर्मा अपने घर के बाथरूम में मृत अवस्था में मिले। बाहर से चढ़कर बाथरूम की खिड़की का शीशा तोड़ा गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना की जानकारी मृतक के जीजा शिवम ने पुलिस को दी, जो डिफेंस कॉलोनी में रहते हैं। पुलिस ने शुरुआती जांच में किसी तरह की साजिश या बाहरी हस्तक्षेप के संकेत नहीं पाए हैं। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से गंभीरता से जांच की जा रही है। आत्महत्या के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। इसके लिए पुलिस परिजनों, दोस्तों और करीबी सहयोगियों से पूछताछ कर रही है।

मृतक के रिश्तेदार राजेश शर्मा ने बताया कि अमन शर्मा ने रात 10 बजे अपने पिता को फोन किया था और बोला था कि मैं बहुत परेशान हूं, मेरा जीना मुश्किल हो गया है। पिता ने अमन का हौंसला बढ़ाया और पूछा बेटा क्या हुआ? रात में ही पिता अलवर से दिल्ली के लिए निकल गए और 12 बजे पहुंच गए थे। यहां आने पर मालूम चला कि अमन का पत्नी से कुछ विवाद चल रहा था, अमन ने कहा मुझे 2 महीने से बहुत परेशान कर रखा है।

अमन की पत्नी भी ज्यूडिशियल ऑफिसर हैं, पत्नी की बहन आईएएस अधिकारी हैं और जम्मू में पोस्टेड हैं।

पिता के अनुसार, अमन ने बताया कि निधि ही मालिक है, उनका बहुत कंट्रोल है घर में। घर में सब उनकी चलती है। पिता ने अमन को समझाने की कोशिश की। पिता ने बताया, बहू ने कहा कि अगर आप यहां से नहीं जाओगे तो मैं पुलिस बुला लूंगी आपको बंद करवा दूंगी। खैर पिता रात को रुके, पिता ने अमन की पत्नी के माता–पिता को संपर्क करने की कोशिश की तो उन्होंने नंबर ब्लॉक कर दिया।

अमन कुमार शर्मा ने 19 जून 2021 को दिल्ली न्यायिक सेवा में अपनी जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने वर्ष 2018 में पुणे के सिम्बायोसिस लॉ स्कूल से कानून की पढ़ाई पूरी की थी। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई आपराधिक और दीवानी मामलों की सुनवाई की और विभिन्न अदालतों में न्यायिक जिम्मेदारियां निभाईं।

अक्टूबर 2025 से वह कड़कड़डूमा अदालत में उत्तर–पूर्व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में फुल–टाइम सचिव के पद पर तैनात थे। उनकी अचानक मौत ने न केवल उनके परिवार, बल्कि न्यायिक तंत्र से जुड़े लोगों को भी गहरे सदमे में डाल दिया है।

प्रजा पालन मंच पर सत्य की जीत, चेयरमैन अनिल का सख्त प्रतिवाद

आसिफाबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद में आयोजित प्रजा पालन कार्यक्रम के दौरान एक अहम क्षण देखने को मिला, जब ग्रंथालय संस्था के चेयरमैन अनिल ने बीआरएस विधायक कोवा लक्ष्मी के तीखे आरोपों का दृढ़ता से प्रतिवाद किया और वास्तविकताओं को जनता के सामने रखा। पिछली सरकार की विफलताओं पर अनिल ने याद दिलाया कि बीआरएस शासनकाल में सरपंचों के कार्यों के बिल रोक दिए गए थे, जिससे वे गंभीर कठिनाइयों में फंस गए। उन्होंने मिशन भागीरथ की असफलता का भी जिक्र किया, जिसके कारण आज भी लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा।

इसी तरह डबल बेडरूम मकानों के वादों से जनता को गुमराह किया गया। वर्तमान सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए अनिल ने महालक्ष्मी योजना (महिलाओं को आर्थिक सहायता) और 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन उपलब्धियों को नकारना जनता के साथ अन्याय है। विधायक द्वारा मंच को राजनीतिक आलोचना का साधन बनाने पर अनिल ने सवाल उठाया और कहा कि सरपंचों व जनता के पक्ष में खड़े होकर सच्चाई बताना ही उनकी जिम्मेदारी है। उनकी ईमानदार तर्कों ने कार्यक्रम का केंद्रबिंदु बन गया।

अनिल की साफगोई और जनता के पक्ष में खड़े होने की दृढ़ता ने स्पष्ट संदेश दिया कि विकास को रोकने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रजा पालन कार्यक्रम : आसिफाबाद में कल्याण योजनाओं का लाभ हजारों तक पहुँचा : हरिता

आसिफाबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले की पात्र जनता तक हर कल्याणकारी योजना पहुँचाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। शनिवार को समेकित कलेक्ट्रेट भवन परिसर में आयोजित प्रजा पालन 0 प्रगति प्रणाली 99 दिन कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा स्तर की बैठक में कलेक्टर हरिता ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ हर योग्य व्यक्ति तक पहुँचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

कलेक्टर ने अब तक की प्रगति बताते हुए कहा कि 22.50 करोड़ रुपये 24,209 पेंशनधारियों को वितरित किए गए। 36,179 परिवारों को नए राशन कार्ड जारी कर सन्ना चावल वितरण शुरू किया गया।

1.22 लाख किसानों को रायथु भरोसा योजना से 221 करोड़ रुपये सीधे खातों में जमा किए गए।

रायथु बीमा योजना के तहत 6,791 मृत किसानों के परिवारों को 36.35 करोड़ रुपये सहायता दी गई। कल्याण लक्ष्मी व शादी मुबारक योजनाओं से 6,957 लाभार्थियों को 59.38 करोड़ रुपये चेकों के रूप में दिए गए। इंदिरम्मा आवास योजना की पहली किस्त में 5,029 मकान मंजूर किए गए।

39,223 परिवारों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली से 6.27 करोड़ रुपये का लाभ मिला। 29,161 परिवारों को गैस सिलेंडर सब्सिडी के रूप में 24.62 करोड़ रुपये खातों में जमा किए गए। अम्मा आदर्श विद्यालय समिति के तहत 503 स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं के लिए 163 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

कलेक्टर ने कहा कि आने वाले शैक्षणिक वर्ष से सरकारी स्कूलों में छात्रों को नाश्ता, स्कूल किट और इंटरमीडिएट विद्यार्थियों को मिड–डे मील उपलब्ध कराया जाएगा। दूसरी किस्त में इंदिरम्मा आवास भी पात्र परिवारों को दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रजा पालन 0 प्रगति प्रणाली के तहत मार्च 6 से जिले में स्वच्छता, फाइल क्लियरेंस, सड़क सुरक्षा, कल्याण सप्ताह, नशा मुक्ति जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। 4 से 9 मई तक रायथु वारोत्सव में जनप्रतिनिधियों और किसानों से व्यापक भागीदारी की अपील की।

इस अवसर पर विधायक कोवा लक्ष्मी ने कहा कि कलेक्टर हरिता ने पदभार ग्रहण करने के बाद प्रतिदिन क्षेत्रीय दौरे कर जनता की समस्याओं को समझकर समाधान की दिशा में कदम उठाए हैं। उन्होंने मांग की कि इस कार्यक्रम के लिए पर्याप्त निधि जारी कर दूरदराज़ गांवों में पेयजल और सड़क सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

कार्यक्रम में अतिरिक्त कलेक्टर युवराज मार्मट, एम. डेविड, जिला ग्रंथालय अध्यक्ष अनिल, कृषि मार्केट समिति अध्यक्ष इरुकुल्ला मंग, नगर पालिका अध्यक्ष मोंग्रे आकाश, राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सरपंच, महिला स्वयं सहायता समूह और अन्य उपस्थित रहे।

पेद्दापल्ली 99–दिन कार्यक्रम में विकास पर जोर, सरकारी व्हिप ने सराहा

पेद्दापल्ली, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी व्हिप चिंताकुंटा विजया रमना राव ने कहा कि वेलफेयर डेवलपमेंट प्रोग्राम को लागू करने में पेद्दापल्ली जिला सबसे आगे है। उन्होंने डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर कोया श्री हर्षा और डीसीपी राम रेड्डी के साथ पेद्दापल्ली मंडल के बंदमपल्ली स्वरूपा गार्डन में आयोजित पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्रेस प्लान के 99–दिन के प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

इस मौके पर बोलते हुए सरकारी व्हिप चिंताकुंटा विजया रमना राव ने कहा कि सरकार के कल्याण और विकास प्रोग्राम जिले में पूरी तरह से लागू किए जा रहे हैं। पेद्दापल्ली सरकारी अस्पताल राज्य में टॉप पर रहा है और उसने 4 अवॉर्ड जीते हैं। ओपीडी की संख्या 280 से बढ़कर 900 हो गई है, और डिलीवरी 40 से बढ़कर 250 हो गई है।

उन्होंने कहा कि नए अस्पताल की बिल्डिंग का कंस्ट्रक्शन तेजी से चल रहा है, और एमआरआई स्कैन तथा सीटी स्कैन की सुविधा देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में सभी सर्विस मुफ्त दी जाती हैं, और प्राइवेट अस्पतालों में लाखों का इलाज यहां मुफ्त में दिया जाता है। दूसरे इलाकों से भी लोग पेद्दापल्ली अस्पताल आ रहे हैं। न्यूबोर्न केयर सेंटर, डायलिसिस, कार्डियोलॉजी, 2डी इको जैसी सर्विस उपलब्ध हैं।

सरकार महिला सशक्तिकरण को खास प्राथमिकता दे रही है और बिना ब्याज के लोन व बिजनेस के मौके दे रही है। धान की खरीद में बिना किसी कटौती के 48 घंटे के अंदर किसानों के अकाउंट में पैसे जमा किए जा रहे हैं। किसानों को फसल चक्र पर ध्यान देना चाहिए और धान व मक्का के साथ दूसरी फसलें भी उगानी चाहिए। सरकार मार्कफेड के जरिए किसानों की मदद कर रही है।

जिला कलेक्टर कोया श्री हर्ष ने कहा कि सरकार की गाइडलाइन के हिसाब से 99 दिन का प्रोग्राम लागू किया जा रहा है। नई सरकार बनने के बाद गृह ज्योति स्कीम के जरिए गरीबों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली, नए राशन कार्ड, डाइट चार्ज में बढ़ोतरी, इंदिरम्मा मानस, 500 रुपये का गैस सिलेंडर, इंदिरा महिला शक्ति ब्याज–मुक्त लोन, राशन चावल, किसान आश्वासन, किसान कर्ज माफी, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा जैसी स्कीमें लागू की जा रही हैं।

यह प्रोग्राम लोगों से फीडबैक लेने के लिए चलाया जा रहा है और इंदिरम्मा मानस स्कीम में आई दिक्कतों को दूर कर दिया गया है। हर सोमवार को प्रोग्रेस के हिसाब से पेमेंट किया जा रहा है। 6 मई को वेंकट पद्मा फंक्शन हॉल में एक मेगा जॉब फेयर लगाया जाएगा, जिसमें करीब 100 कंपनियां हिस्सा लेंगी और 2,000 युवाओं को नौकरी के मौके देंगी। लोगों से कहा कि वे इस जानकारी को बड़े पैमाने पर फैलाएं।

अनाज की खरीद को लेकर किसी भी तरह की गलतफहमी की जरूरत नहीं है, क्योंकि अभी खरीद तेजी से हो रही है। किसानों को सलाह दी कि वे तेज गर्मी के कारण ट्रांसपोर्ट की दिक्कतों के बावजूद सहयोग करें और अच्छी क्वालिटी का अनाज लाएं। डीजल और पेट्रोल की कमी की अफवाहें झूठी हैं और जिले में काफी स्टॉक है। स्टॉक पर रोजाना नजर रखी जा रही है और हर पेट्रोल पंप पर निगरानी है। लोगों को सलाह दी गई कि वे उतना ही खरीदें जितनी जरूरत है।

इस प्रोग्राम में डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी के चेयरमैन नानैया गौड़, पेद्दापल्ली मार्केट कमेटी के चेयरमैन मल्ला रेड्डी, सुल्तानाबाद मार्केट कमेटी के चेयरमैन प्रकाश, आरडीओ बी. गंगैया, जिले के अधिकारी, लोगों के प्रतिनिधि और अन्य लोग शामिल हुए।

मंचेरियाल में धान खरीद में देरी से किसानों में नाराज़गी

किसानों ने जताई चिंता, प्रशासन से प्रक्रिया तेज करने की मांग

मंचेरियाल, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

यासांगी सीजन–2026 की धान खरीद प्रक्रिया में देरी के कारण किसानों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि यूरिया की कमी और रायथु लाभ जारी होने में देरी जैसी चुनौतियों के बावजूद उन्होंने फसल उगाई और इस महीने के पहले सप्ताह से कटाई शुरू कर दी है, लेकिन खरीद प्रक्रिया समय पर शुरू नहीं हुई।

कृषि अधिकारियों के अनुसार जिले में इस सीजन में 1.22 लाख एकड़ में धान की खेती हुई है और अनुमानित उत्पादन 2.20 लाख मीट्रिक टन रहेगा। नागरिक आपूर्ति विभाग ने बताया कि जिले में 313 खरीद केंद्रों की पहचान की गई है और किसानों की सुविधा के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

किसानों का कहना है कि अब तक 50 से अधिक केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, लेकिन खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं होने से उन्हें धान के ढेर की रखवाली करनी पड़ रही है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि अचानक बारिश होती है तो फसल खराब हो जाएगी और भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

किसानों ने अधिकारियों से मांग की कि सभी केंद्रों पर तुरंत प्रक्रिया शुरू की जाए और इसे तेज किया जाए। जानकारी मिली है कि अनुकूलित चावल पिसाई (सीएमआर) प्रक्रिया के लिए चिन्हित मिलों को अभी टैग नहीं किया गया है और अनाज ढुलाई के लिए वाहन भी किराए पर नहीं लिए गए हैं।

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि देरी जारी रही तो वे मजबूर होकर निजी व्यापारियों को अनाज बेचेंगे। किसानों ने याद दिलाया कि बीआरएस शासन के दौरान बिना किसी बाधा के उपज की खरीद की जाती थी।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जानें भगवान शिव को क्यूं नहीं चाढाए जाते ये 5 किस्म के चढावे

केतकी के फूल-एक बार ब्रहमाजी व विष्णुजी में विवाद छिड गया कि दोनों में श्रेष्ठ कौन है। ब्रहमाजी सृष्टि के रचयिता होने के कारण श्रेष्ठ होने का दावा कर रहे थे और भगवान विष्णु पूरी सृष्टि के पालनकर्ता के रूप में स्वयं को श्रेष्ठ कह रहे थे।

तभी वहां एक विराट लिंग प्रकट हुआ। दोनों देवताओं ने सहमति से यह निश्चय किया गया कि जो इस लिंग के छोर का पहले पता लगाएगा उसे ही श्रेष्ठ माना जाएगा। अत: दोनों विपरीत दिशा में शिवलिंग की छोर ढूढंने निकले। छोर न मिलने के कारण विष्णुजी लौट आए। ब्रहमा जी भी सफल नहीं हुए परंतु उन्होंने आकर विष्णुजी से कहा कि वे छोर तक पहुँच गए थे।

उन्होंने केतकी के फूल को इस बात का साक्षी बताया। ब्रहमा जी के असत्य कहने पर स्वयं शिव वहाँ प्रकट हुए और उन्होंने ब्रहमाजी की एक सिर काट दिया, और केतकी के फूल को श्राप दिया कि शिव जी की पूजा में कभी भी केतकी के फूलों का इस्तेमाल नहीं होगा।

तुलसी-शिव पुराण के अनुसार जालंधर नाम का असुर भगवान शिव के हाथों मारा गया था।

जालंधर को एक वरदान मिला हुआ था कि वह अपनी पत्नी की पवित्रता की वजह से उसे कोई भी अपराजित नहीं कर सकता है। लेकिन जालंधर को मरने के लिए भगवान विष्णु को जालंधर की पत्नी तुलसी की पवित्रता को भंग करना पडा। अपने पति की मौत से नाराज तुलसी ने भगवान शिव का बहिष्कार कर दिया था ।

नारियल पानी शिव जी की पूजा नारियल से होती है लेकिन नारियल पानी से नहीं। क्योंकि शिवलिंग पर चढाई जाने वाली सारी चीजें निर्मल होनी चाहिए यानि जिसका सेवन ना किया जाए। नारियल पानी देवताओं को चढाये जाने के बाद ग्रहण किया जाता है इसीलिए शिवलिंग पर नारियल पानी नहीं चढाया जाता है।

हल्दी-शिवलिंग पर हल्दी कभी नहीं चढाई जाती है क्योंकि यह महिलाओं की सुंदरता को बढाने के लिए इस्तेमाल होती है। और शिवलिंग भगवान शिव का प्रतीक है।

कुमकुम-सिंदूर या कुमकुम हिंदू महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र के लिए लगाती हैं। जैसा की हम जानते हैं कि भगवान शिव विध्वंसक के रूप में जाने जाते हैं इसलिए शिवलिंग पर कुमकुम नहीं चढाया जाता है।

क्यों महिलाएं पैर में पहनती है बिछिया, क्या इसके वैज्ञानिक तर्क भी है

भारत एक ऐसा देश है जहां पर विभिन्न धर्म है। इन धर्मों में कई तरह के रीति-रिवाज और परंपराए है। खासतौर में हिंदू धर्म में। हिंदू धर्म एक ऐसा धर्म है जिसमें आज हर शुभ काम हो या फिर कोई खास मौका सभी में रिवाज होता है। लेकिन आप जानते है कि इन सभी कामों से हमारे शरीर को कितना फायदा मिलता है। साथ ही इससे हमारे दिमाग में भी अधिक प्रभाव पडता है। हिंदू धर्म में एक चीज सबसे अलग है वो है किसी महिला का सोलह श्रृंगार।

जो पूरी दुनिया में भी फेमस है। इस सोलह श्रृंगार में माथे की बिंदी से लेकर पांव में पहनी जाने वाली बिछिया तक होता है। हर एक चीज का अपना एक महत्व है। परंपराओं की दृष्टि से तो इनके महत्व रोचक हैं। जानिए पांव में पहने जाने वाली बिछिया के पीछे क्या है कारण साथ ही वैज्ञानिक तर्क क्या है।

बिछिया जिसे हिंदू और मुस्लमान दोनों धर्म की महिलाएं पहनती है। कई लोग तो इसे सिर्फ शादी का प्रतीक चिंह ही मानते है, लेकिन क्या आप जानते है कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी है। शायद ही आपको यह बात पता हो कि इसे पहनने का सीधा संबंध उनके गर्भाशय से है।

विज्ञान में माना जाता है कि पैरों के अंगूठे की तरफ से दूसरी अंगुली में एक विशेष नस होती है जो गर्भाशय से जुडी होती है। यह गर्भाशय को नियंत्रित करती है और रक्तचाप को संतुलित कर इसे स्वस्थ रखती है। प्राचीनकाल में स्त्रियों व लडकियों को पायल एक संकेत मात्र के लिए पहनाया जाता था।

जब घर के सदस्य के साथ बैठे होते थे तब यदि पायल पहने स्त्री की आवाज आती थी तो वह पहले से सतर्क हो जाते थे ताकि वह व्यवस्थित रूप से आने वाली उस महिला का स्वागत कर सकें पायल की वजह से ही सभी को यह एहसास हो जाता है कि कोई महिला उनके आसपास है अत: वे शालीन और सभ्य व्यवहार करें। ऐसी सारी बातों को ध्यान में रखते हुए लडकियों के पायल पहनने की परंपरा लागू की गई।

वहीँ, वास्तु के अनुसार, पायल व बिछिया की आवाज से घर में नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव कम हो जाता है इसके अलावा दैवीय शक्तियां अधिक सक्रिय हो जाती है यह भी इसका एक कारण हो सकता है। इसके अलावा पायल की धातु हमेश पैरों से रगडाती रहती है जो स्त्रियों की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद है। इससे उनके पैरों की हड्डी को मजबूती मिलती है। बिछिया को कई लोग तो इसे सिर्फ शादी का प्रतीक चिंह ही मानते है, लेकिन इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी यही है कि इसे पहनने का सीधा संबंध उनके गर्भाशय से है।

विज्ञान में माना जाता है कि पैरों के अंगूठे की तरफ से दूसरी अंगुली में एक विशेष नस होती है जो गर्भाशय से जुडी होती है। यह गर्भाशय को नियंत्रित करती है और रक्तचाप को संतुलित कर इसे स्वस्थ रखती है। बिछिया के दबाव से रक्तचाप नियमित और नियंत्रित रहती है और गर्भाशय तक सही मात्रा में पहुंचती रहती है। यह बिछिया अपने प्रभाव से धीरे-धीरे महिलाओं के तनाव को कम करती है, जिससे उनका मासिक-चक्र नियमित हो जाता है। साथ ही इसका एक और फायदा है। इसके अनुसार बिछिया महिलाओं के प्रजनन अंग को भी स्वस्थ रखने में भी मदद करती है। बिछिया महिलाओं के गर्भाधान में भी सहायक होती है।

शास्त्रों में कहा गया है कि दोनों पैरों में चांदी की बिछिया पहनने से महिलाओं को आने वाली मासिक चक्र नियमित हो जाती है। इससे महिलाओं को गर्भ धारण में आसानी होती है। चांदी विद्युत की अच्छी संवाहक मानी जाती है। धरती से प्राप्त होने वाली ध्रुवीय उर्जा को यह अपने अंदर खींच पूरे शरीर तक पहुंचाती है, जिससे महिलाएं तरोताजा महसूस करती हैं।

देवी सरस्वती ब्रहमाजी की पुत्री और पत्नी हैं

देवी सरस्वती ब्रहमाजी की पुत्री और पत्नी हैं। इस बात का विस्तार से उल्लेख हिंदू धर्म ग्रंथो में मिलता है। देवी सरस्वती को कला की देवी मानी जाती हैं। उन्हें वाक् देवी भी कहा जाता है, वह इसलिए क्योंकि उन्होंने ज्ञान और शब्दों की रचना की है। देवी सरस्वती का वाहन हंस है।

वह कमल पर विराजती हैं। वीणा उनके हाथों में हमेशा मौजूद रहती है। हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित एक पौराणिक कहानी के अनुसार वीणा का सृजन स्वयं भगवान शिव ने पार्वती देवी के रूप को समर्पित करते हुए किया था। अमूमन धार्मिक काव्य ग्रंथों में सौंदर्य के प्रसंग में वीणा का उल्लेख होता है। वैदिक साहित्य में वीणा का उल्लेख बारंबार संगीत के संदर्भ में होता है। मध्यकाल तक भी विभिन्न कलात्मक कृतियों में वीणा को शास्त्रीय संगीत से जोडा जाता रहा। उत्तर भारत में वीणा का स्थान प्राय: सितार ने लिया किंतु दक्षिण भारत में वीणा आज तक लोकप्रिय माना जा सकता है।

देवी सरस्वती की पूजा भारत ही नहीं बल्कि दक्षिण एशिया के देशों थाइलैण्ड, इण्डोनेशिया, जापान एवं अन्य देशों में भी होती है। जापान में 'बेंजाइटन', म्यांमार में 'थुयथदी' और 'तिपिटक मेदा', चीन में 'बियानचाइत्यान' और थाईलैण्ड में देवी सरस्वती को 'सुरसवदी' के नाम से भी जाना जाता है।

हर शुभ अवसर पर हम ज़्यू करते हैं फूलों का प्रयोग।

हमारे देश में हम हर शुभ कार्यों में फूलों का इस्तेमाल करते हैं फिर चाहे वह कोई पूजा हो, घर को सजाना हो या शादी हो, हर शुभ अवसर पर फूलों का इस्तेमाल अच्छा माना जाता है। ईश्वर की भक्ति में हम फूलों का इस्तेमाल सबसे ज्यादा करते हैं, क्योंकि यह माना जाता है कि इससे भगवान खुश होंगे और हमे आशीर्वाद देंगे। हर भगवान का अपना महत्व होता है, और उन पर चढाने वाले फूलों का भी। गेंदा, गुडहल और कमल के फूलों का हम पूजा में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, माना जाता है कि फूलों की महक और रंगों से भगवान खुश होतें हैं और हमे आशीर्वाद देतें हैं जिससे हमारे घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है।

उत्तर दिशा में क्यों नहीं सोना चाहिए, जानें कारण

1.देवी पार्वती:यह कहा जाता है कि जब देवी पार्वती स्नान करने गयीं तो उन्होंने भगवान गणेश को द्वार पर खडे रह निगरानी करने को कहा और किसी को अंदर न आने देने का निर्देश दिया। जब शिव भगवान पार्वती जी से मिलने आये और भगवान गणेश से अंदर जाने देने को कहा।

2.गणेश और शिव की लडाई:पर गणेश आज्ञाकारी पुत्र थे और यह जानते हुए भी कि वह देवी पार्वती के पति हैं, उन्होंने शिव को अंदर जाने नहीं दिया।

3.शिव ने गणेश का सर काटा:जब पार्वती बाहर आयीं और दोनों को देखा,तो दोनों को बहस करते देख उन्हें झटका लगा। शिव ने अपना आपा खो दिया और अपने सेवकों को गणेश का सर कलम करने का निर्देश दिया।

4. आगबबूला हुई पार्वती:पार्वती आगबबूला हो गयीं और पूरी सृष्टि के विनाश करने का फैसला किया। ब्रहमा जी ने उन्हें शांत किया और बाद में पार्वती को खुश करने के लिए शिव जी ने निर्देश दिया कि ऐसे जानवर का सर लाओ जो उत्तर दिशा में मुंह कर सो रहा हो।

5. उत्तर दिशा:भगवान शिव के निर्देश के अनुसार, सेवक ऐसे जानवर को ढूंढने निकले जो उत्तर दिशा की ओर मुंह कर सो रहे थे।

6. हाथी का सर:भगवान शिव के सेवकों को एक हाथी दिखा जो उत्तर दिशा की ओर मुंह कर सो रहा था। उन्होंने उस हाथी का सर धार से अलग कर दिया और भगवान शिव को देने चले।

7. भगवान गणेश:भगवान शिव ने तब भगवान गणेश के धर पर हाथी का सर लगा कर उन्हें जीवन प्रदान किया।

और बाद में भगवान गणेश को सब पूजने लगे क्यूंकि भगवान शिव ने पार्वती जी को यह वचन दिया कि पुत्र गणेश की पूजा लोग पहले करेंगे।

8. सोने के लिए सबसे उत्तम दिशा: इसलिए, हिन्दू मान्यता के अनुसार सबसे उत्तम सोने की मुद्रा है बायीं ओर को होकर पूरब या पश्चिम दिशा में सोना। यह रक्त का प्रवाह बढाता है और आपके समस्त खैरियत का ध्यान रखता है।

बजरंगबली की माता अंजना को दुर्वासा ऋषि ने वानरी होने का शाप दिया था

भगवान श्रीराम के भक्त हनुमानजी उनके भाई की तरह हैं। इसके पीछे पौराणिक मत है। जिसका प्रमाण है गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित 'श्रीरामचरितमानस' में मिलता है। यह प्रमाण एक पौराणिक कथा के रूप में उल्लेखित है। लेकिन बजरंगबली के 5 सगे भाई भी थे। पांचों विवाहित थे, इस बात का विस्तार से उल्लेख 'ब्रहमांडपुराण' में मिलता है। जहां बजरंगबली के पिता केसरी के वंश का वर्णन है। पांचों भाईयों में बजरंगबली सबसे बडे थे। यानी हनुमानजी को शामिल करने पर वानर राज केसरी के 6 पुत्र थे।

जब कि उनके बाद क्रमश: मतिमान, श्रुतिमान, केतुमान, गतिमान, धृतिमान थे। इन सभी की संतान भी थीं। जिससे इनका वंश वर्षों तक चला। हनुमानजी के बारे जानकारी वैसे तो रामायण, श्रीरामचरितमानस, महाभारत और भी कई हिंदू धर्म ग्रंथों में मिलती है। लेकिन उनके बारे में कुछ ऐसी भी बातें हैं जो बहुत कम धर्म ग्रंथों में उपलब्ध है 'ब्रहमांडपुराण' उन्हीं में से एक है। इसी ग्रंथ में उल्लेख है कि बजरंगबली के पिता केसरी ने अंजना से विवाह किया था। केसरी वानर राज थे।

कौन थीं अंजना। हिंदू पौराणिक ग्रंथों में माता अंजना के बारे में लिखा है कि वह पहले पहले इन्द्र की सभा में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। जब दुर्वासा ऋषि भी इन्द्र की सभा में उपस्थित थे, तो वह बार-बार भीतर आ-जा रही थी। इससे रुष्ट होकर ऋषि ने उसे वानरी हो जाने का शाप दे डाला।

जब उसने बहुत अनुनय-विनय की, तो उसे इच्छानुसार रूप धारण करने का वर मिल गया। इसके बाद गिरज नामक वानर की पत्नी के गर्भ से इसका जन्म हुआ और अंजना नाम पडा। फिर वानर राज केसरी नाम के वानर से इनका विवाह हुआ और पुत्र के रूप में उन्होंने महाबलशाली और भगवान शिव के रुद्र रूप हनुमानजी को पुत्र रूप में पाया।

कृष्ण का आभामंडल नीला क्यों।

कृष्ण की हर छवि में एक नीलिमा जरूर दिखाई जाती है। एक व्यक्ति या एक व्यक्तित्व के रूप में उनके साथ आखिर क्यों जुडा है यह रंग क्या है इस रंग की खासियत आइए जानते हैं-

नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर। जो कुछ भी आपकी समझ से बडा है, वह नीला होगा, क्योंकि नीला रंग सब को शामिल करने का आधार है। आपको पता ही है कि कृष्ण के शरीर का रंग नीला माना जाता है। इस नीलेपन का मतलब जरूरी नहीं है कि उनकी त्वचा का रंग नीला था। हो सकता है, वे श्याम रंग के हों, लेकिन जो लोग जागरूक थे, उन्होंने उनकी ऊर्जा के नीलेपन को देखा और उनका वर्णन नीले वर्ण वाले के तौर पर किया। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। कृष्ण की पकृति के बारे में की गई सभी व्याख्याओं में नीला रंग आम है, क्योंकि सभी को साथ लेकर चलना उनका एक ऐसा गुण था, जिससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता। वह कौन थे, वह क्या थे, इस बात को लेकर तमाम विवाद हैं, लेकिन इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि उनका स्वभाव सभी को साथ लेकर चलने वाला था। चूंकि श्रीकृष्ण की ऊर्जा या यूं कहिए कि उनके प्रभामंडल का सबसे बाहरी घेरा नीला था, इसीलिए उनमें गजब का आकर्षण था। उनके आकर्षक होने की वजह उनकी नाक का सुडौल होना या उनकी आंखों की खूबसूरती नहीं थी। दुनिया में अच्छी नाक, सुंदर आंखों वाले और खूबसूरत कद-काठी के कितने ही लोग हैं, लेकिन उन सभी में उतना आकर्षण नहीं होता। यह किसी व्यक्ति विशेष के प्रभामंडल की नीलिमा है, जो अचानक उसे जबर्दस्त तरीके से आकर्षक बना देती है। लोग कहते हैं कि कृष्ण प्रत्यक्ष रूप से नीले थे, लेकिन यह तीन हजार साल पुरानी जनश्रुति है। उनकी नीलिमा या सबको सम्मोहित करने की उनकी क्षमता कुछ ऐसी थी कि जो लोग उनके कट्टर दुश्मन हुआ करते थे, अनजाने में ही सही, लेकिन वे भी उनके सामने हार मान लेते थे। नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर वे उन लोगों को भी आसानी से अपनी तरफ कर लेते थे, जो उन्हें बुरा कहते थे और न जाने कितनी ही बार उन्हें मारने की कोशिश कर चुके थे। हालांकि उनके और भी कई पहलू थे, लेकिन उनकी व्यक्तित्व की यह नीलिमा लगातार उनके हर काम में मदद करती थी। इसी वजह से वे बेहद सम्मोहक बन गए थे। चाहे आदमी हो या औरत, हर कोई शर्मो-हया छोड कर उनके प्रेम में पागल हो जाता था। लोग उन पर से अपनी नजरें नहीं हटा पाते थे। महिलाएं तो एक कदम और आगे थीं। पुरुषों के साथ यह दुर्भाग्य रहा है कि वे अपने प्रेम को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। केवल एक शब्द कहने में ही आदमी की सारी उम्र निकल जाती है, लेकिन कृष्ण ऐसे नहीं थे। वह पूरी आजादी से खुद को व्यक्त करते थे। वैसे मुझे भी ऐसा करने में कोई समस्या नहीं होती। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। पुरुष प्रेम में खुद को अजीब और असहज महसूस करने लगता है। वह प्रेम नहीं चाहता, बस प्रेम-क्रीडा करना चाहता है।

क्या हनुमान जी के एक पुत्र था। आइये जानें

हनुमान जी और मछली वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण के अनुसार एक बार हनुमान जी नदी में स्नान कर रहे थे तब शरीर में पैदा हुई गर्मी के कारण उनका पसीना पानी में गिर गया। यह बहता हुआ एक मछली जैसे जीव के पास जाकर उसके शरीर में प्रवेश कर गया और इससे उसे एक पुत्र की प्राप्ति हुई। इसके बाद, रावण के भाइयों अहिरावण और महिरावण को यह बच्चा नदी के किनारे मिला जिसका आधा शरीर एक वानर का और आधा एक मछली का था। इस प्रकार मकरध्वज की उत्पत्ति हुई।

मकरध्वज-वाल्मीकि रामायण के अनुसार जब अहिरावण राम और लक्ष्मण को लेकर पाताल में चला गया तो हनुमान जी उन्हें बचाने के लिए गए थे। लेकिन दरवाजे पर ही उन्हें आधे वानर और आधे मछली जैसे जीव ने चुनौती दी उसने अपना नाम मकरध्वज और वीर हनुमान का पुत्र बताया।

आश्चर्य में हनुमान जी एक वफादार रखवाले-हनुमान जी ने मकरध्वज को कहा के वे उन्हें भगवान राम और लक्ष्मण को बचाने के लिए आगे जाने दें लेकिन पिता होने के बावजूद भी उन्हें आगे नहीं जाने दिया। उसने कहा कि वह अपने मालिक अहिरावण को धोखा नहीं दे सकता। इसके बदले उसने जिस दरवाजे में राम और लक्ष्मण कैद थे उससे सम्बंधित पहेली पूछी और सही जवाब देने पर आगे जाने दिया।

मच्छानु-रामायण के कम्बोडिया और थाईलैंड संस्करण में बताया गया है कि हनुमान के पुत्र का नाम मच्छानु था जिसका जन्म हनुमान जी रावण की जलपरी सुवण्णमच्छा के साथ मिलन से हुआ। इसी प्रकार के अन्य संकरणों में भी पसीने से ही इसकी उत्पत्ति बताई गई है लेकिन इनके अनुसार वह पसीना मछली को नहीं बल्कि एक जलपरी को लगा था। कई जगह तो यह भी बताया गया है कि लंका के लिए पुल का निर्माण करते समय हनुमान जी को सुवण्णमच्छा से प्यार हो गया था और उनके मिलन से मच्छानु का जन्म हुआ।

जब हनुमान जी अपने पुत्र से मिले-रामायण के थाई और कम्बोडियन संस्करणों के अनुसार रावण की सेना युद्ध करते समय हनुमान जी का सामना एक ऐसे योद्धा से हुआ जिसका आधा शरीर वानर का और आधा मछली का था। बहुत देर तक चले युद्ध के बाद जब हनुमान जी ने अपनी गदा से उस पर वार करना चाहा तो आकाश में एक सुनहरा सितारा चमका और आकाशवाणी हुई कि जिसे तुम मारने जा रहे हो वह तुम्हारा अपना पुत्र है जो कि रावण की जलपरी सुवण्णमच्छा से तुम्हारे मिलन से पैदा हुआ है। हनुमान जी का गदा वहीं का वहीं रह रह और उन्होंने एक दूसरे को इस तरह पहचाना।

घर में लानी हैं खुशियां तो बेडरुममें ऐसे रखें शीशा

हमारे बेडरूम में शीशा रखना आम बात है, ज्यातादर घरों में ड्रेसिंग टेबल बेडरूम में रखे जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बेडरूम में शीशा रखना अच्छा नहीं माना जाता है। हालांकि अगर शीशे को ठीक तरीके से रखा जाए तो आपके घर और जिंदगी में भी सुख-समृद्धि आएगी। बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल ऐसी जगह रखें कि शीशे में आपके बेड की परछाई न दिखे। कहा जाता है कि शीशे में बेड का रिफलेक्शन दिखने से पति-पत्नी की लाइफमें किसी तीसरे की एंट्री हो सकती है। बाथरूम में शीशा लगाने से निगेटिव एनर्जी दूर होती है। यहां आप बडे साइज का शीशा लग सकते हैं। सीढियों के साथ ही दीवार पर भी लंबा शीशा लगाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है।

कामकाजी युवा अपनाएं यह खास उपाय...

मिलेगी गजब की फुर्ती

आज का युवा जीवन से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने और धन, यश, प्रतिष्ठा पाने के लिए भाग-दौड़ रहा है। इसका असर जीवन शैली पर भी दिखाई दे रहा है। जीवन तनावपूर्ण, अनियंत्रित और असंयमित हो गया है। काम की व्यस्तता के कारण खान-पान, रहन-सहन में असंतुलन पैदा हो गया है। इससे शयन क्रिया से लेकर पाचन क्रिया पर होने वाला बुरा असर शरीर को सेहतमंद रखने में बाधा बन रहा है।

इन सभी कारणों के नतीजतन शरीर रोग का घर बनता जा रहा है। अनियमित दिनचर्या के कारण आंखों का कमजोर होना, बाल झड़ना, कमजोरी, डायबिटिज, ब्लड प्रेशर जैसे अनेक रोग कम उम्र में ही अनेक युवाओं पर हावी है। आज के वैज्ञानिक युग में हालांकि इन रोगों से मुक्ति के चिकित्सा के द्वारा उपाय हैं। यह उपाय रोग नियंत्रण तो करते हैं, किंतु साथ ही दवाईयों का बुरा असर शरीर में परेशानी पैदा करता है या कमजोर बनाता है। किंतु सनातन धर्म में बताए गए कुछ ऐसे उपाय व काल नियत है जो न केवल शरीर को निरोग रखते हैं, बल्कि रोगग्रस्त होने की संभावना समाप्त कर देते हैं।

चुस्ती-फुर्ती के लिए आस्था भी चाहिए

सेहतमंद और मुस्तैद बने रहने के लिए युवाओं के लिए अधिकमास में भगवान विष्णु व युवाओं के आदर्श कर्मयोगी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति के साथ व्रत-उपवास की भी बड़ी अहमियत है। खासतौर पर आस्था रखने वाला हर कामकाजी युवा इनके जरिए ऊर्जा व चुस्ती-फुर्ती बरकरार रख सकता है। धार्मिक नजरिए उपवास का दर्शन यह है कि ईश्वर के समीप बैठना यानी भगवान की भक्ति में लीन हो जाना। इससे कुछ समय के लिए जीवन के तनाव और दबाव से हटकर मन शांत होता है, जिससे मिलने वाली धार्मिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से तन और मन काम करने के लिए तरोताजा हो जाते हैं।

उपवास करने से भी होता है फायदा

दूसरी ओर व्यावहारिक नजरिए से हफ्ते में एक बार उपवास कर पूरे दिन अन्न त्याग करने से शरीर की सभी क्रियाओं खासतौर पर पाचन तंत्र को आराम मिलता है। इन क्रियाओं का आपसी संतुलन अच्छा होने के साथ ही इनकी कार्यक्षमता बढ़ती है। इस तरह उपवास का पालन शरीर के लिए ऐसी अचूक औषधी के समान है। जो निरोग और दीर्घायु जीवन तय करता है। इसलिए अधिकमास में उपवास या व्रत भी आज के युवाओं के लिए सफलता का सबसे सटीक उपास साबित हो सकता है।

कैसे करें अपने गुस्से को ठीक तरह से काबू...

कहावत है कि गुस्से की आग पर धर्य का ठंडा पानी डाल दो। क्रोध और जल का बड़ा गहरा संबंध है। दोनों की तासीर एक जैसी है। दोनों नीचे की ओर बहते हैं। अगर ऊपर उठाना हो तो प्रयास करना पड़ता है। इसीलिए आदमी क्रोध के मामले में यदि विचार करे तो पाएगा कि किसी और व्यक्ति और स्थिति का परिणाम उसने अपने ऊपर ले लिया।

थोड़ा-बहुत नुकसान खुद का किया और फिर इसे आगे स्थानांतरित कर दिया। पारिवारिक खेलों में एक खेल होता है। गोला बनाकर लोग बैठ जाते हैं और कोई गेंद या वस्तु एक-दूसरे के हाथ में ट्रांसफर करते रहते हैं। जिस समय रेफरी सीटी बजा देता है और उस समय जिस किसी के हाथ में वह वस्तु होती है, उसे मैदान के बाहर जाना पड़ता है। क्रोध के मामले में भी हम रोज ऐसा ही खेल खेलते हैं। सब एक-दूसरे को थमाए जाते हैं। अब चूंकि जल की गति नीचे की होती है, ऐसे ही क्रोध भी अपने से नीचे वाले में आसानी से खिसकाया जाता है। कार्यालयों में बॉस ने डांटा, अब चूंकि क्रोध ऊपर नहीं फेंका जा सकता, इसलिए वह पहली फुर्सत में इस खतरनाक गेंद को नीचे टपकाएगा। जीवनसाथी और बच्चे क्रोध के ऐसे ही स्थानांतरण की चपेट में आ जाते हैं। चूंकि अपने से वरिष्ठ से मिला हुआ क्रोध लौटाना तो दूर, व्यक्त भी नहीं किया जा सकता, बल्कि उसे अपने भीतर दबाया जाता है तो फिर उसका विस्फोट होना ही है। इसीलिए घरों में दफ्तर जैसी अशांति नजर आती है। क्रोध से बचने का सरल उपाय यह है कि पहले तो इसे स्वीकार ही न करें और यदि लेना ही पड़े तो दूसरे को स्थानांतरित न करते हुए अपने ही धर्य के जल से इसे शांत कर दें।

जब भी असफल या निराश हों, सबसे पहले ये करें....

जब कभी हम परेशान होते हैं तो परेशानी दूर करने का निदान ढूंढ़ते हैं। ऐसा करना भी चाहिए। ऐसा करते हुए एक काम और किया जाए। उस परेशानी के कारण को भी पकड़ें। यहां यह ध्यान रखें कि कारण दूसरों में न ढूंढ़े।

जब भी हम निराश हों, असफल हों, दुखी हों तो सीधे अपने भीतर छलांग लगाएं और टटोलें कि इसके पीछे हम कहां हैं। अब जैसे-जैसे हम गहराई में उतरकर अपने पर ही काम करेंगे, हमारी मुलाकात हमारी इंद्रियों से होगी। इंद्रियां भी चूंकि एक नहीं हैं, इसलिए उनमें से उस एक को पकड़ो, जो सबसे ज्यादा ताकतवर है और विषयों से जुड़कर हमें परेशान कर रही है। लेकिन उससे झगड़ा न किया जाए, क्योंकि उसकी शक्ति हमारी कमजोरी बनती है। उसका अनियंत्रण ही हमारी परेशानी का कारण है। जीवन में गुरु अपने शिष्यों की कमजोरियों को इंद्रियों के माध्यम से पकड़ते हैं और उसी कमजोरी को शक्ति में रूपांतरित कर देते हैं।

इंद्रियों को बनाए सच्चा दोस्त

इंद्रियों को हमारा दुश्मन बनाने की जगह दोस्त बनाने की कला एक सच्चा गुरु जानता है। इंद्रियों से जितना अधिक झगड़ा करेंगे, उतनी ही परेशानी हम और बढ़ा लेंगे। हम भीतर ही भीतर खुद से उलझने लग जाएंगे। इंद्रियां हमारी खुशी और परेशानी के लिए एक पुल की तरह हैं। वे एक रास्ते के माफिक हैं। हम उनसे झगड़ा करके पुल को ध्वस्त कर लेते हैं और रास्ते को ऊबड़-खाबड़ बना लेते हैं। कोई कभी उनसे भी झगड़ा करता है, जो काम आने वाले लोग हों। इंद्रियां जितना काम बिगाड़ती हैं, उससे ज्यादा काम बना भी सकती हैं। इसलिए इंद्रियों को समझें तो सुख और दुख के कारण समझ में आ जाएंगे तथा निदान भी सही हो जाएगा।

अगर परिवार को सुखी रखना है तो इस संस्कार की सफलता जरूरी

जीवन की जिन-जिन गतिविधियों पर हमें भविष्य का संदेह बना रहता है, उनमें से एक है विवाह। वर्तमान में विवाह एक संस्कार न होकर दबाव बन गया है। विवाह करने और कराने वाले सभी इस बात को लेकर आशंकित रहते हैं कि भविष्य में शांति मिलेगी या नहीं।

अब जो शादियां हो रही हैं, उनमें समूचे परिवार की जिम्मेदारी केंद्र में नहीं है। अब केंद्र में दो व्यक्तियों की महत्वाकांक्षाएं हैं। सबकी अपनी-अपनी दिशाएं हैं। इसलिए सहयोग समन्वय से ज्यादा समझ का कारक वैवाहिक जीवन में जरूरी हो गया है। आपसी समझ का उदाहरण शिव-पार्वती के दांपत्य में आया है। आज एक बड़ा समाज महेश जयंती मना रहा है। इस दिन का संदेश यह होना चाहिए कि शिव से सीख लें कि परिवार कैसे बचाया जाता है।

परिवार के 3 कोण हैं

पहला है भोग, जिसका संबंध शरीर से है। दूसरा है संतानउत्पत्ति, जो परिवार से जुड़ता है और तीसरा है भावना, जिससे परिवार में अध्यात्म जगता है। भोग दांपत्य जीवन की आवश्यक बुराई है। इसलिए रास्ता यह निकाला जाए कि भोग भावना और अध्यात्म से जुड़ जाए। इससे यह हानिकारक नहीं रहेगा। इसलिए शादी और समझ का गठबंधन पहले होना चाहिए, फिर फेरे लगाते समय गठबंधन की बात की जाए। स्त्री और पुरुष का जुड़ाव निरपेक्ष भाव से होगा तो शादी का आनंद ही अलग होगा। पर हमारे यहां विवाह मांग से शुरू होते हैं, मांग से ही चलते हैं और मांगते-मांगते ही खत्म हो जाते हैं। जिसने वैवाहिक जीवन दान से चलाया, जो अपने जीवनसाथी को देने को तयार हो, बस वहीं से सुगंध उठेगी और वहीं से बैकुंठ जागेगा।

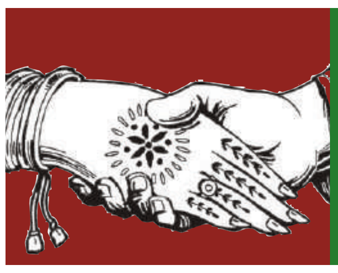

विवाह के बाद ध्यान रखनी चाहिए ये सात बातें

संयम	संतान	संवेदनशीलता	सक्षम	समर्पण	संकल्प	संतुष्टि
यानि समय-यमय पर उठने वाली मानसिक उत्तेजनाओं जैसे- कामवासना, अहंकार तथा मोह आदि पर नियंत्रण रखना। राम-सीता ने अपना संपूर्ण दाम्पत्य बहुत ही संयम और प्रेम से जीया। वे कहीं भी मानसिक या शारीरिक रूप से अनियंत्रित नहीं हुए।	दाम्पत्य जीवन में संतान का भी बड़ा महत्वपूर्ण स्थान होता है।पति-पत्नि बीच के संबंधों को मधुर बनाने में बच्चों की भूमिका रहती है। राम-सीता के बीच वनवास को खत्म करने और सीता को पवित्र साबित करने में लव और कुश ने ही भूमिका निभाई थी।	पति-पत्नि के रूप में एक दूसरे की भावनाओं का समझना और उनकी कद्र करना। राम और सीता के बीच संवेदनाओं का गहरा रिश्ता था। दोनों बिना कहे-सुने ही एक दूसरे के मन की बात समझ जाते थे।	सामर्थ्य का होना। दाम्पत्य यानि कि वैवाहिक जीवन को सफलता और खुशहाली से भरा-पूरा बनाने के लिये पति-पत्नि दोनों को शारीरिक, आर्थिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बहुत ही आवश्यक है।	वैवाहिक जीवन में पति-पत्नि का एक दूसरे के प्रति पूरा समर्पण और त्याग होना भी आवश्यक है। एक-दूसरे की खातिर अपनी इच्छाओं को त्याग देना या समझौता कर लेना दाम्पत्य संबंधों को मधुर बनाए रखने के लिये बड़ा ही जरूरी होता है।	वैवाहिक जीवन में एक अच्छा जीवन जीने के लिए संकल्प की भावना भी उतनी ही जरूरी होती है। जितना की विश्वास पति-पत्नि के रूप अपने धर्म संबंध को अच्छी तरह निभाने के लिये अपने कर्तव्य को संकल्प पूर्वक पूरा करना।	यानि एक दूसरे के साथ रहते हुए समय और परिस्थिति के अनुसार जो भी सुख-सुविधा प्राप्त हो जाए उसी में संतोष करना। दोनों एक दूसरे से पूर्णतः संतुष्ट थे। कभी राम ने सीता में या सीता ने राम में कोई कमी नहीं देखी।

संपादकीय

ट्रंप का 'तूफान' क्या है?

राष्ट्रपति ट्रंप अब भी युद्धोन्मादी हैं। ईरान को 'कब्रिस्तान-सा' बनाने के बावजूद उनका दिल नहीं पसीजा है। उन्होंने अब भी किसी 'तूफान' के आने की धमकी दी है और दावा किया है कि उस तूफान को कोई रोक नहीं सकेगा। क्या ट्रंप अब ईरान पर परमाणु हमला भी कर सकते हैं? अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख ने ईरान में परमाणु स्थितियों पर चिंता जताई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के दुरुपयोग की आशंका भी व्यक्त की है। हालांकि हम किसी परमाणु दुर्घटना की संभावना को नहीं मानते, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन करीब 90 मिनट की बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप को सचेत कर चुके हैं कि अब हमले के अंजाम बहुत बुरे और गंभीर होंगे। चीन भी ऐसे बयान दे चुका है और इसी माह ट्रंप का चीन जाना प्रस्तावित है। बीती 28 फरवरी से जो विनाशकारी हमले ईरान पर किए गए हैं, बीच-बीच में युद्धविराम के 'नाटक' भी खेले गए हैं, तेल-गैस-खाद आदि की आवाजाही इस कदर बाधित हुई है कि दुनिया में 'महामंदी' के संकट फैलने लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी महामंदी के आसार की चेतावनी दी है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 2 फीसदी से भी कम होने के संकेत मिल रहे हैं। यदि दुनिया में ऊर्जा-संकट, सप्लाई चेन का अवरुद्ध होना, खाद्य-संकट यूं ही जारी रहे, तो भुखमरी के हालात भी पुख्ता हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी बैठ सकता है। खुद अमरीका के पेंटागन की रपट है कि अभी तक ईरान युद्ध पर 25 अरब डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि अधिक भी हो सकती है। पेंटागन ने 1.5 ट्रिलियन डॉलर के अतिरिक्त बजट की मांग संसद से की है, लेकिन अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप से पूछ रही है कि जब 2025 के हमले में ईरान के परमाणु एवं यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को तबाह कर दिया गया था, तो फिर यह युद्ध क्यों किया गया? राष्ट्रपति उसी परमाणु कार्यक्रम की नए सिरे से बात क्यों कर रहे हैं? क्या ईरान का यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम आज भी जारी है? अब सैनिक और युद्धपोत मध्य-पूर्व के क्षेत्रों में क्यों मौजूद हैं? क्या अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप को बाध्य कर सकती है कि वह सैनिकों की वापसी का आदेश दें? युद्ध पर 25 अरब डॉलर नासा के खर्च के बराबर है, जिसे ट्रंप की सामंतवादी सोच ने यूं ही फूक दिया। कैबिनेट में उपराष्ट्रपति वेंस शुरू से ही युद्ध-विरोधी थे, लेकिन अब उनका युद्ध मंत्री हेगसेथ के साथ विवाद बढ़ गया है। उपराष्ट्रपति का गंभीर आरोप है कि युद्ध मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप को गलत ब्रीफ कर रहे हैं, लिहाजा ईरान से अभी तक अमरीका जीत नहीं पाया है। उपराष्ट्रपति का आग्रह है कि अब युद्ध को स्थायी विराम दिया जाना चाहिए। इस तरह युद्ध के मुद्दे पर ट्रंप कैबिनेट विभाजित है और राष्ट्रपति 'तूफान' की धमकियां दे रहे हैं! पेंटागन भी राष्ट्रपति को गलत सूचनाएं दे रहा है। हकीकत यह है कि अमरीकी मिसाइलों, ड्रोन, थाड, पैट्रियट आदि वायु रक्षा प्रणालियों और अन्य हथियारों के भंडार काफी कम हो चुके हैं। रणनीतिक तौर पर यह अमरीका के लिए खतरनाक स्थिति है। हथियारों के पर्याप्त भंडारण के लिए अपेक्षित उत्पादन में 3-5 साल का वक्त भी लग सकता है। फिर भी ट्रंप और पेंटागन की ओर से बयान दिए जा रहे हैं कि अब जो हमला अमरीका करेगा, उससे ईरान के बिजली संयंत्र, पुल, जल संयंत्र आदि तबाह कर दिए जाएंगे। सवाल है कि क्या अब भी राष्ट्रपति ट्रंप को युद्ध जारी रखने की अनुमति संसद देगी अथवा चौतरफा दबावों के मद्देनजर ट्रंप एकतरफा जीत की घोषणा करेंगे और युद्ध समाप्त होने लगेगा? क्या ईरान अमरीका को ऐसा करने देगा? सुप्रीम लीडर और आईआरजीसी के कमांडर भी अमरीका को धमका रहे हैं कि अमरीकी सैनिकों और जहाजों को आग लगा कर समंदर में डुबो दिया जाएगा। ईरान ने कुछ नए हथियार बनाए हैं या रूस से आयातित हैं, जिनका इस्तेमाल अब ईरान अमरीकी सैनिकों, जहाजों पर करेगा। ईरान के बहुत बुरे आर्थिक और कारोबारी हालात हैं। रोजी-रोटी भी मयस्सर नहीं है। आशंका है कि एक बार फिर वहां की जनता बगावत कर सड़कों पर उतर सकती है। हमारा आकलन ऐसा नहीं है, क्योंकि 'तूफान' में ईरानी लामबंद रहते हैं। इस युद्ध का खामियाजा भारत समेत कई देशों को भुगतना पड़ रहा है। भारत में एक मई को कमर्शियल गैस के सिलेंडरों के दाम में बढ़ोतरी हो गई। शुक्रवार को खबर आ गई कि कमर्शियल गैस के रेट बढ़ गए हैं। इसके कारण होटलों व ढाबों में भोजन के दाम भी बढ़ गए हैं।

हम किसी परमाणु दुर्घटना की संभावना को नहीं मानते, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन करीब 90 मिनट की बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप को सचेत कर चुके हैं कि अब हमले के अंजाम बहुत बुरे और गंभीर होंगे। चीन भी ऐसे बयान दे चुका है और इसी माह ट्रंप का चीन जाना प्रस्तावित है। बीती 28 फरवरी से जो विनाशकारी हमले ईरान पर किए गए हैं, बीच-बीच में युद्धविराम के 'नाटक' भी खेले गए हैं, तेल-गैस-खाद आदि की आवाजाही इस कदर बाधित हुई है कि दुनिया में 'महामंदी' के संकट फैलने लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी महामंदी के आसार की चेतावनी दी है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 2 फीसदी से भी कम होने के संकेत मिल रहे हैं। यदि दुनिया में ऊर्जा-संकट, सप्लाई चेन का अवरुद्ध होना, खाद्य-संकट यूं ही जारी रहे, तो भुखमरी के हालात भी पुख्ता हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी बैठ सकता है। खुद अमरीका के पेंटागन की रपट है कि अभी तक ईरान युद्ध पर 25 अरब डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि अधिक भी हो सकती है।

कुछ अलग

एग्जिट पोल की खुशी

एक होता है एग्जिट पोल और एक होता है ढोल का पोल। कई बार यह दोनों किस्म का पोल खुशी भी देता है और कई बार खुशी-खुशी में गमी भी दे देता है। यह पोल ही कई बार पोल देता है। एग्जिट पोल सुनकर हम पटाखे फोड़ देते हैं और जब परिणाम आता है तो कई बार अपना माथा पीट लेते हैं। यही पोल का तिलिस्म है। एग्जिट पोल हमें खुशफहमी भी देता है और तनाव भी देता है। कई बार पोल सही निकल जाता है तो कई बार सारा अनुमान धरा का धरा रह जाता है। मिठाई के आदेश धरे के धरे रह जाते हैं। ढोल नगाड़े वापस भेजने पड़ते हैं। कुछ लोग एग्जिट पोल को ऐसे सुनते हैं जैसे वैद्य ने अभी-अभी नाड़ी देखकर कह दिया हो- 'घबराइए मत, सब सामान्य है।' और कुछ लोग उसे ऐसे देखते हैं जैसे पड़ोसी की नई मोटर- ऊपर से मुस्कुराते हुए, भीतर से जलते हुए। लोकतंत्र में एग्जिट पोल वही चीज है जो विवाह में पंडित का 'मुहूर्त बहुत शुभ है', आगे का हाल तो बाद में ही पता चलता है। एग्जिट पोल आते ही नेताओं के चेहरे पर वह चमक आ जाती है जो बरसों से बेरोजगार रिश्तेदार के चेहरे पर सरकारी नौकरी की अफवाह सुनकर आती है। जो कल तक जनता के बीच हाथ जोड़कर घूम रहे थे, आज वही नेता अपनी ही जीत के स्वागत में गद्देदार सोफे पर बैठ जाते हैं। समर्थक ऐसे नाचते हैं जैसे जीत अभी मतगणना मशीन से निकलकर सीधे उनकी जेब में आने वाली हो। कुछ समाचार चैनल तो एग्जिट पोल को ऐसे परोसते हैं जैसे हलवाई गरमा-गरम जलेबी। समाचार वाचक की आवाज में इतनी मिठास होती है कि लगता है देश नहीं, उसकी खुद की बारात निकल रही है।

चिकित्सा अब सेवा न रहकर व्यवसाय का कठोर रूप एवं एक त्रासदी बनती जा रही है

आईसीयू के अमानवीय एवं अनैतिक पक्षों की निगरानी जरूरी

देश में स्वास्थ्य सेवा की वर्तमान स्थिति पर विचार करते समय एक अत्यंत चिंताजनक, मानवीय और संवेदनशील प्रश्न सामने आता है-क्या चिकित्सा अब सेवा न रहकर व्यवसाय का कठोर रूप एवं एक त्रासदी बनती जा रही है? विशेष रूप से निजी अस्पतालों के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) से जुड़े मामलों ने इस प्रश्न को और अधिक तीखा बना दिया है। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां मरीज के चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो जाने के बावजूद उसे आईसीयू में रोके रखा जाता है। इसके पीछे का कारण अक्सर चिकित्सा की अनिवार्यता नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ की निरंतर चलती प्रक्रिया होती है। यह स्थिति न केवल चिकित्सा के नैतिकता एवं सेवाभावना पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि मानवता की मूल संवेदनाओं को भी झकझोरती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आईसीयू के लिए एकसमान दिशानिर्देशों की आवश्यकता पर बल देना इस गंभीर समस्या की स्वीकारोक्ति भी है और समाधान की दिशा में एक सार्थक पहल भी। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जो मरीज चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके हैं या जिन्हें गहन निगरानी अथवा जीवन रक्षक उपकरणों की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से आईसीयू में नहीं रखा जाना चाहिए। यह निर्देश केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे नैतिक आधार पर टिका हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा और पीड़ा का निवारण है, न कि आर्थिक लाभ का अधिकतमकरण। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। निश्चित तौर पर आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था में सेवा का भाव न होकर व्यवसाय की भावना का अधिक होना चिन्ताजनक है। इसी के कारण इसमें अनेक विसंगतियां एवं क्रूरताएं व्याप्त होती जा रही है, इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। वास्तव में आईसीयू एक विशेष सुविधा है, जिसका उपयोग केवल उन मरीजों के लिए होना चाहिए जिनकी स्थिति गंभीर हो और जिन्हें निरंतर निगरानी या अत्याधुनिक उपकरणों की आवश्यकता हो। किंतु जब इस सुविधा का उपयोग लाभ कमाने के साधन के रूप में होने लगे, तब यह व्यवस्था एक प्रकार की अमानवीयता में परिवर्तित हो जाती है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आईसीयू का खर्च अक्सर असहनीय होता है। एक दिन का खर्च हजारों से लेकर लाखों तक पहुंच सकता है। ऐसे में यदि मरीज को अनावश्यक रूप से वहां रोका जाता है, तो यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक उत्पीड़न भी है। यह स्थिति इसलिए भी जटिल हो जाती है क्योंकि आमजन को चिकित्सा प्रक्रियाओं की गहन जानकारी नहीं होती। मरीज के परिजन डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के निर्देशों पर पूरी तरह निर्भर होते हैं। इस निर्भरता का दुरुपयोग तब होता है जब पारदर्शिता का अभाव होता है। कई बार मरीज को वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं कराया जाता और उसे आईसीयू में बनाए रखने के निर्णय को अंतिम सत्य की तरह प्रस्तुत कर दिया जाता है। इस प्रकार एक अस्पष्टता का वातावरण बनता है, जिसमें सत्य और लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। यदि हम इस समस्या की जड़ में जाएं, तो पाएंगे कि यह केवल अस्पतालों या डॉक्टरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक व्यवस्थागत विफलता का परिणाम है। आजादी के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सरकार के अधीन रखकर यह अपेक्षा की गई थी कि ये क्षेत्र जनसेवा के आदर्श उदाहरण बनेंगे। किंतु समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और निजीकरण के प्रभाव ने इन क्षेत्रों की दिशा बदल दी। शिक्षा जहां एक महंगा व्यवसाय बन गई, वहीं चिकित्सा सेवा भी धीरे-धीरे लाभ कमाने का माध्यम बनती चली गई। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि आज चिकित्सा क्षेत्र में एक प्रकार की "व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा" चल रही है, जिसमें मरीज एक ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। बड़े-बड़े निजी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर तेजी से बढ़ रहे हैं, जो एक दृष्टि से सकारात्मक है, लेकिन जब इन सुविधाओं का उपयोग केवल आर्थिक लाभ के लिए होने लगे, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। अस्पतालों की संख्या बढ़ना अच्छा है, लेकिन उनकी कार्यप्रणाली में लोभ की प्रवृत्ति का बढ़ना जहां गहन घातक है, वही उसमें मानवीय संवेदना और नैतिकता का समावेश होना अधिक आवश्यक है। इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देश एक आशा की किरण के रूप में सामने आते हैं। इन दिशानिर्देशों में न केवल मरीजों के अधिकारों की रक्षा की बात की गई है, बल्कि अस्पतालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। नर्स और मरीज के अनुपात, विशेषज्ञों की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयास स्वास्थ्य सेवा को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और न्यायसंगत बनाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर सकता है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी नीति या दिशानिर्देश की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। भारत में अनेक बार देखा गया है कि अच्छे इरादों से बनाई गई योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती हैं। यदि इन दिशानिर्देशों का पालन भी आधे-अधूरे मन से किया गया, तो यह प्रयास भी अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पाएगा। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, पर्याप्त वित्तीय संसाधन और मजबूत प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता होगी। साथ ही यह भी आवश्यक है कि इस पूरी प्रक्रिया में मानवीय दृष्टिकोण को केंद्र में रखा जाए। आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहना केवल आर्थिक बोझ नहीं, बल्कि मानसिक पीड़ा का भी कारण होता है। मरीज और उसके परिवार दोनों ही एक अनिश्चितता और भय के वातावरण में जीते हैं। ऐसे में यदि मरीज को उसकी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार उचित वार्ड में स्थानांतरित किया जाता है, तो यह न केवल खर्च को कम करता है, बल्कि उसे मानसिक राहत भी प्रदान करता है। वर्ष 2047 तक एक विकसित और सशक्त भारत का सपना देखते हुए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था केवल तकनीकी रूप से उन्नत ही न हो, बल्कि नैतिक और मानवीय दृष्टि से भी समृद्ध हो। चिकित्सा सेवा का मूल स्वरूप करुणा, सेवा और संवेदना पर आधारित होना चाहिए। यदि यह आधार कमजोर हो जाता है, तो सारी आधुनिकता और प्रगति भी अधूरी रह जाती है। अंततः यह कहा जा सकता है कि आईसीयू से जुड़े दिशानिर्देश केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक नैतिक पुनर्जागरण का संकेत हैं। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करते हैं कि क्या हम वास्तव में एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जो मानवता के मूल्यों के अनुरूप हो। यदि इस दिशा में ठोस और ईमानदार प्रयास किए गए, तो निश्चित रूप से यह पहल भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जो मरीज चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके हैं या जिन्हें गहन निगरानी अथवा जीवन रक्षक उपकरणों की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से आईसीयू में नहीं रखा जाना चाहिए। यह निर्देश केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे नैतिक आधार पर टिका हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा और पीड़ा का निवारण है, न कि आर्थिक लाभ का अधिकतमकरण। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है।

देश दुनीया से

तीर्थस्थलों के विकास में भेदभाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ससंदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में जहां तरक्की और घोषणाओं की बरसात हो रही है, वहीं देश के दूसरे प्रमुख हिंदू तीर्थ स्थल विकास की बाट जोह रहे हैं। मोदी का निर्वाचन क्षेत्र होने के कारण केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का पूरा जोर काशी तक सिमट कर रह गया है। यदि यह मान भी लिया जाए कि काशी हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ स्थल है, इसलिए इसके विकास की दरकार है, तो ऐसे में देश के प्रमुख राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अन्य तीर्थ स्थल विकास की दौड़ में काशी से काफी पीछे क्यों हैं। कारण साफ नजर आता है कि पीएम मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में विकास की गंगा बह रही है, वहीं अन्य प्रमुख धार्मिक स्थल वाले जिले बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। वर्ष 2014 से मार्च 2025 तक काशी में विकास के तहत कुल 48459 करोड़ रुपए की लागत से 580 परियोजनाओं पर काम शुरू किया गया है। काशी के विकास की घोषणाओं की शुरुआत मोदी के पहली बार सांसद बनने के साथ ही शुरू हो गई थी। यह सिलसिला लगातार जारी है। हाल ही में पीएम मोदी ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान 6332 करोड़ रुपए की कुल 163 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें गंगा पर सिग्नेचर ब्रिज सबसे बड़ी परियोजना है, जिसकी लागत करीब 2464.46 करोड़ रुपए है। यह ब्रिज काशी की कनेक्टिविटी और ट्रैफिक व्यवस्था को नई दिशा देगा। प्रधानमंत्री के हाथों 1054.69 करोड़ रुपए की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण और 5277.39 करोड़ की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया।काशी के अलावा देश के अन्य प्रमुख तीर्थ स्थल वाले जिलों में विकास चींटी की रफ्तार से रेंग रहा है या फिर उसकी सुध नहीं ली जा रही है। काशी के अलावा देश के प्रमुख हिंदू तीर्थ स्थलों में आधारभूत सुविधाओं की बेहद कमी है। वैष्णो देवी के लिए प्रसिद्ध कटरा जिले में मूसलाधार बारिश के दौरान भूस्खलन की गंभीर समस्या है। जम्मू और कटरा के बीच सड़क और रेल संपर्क अक्सर टूट जाता है। विशेष रूप से, 2025 की बाढ़ के बाद से ट्रेनों का रद्दीकरण और पुलों (जैसे कठुआ, ऊधमपुर के पास) को नुकसान ने यात्रा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका दिया है। कटरा में स्मार्ट सडक़ों, सुव्यवस्थित पार्किंग, और आधुनिक बुनियादी ढांचे की कमी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को संभालने के लिए मौजूदा सुविधाएं नाकाफी हैं। बढ़ती भीड़ के कारण गर्मियों में पेयजल और निरंतर बिजली आपूर्ति की समस्या बनी रहती है। लगातार निर्माण, वनों की कटाई और भीड़भाड़ के कारण पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। राम मंदिर के विख्यात अयोध्या में बाल विकास विभाग की एक रिपोर्ट ने जिले में कुपोषण की चिंताजनक स्थिति उजागर की है। जिले के 2381 आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 228018 बच्चों की जांच में 7520 बच्चे कुपोषित पाए गए हैं। इनमें 1199 बच्चे अति कुपोषित (सैम) और 6321 बच्चे मध्यम गंभीर कुपोषित (मैम) श्रेणी में हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 264 और 2024-25 में 286 अति कुपोषित बच्चों को पुनर्वास केंद्र भेजा गया। विकास परियोजनाओं के कारण हजारों लोग, विशेषकर छोटे व्यापारी और गरीब, अपने पुश्तैनी आवासों और व्यवसायों से विस्थापित हो गए हैं। परियोजनाओं के कारण उडऩे वाली धूल और निर्माण सामग्री से स्थानीय लोगों को सांस संबंधी बीमारियां हो रही हैं। जल भराव और सीवर के गंदे पानी के घरों में घुसने की समस्या से लोग लंबे समय से परेशान हैं। पुरानी अयोध्या (फैजाबाद) और अयोध्या धाम के बीच आवागमन में मुश्किल हो रही है। देश के 12 ज्योतिर्लिंग में शामिल केदारनाथ के रुद्रप्रयाग जिले के कई सुदूरवर्ती गांव अभी भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से जूझ रहे हैं, जहां आपदा प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क मार्ग बाधित होने और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण लोगों को स्वास्थ्य उपचार के लिए भटकना पड़ता है। भारी बारिश के कारण संपर्क मार्ग बाधित होना भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में एक बड़ी बाधा है। जिले भर में लगभग 25 जल स्रोत सूख चुके हैं, जिससे पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। पानी की कमी से नाराज लोग जल संस्थान के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं। इसी तरह उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, धार्मिक पर्यटन के दबाव और प्रशासनिक चुनौतियां मौजूद हैं। नालों और सार्वजनिक भूमि पर अवैध निर्माण के कारण जल निकासी बाधित हो रही है। मानसून से पहले नालों पर अतिक्रमण के कारण जलभराव का खतरा बना रहता है। हरकी पौड़ी और आसपास के क्षेत्रों में भिक्षावृत्ति एक बड़ी समस्या है। चारधाम यात्रा के सुचारू न रहने या व्यवस्थाओं के कारण स्थानीय होटलों और पर्यटन व्यवसाय पर भी असर पड़ रहा है। कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में 30000 करोड़ रुपए से अधिक की ब्रज मास्टर प्लान परियोजनाओं और नई आवासीय योजनाओं के लिए 850 करोड़ रुपए के बावजूद, कई विकास कार्य फाइलों में अटके हैं। वर्ष 2026-2030 के मास्टर प्लान के अंतर्गत शहर को हाई-स्पीड कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाओं से जोडऩे का विजन है, लेकिन प्रशासनिक प्रक्रियाओं के चलते जमीनी स्तर पर गति धीमी है। मथुरा-वृंदावन में वर्षभर धार्मिक आयोजनों की लंबी श्रृंखला चलती रहती है। प्रमुख आयोजनों में होलिकोत्सव, मुडिया मेला, जन्माष्टमी, राधाष्टमी, झूलन उत्सव, कार्तिक मास, गोवर्धन पूजा और ब्रज की विभिन्न परिक्रमाएं शामिल हैं। आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या 8 से 10 लाख तक पहुंच जाती है।

आप का नजरीया

कांग्रेस का प्रतिज्ञा पत्र

कांगड़ा की कार्यशाला में कांग्रेस कितनी निपुण तथा जिला अध्यक्ष कितने स्वतंत्र हो पाते हैं, यह आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में प्रदर्शित होगा। पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल के 62 जिलाध्यक्षों को गुरुमंत्र देकर राहुल गांधी ने जो आदर्शवाद खड़ा किया है, क्या उसे दिल से कबूल करने के लिए पार्टी के बड़े नेता तैयार हैं। संगठन से चुनाव के बूथ तक कांग्रेस की मुश्किलों का मुकाबला भाजपा जैसी पार्टी से है, जहां हर दिन का रणनीतिक उद्घोष तैयार रहता है तथा पन्ना प्रमुख की ताजपोशियों में चुनाव की रिहर्सल के बही खाते तैयार रहते हैं। दरअसल कार्यकर्ताओं के बजाय नेताओं के वजन से कांग्रेस पार्टी का वजूद जमीनी स्तर का अवलोकन नहीं कर पाता है। आश्चर्य तब होता है जब पार्टी के विजयी विधायक या मंत्रियों के अधिकार वीआईपी हो जाते हैं और राजनीतिक संगत में मंच घूरने लगते हैं। बेशक राहुल गांधी ने सफलता के अध्यायों पर प्रतिज्ञा पत्र तैयार किया, लेकिन पार्टी को चौबीस घंटे की मेहनत के योग्य बनाने के लिए अपने तौर तरीके बदलने होंगे। जाहिर है कांगड़ा के संकल्प पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में देखे जाएंगे। हिमाचल में स्थानीय निकाय चुनाव में अगर कार्यकर्ता को सम्मान मिलता है, तो पार्टी उत्तीर्ण होगी वरना आने वाले समय में विधानसभा चुनाव की तैयारी में भी इसका असर रहेगा। इसी तरह पंजाब विधानसभा चुनाव के चक्रव्यूह में कांग्रेस को अपना कद दिखाने के लिए गांव से खेत-खलिहान तक जाना होगा। जहां तक हिमाचल का प्रश्न है, सरकार की आर्थिक दिक्कतों को प्रदेश के जनमानस तक पहुंचाने के प्रयास अभी कारगर सिद्ध नहीं हुए हैं, जबकि विपक्षी भाजपा हर मोर्चे पर सरकार को घेरने की भरपूर कोशिश करती हुई दिखाई देती है। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने आर्थिक हकीकत के कई दर्पण खड़े करते हुए कई बड़े फैसले लिए और जिनकी जरूरत आने वाली हर सरकार को रहेगी। हिमाचल के आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता के रास्ते पर सुक्खू सरकार ने कुछ अहम, कुछ व्यवस्थागत फैसले लिए, लेकिन पार्टी स्तर पर जनता के सामने इनकी पेशकश सक्रिय रूप से दर्ज नहीं हुई। कई खामियां पूर्व सरकार के रवैये से उभर कर सामने आईं, लेकिन कांग्रेस कोई एक बड़ा मजमून या मुद्दा खड़ा नहीं कर पाई। ऐसे में कांगड़ा से निकली रणनीति क्या अपनी सरकार की प्रचार तंत्र बनेगी। अंततः देखना यह होगा कि राहुल गांधी के मंचीय संदेशों को कांग्रेस जमीनी स्तर पर कैसे अपनाती है। अगर राहुल गांधी निर्देश दे रहे हैं कि लोगों के बीच जाकर सत्तारूढ़ पार्टी समस्याओं का समाधान करे, तो सर्वप्रथम यह समझना पड़ेगा कि सरकार ने जिस शिद्दत और राजस्व विभाग की सक्रियता से हजारों इंतकाल जैसे मामले निपटाए हैं, उसकी भूमिका क्या है। सरकार के फैसलों की दरगाह अगर पार्टी कार्यकर्ता आम जनता के दिलों में बना पाती है, तो यहां से कांगड़ा की भावना का प्रसार होगा, वरना सारे आदर्श मंच पर ही ढह जाएंगे। बहरहाल स्थानीय निकाय चुनावों, खास तौर पर नगर निगम चुनावों में कांग्रेस को बतौर पार्टी चमत्कार करने की जरूरत है। धर्मशाला, पालमपुर, सोलन व मंडी में ये केवल निगम चुनाव नहीं, बल्कि कांग्रेस सरकार के प्रशासनिक मॉडल भी हैं। इस परिप्रेक्ष्य में पार्षदों के मार्फत पार्टी की नीतियां, दिशानिर्देश, जनता के बीच संपर्क, संवेदना तथा संभावना अगर परिलक्षित करनी है, तो कांगड़ा के मजमून आगे बढ़ाने होंगे। क्या राहुल गांधी ने संदेश की अनुगूंज इन चुनावों में सुनी जाएगी, यह देखना होगा।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल के 62 जिलाध्यक्षों को गुरुमंत्र देकर राहुल गांधी ने जो आदर्शवाद खड़ा किया है, क्या उसे दिल से कबूल करने के लिए पार्टी के बड़े नेता तैयार हैं। संगठन से चुनाव के बूथ तक कांग्रेस की मुश्किलों का मुकाबला भाजपा जैसी पार्टी से है, जहां हर दिन का रणनीतिक उद्घोष तैयार रहता है तथा पन्ना प्रमुख की ताजपोशियों में चुनाव की रिहर्सल के बही खाते तैयार रहते हैं। दरअसल कार्यकर्ताओं के बजाय नेताओं के वजन से कांग्रेस पार्टी का वजूद जमीनी स्तर का अवलोकन नहीं कर पाता है। आश्चर्य तब होता है जब पार्टी के विजयी विधायक या मंत्रियों के अधिकार वीआईपी हो जाते हैं और राजनीतिक संगत में मंच घूरने लगते हैं। बेशक राहुल गांधी ने सफलता के अध्यायों पर प्रतिज्ञा पत्र तैयार किया, लेकिन पार्टी को चौबीस घंटे की मेहनत के योग्य बनाने के लिए अपने तौर तरीके बदलने होंगे। जाहिर है कांगड़ा के संकल्प पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में देखे जाएंगे। हिमाचल में स्थानीय निकाय चुनाव में अगर कार्यकर्ता को सम्मान मिलता है, तो पार्टी उत्तीर्ण होगी वरना आने वाले समय में विधानसभा चुनाव की तैयारी में भी इसका असर रहेगा। इसी तरह पंजाब विधानसभा चुनाव के चक्रव्यूह में कांग्रेस को अपना कद दिखाने के लिए गांव से खेत-खलिहान तक जाना होगा। जहां तक हिमाचल का प्रश्न है, सरकार की आर्थिक दिक्कतों को प्रदेश के जनमानस तक पहुंचाने के प्रयास अभी कारगर सिद्ध नहीं हुए हैं, जबकि विपक्षी भाजपा हर मोर्चे पर सरकार को घेरने की भरपूर कोशिश करती हुई दिखाई देती है।

संपादक के नाम पत्र...

पाठकों के दिलों तक पहुंचना आसान काम नहीं

फर्स्ट पेज की खबरें पाठकों की भावनाओं से जुड़ी होनी चाहिए और पत्रकारिता में आप यही करते आए हैं।

एजेंसी के समाचार तो कच्चे माल की तरह होते हैं। उन पर रोचकता की परत चढ़ाकर नए सिरे से ढालना और पाठकों के दिलों तक पहुंचाना आसान काम नहीं है। ऊपर से आपके द्वारा दिए जानेवाले हेडिंग तो लाजवाब होते हैं। दो या तीन शब्दों में पूरे समाचार के सार को समेटकर पेश करना बच्चों का खेल नहीं है।

मुझे यह बताने में बिल्कुल झिझक नहीं है कि यह तंत्र मैंने आपके हेडिंग पढ़कर सीखे हैं। आप जैसा मैं कर नहीं सकता, लेकिन कोशिश जरूर करता हूं और काफी हद तक उस प्रयास पर खरा उतरता हूं। हिन्दी मिलाप के समय से ही मैं आपकी हेडिंग को पहचान जाता था, जबकि मैं वहां कार्यरत नहीं था। विडम्बना यह है कि आपके सान्निध्य में रहकर भी कुछ लोग आपका तंत्र ठीक से सीख नहीं सके।

खैर, आज का संपादकीय पेज बहुत ही दमदार है। विषय भी अच्छे हैं। डॉ. प्रियंका सौरभ का लेख पठनीय तो है, लेकिन उसमें एक भूल नजर आती है। शुरुआत में ही किसी कविता/रचना का उल्लेख किया गया है, लेकिन वहां पंक्तियां नहीं हैं।

लेख की नींव ही रचना है, लेकिन पंक्तियां ही नदारद हैं। दैनिक अख़बार में कभी कभी ऐसा होना स्वाभाविक है और मुझे इसका आश्चर्य नहीं हुआ। बस, आगे से सावधानी बरतनी होगी। वह लेख मुझे महिलाओं के ग्रुप में कटिंग कर भेजना था, इस बार नहीं भेज सकूंगा।

उसी पेज पर बंगाल के विषय में लिखा गया है और एग्जिट पोल के आंकड़े तथा मतदाताओं के रुझान पर बात की गई है। आपका यह सवाल चुनिंदा मीडिया ग्रुप को कटघरे में खड़ा करता है- जब 3 बजे ही रुझान के आंकड़े टीवी चैनलों को भेजे गए थे और उसके बाद भी देर तक वोटिंग चलती रही तो उस एग्जिट पोल की प्रामाणिकता क्या है? यह बहुत पसंद आया। बेबाक पत्रकारिता ऐसी ही होती है। श्यामप्रसाद मुखर्जी का उल्लेख कर आपने जनमत भाजपा के पक्ष में दर्शाया।

आपका आकलन निश्चित रूप से सटीक साबित होगा यह आशा और विश्वास भी है। आकलन का रिस्क लेना आवश्यक होता है और जो ऐसे मौकों पर रिस्क न ले वह पत्रकार ही कैसा?

सर, संपादकीय पेज ही अखबार की आत्मा होती है और जबसे आपने शुभ लाभ का दायित्व संभाला है, तब से नेट पर पहले मैं संपादकीय पेज ही पढ़ता हूं। अब तो आपकी ओर से पूरा समाचारपत्र ही मुझे मिल रहा है। इसके लिए मैं आपका और प्रबंधन का आभारी हूं। आपको भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

–विक्रम सूर्यवंशी

रोड्स, फाफ डु प्लेसी और हेनरिक क्लासेन अब बने टीम मालिक

जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के तीन पूर्व क्रिकेटरों जोंटी रोड्स, फाफ डु प्लेसी और हेनरिक क्लासेन ने मिलकर एक टीम खरीदी है और अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरु किया है। अब गुजरे जमाने के ये दिग्गज यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में रोटरडम फ्रैंचाइज़ी के मालिक बन गये हैं।

यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) से जो यूरोप में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव का अंदाजा होता है। यह कदम यूरोपीय महाद्वीप में टी20 क्रिकेट के विस्तार और व्यावसायिक संभावनाओं को दिखाता है।

यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग का पहला सत्र 26 अगस्त से 30 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में शहर-आधारित फ्रेंचाइजी होंगी, जिसका उद्देश्य स्थानीय प्रशंसकों को खेल से जोड़ना और यूरोप के विभिन्न हिस्सों में क्रिकेट के प्रति उत्साह पैदा करना है। रोटरडम के अलावा, लीग में अन्य शहर-आधारित फ्रेंचाइजी में ग्लास्गो, एम्सटरडम, एडिनबर्ग, डबलिन और बेलफास्ट शामिल हैं। यह संरचना विभिन्न यूरोपीय शहरों को क्रिकेट से जोड़ने और स्थानीय प्रशंसकों में उत्साह पैदा करने का लक्ष्य रखती है।

गौरतलब है कि रोड्स, अपनी शानदार फील्डिंग के लिए विश्व-प्रसिद्ध, खेल में हमेशा याद किये जाते हैं। उनका अनुभव और खेल की गहरी समझ निश्चित रूप से रोटरडम टीम को रणनीति बनाने और युवा प्रतिभाओं को निखारने में मदद करेगी। वहीं फाफ डु प्लेसी, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और एक अनुभवी टी20 लीग खिलाड़ी, की कप्तानी और बल्लेबाजी कौशल ने उन्हें दुनिया भर में पहचान दिलाई है। उनका यह कदम मालिक के रूप में क्रिकेट इकोसिस्टम में प्रवेश करने की उनकी इच्छा को दर्शाता है।

हेनरिक क्लासेन, एक विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज, आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांगों को भली-भांति समझते हैं और उनकी गेम-चेंजिंग क्षमता टीम के लिए बहुमूल्य होगी। इन तीनों का संयोजन न केवल टीम को मजबूती देगा, बल्कि लीग की प्रतिष्ठा को भी बढ़ाएगा और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक विश्वसनीयता प्रदान करेगा।

पिछले कुछ वर्षों में, टी20 लीगों का उदय खेल के व्यावसायिक परिदृश्य को बदल रहा है, जिसमें खिलाड़ी अब केवल मैदान पर प्रदर्शन करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे खेल के प्रशासनिक और व्यावसायिक पहलुओं में भी अपनी जगह बना रहे हैं।

यह कदम यूरोप में क्रिकेट के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है, जहां पारंपरिक रूप से यह खेल उतना लोकप्रिय नहीं रहा है जितना कि दक्षिण एशिया या आस्ट्रेलिया जैसे क्षेत्रों में है पर अब इन दिग्गजों के आने से हालात बदलना तय है।

न्यूज ब्रीफ

मैड्रिड ओपन 2026: अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अलेक्जेंडर ब्लाक्स को हराकर फाइनल में बनाई जगह

मैड्रिड। मैड्रिड ओपन में विश्व नंबर-3 अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शुक्रवार रात शानदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम के उभरते खिलाड़ी अलेक्जेंडर ब्लाक्स को सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना विश्व नंबर-1 जानिक सिनर से होगा। मैच के बाद ज्वेरेव ने कहा, फाइनल में पहुंचकर मैं बेहद खुश हूं। यहां कई कठिन मुकाबले और संघर्ष देखने को मिले। मैं जानिक सिनर के खिलाफ फिर खेलने को लेकर उत्साहित हूं। इस समय उनके लिए टेनिस खेलना बहुत आसान लग रहा है, लेकिन उम्मीद है कि फाइनल में मैं उन्हें कड़ी टक्कर दूंगा। ज्वेरेव ने मुकाबले की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और पहले सेट में पहले और पांचवें गेम में ब्रेक हासिल कर 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि ब्लाक्स ने संघर्ष दिखाते हुए कुछ सेट प्वाइंट बचाए, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने चौथे मौके पर सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में ब्लाक्स ने कड़ा मुकाबला किया और कई ब्रेक प्वाइंट बचाए, लेकिन अंततः ज्वेरेव ने 6-5 की बढ़त बनाते हुए निर्णायक ब्रेक हासिल किया और मैच जीत लिया। इस जीत के साथ ज्वेरेव इस सत्र में पहली बार फाइनल में पहुंचे हैं। वह इससे पहले 2018 और 2021 में मैड्रिड ओपन का खिताब जीत चुके हैं और अब तीसरी बार ट्राफी जीतने के इरादे से उतरेंगे।

आईपीएल 2026: काइल जैमीसन पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप, चेतावनी के साथ एक डिमेरिट अंक मिला

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 43वें मुकाबले में आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन पर कार्रवाई की गई है। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार, जैमीसन को लेवल-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जिसके चलते उन्हें एक डिमेरिट अंक दिया गया और आधिकारिक चेतावनी जारी की गई। जैमीसन ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन किया, जो ऐसे व्यवहार से संबंधित है जिसमें खिलाड़ी द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा, हरकत या इशारा दूसरे खिलाड़ी को उकसा सकता है या अपमानजनक माना जा सकता है। यह घटना राजस्थान रायल्स के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान पहली पारी के दूसरे ओवर में हुई। जैमीसन ने जैसे ही वैभव सूर्यवंशी को आउट किया, उसके बाद वह बल्लेबाज के काफी करीब जाकर आक्रामक अंदाज में नजर आए, जिसे उकसाने वाला व्यवहार माना गया। मैच रेफरी राजीव सेठ द्वारा दी गई सजा को जैमीसन ने स्वीकार कर लिया है। यह मैच दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट से जीता।

अब टीम को जीत दिलाना ही मेरी प्राथमिता : भुवनेश्वर

अहमदाबाद। आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर पर्पल कैप के दावेदार बने रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा है कि अब उनका लक्ष्य व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करना नहीं बल्कि टीम के जीत दिलाना रहता है। भुवनेश्न ने इस सत्र में अब तक सबसे अधिक 17 विकेट लिए हैं। अपनी सफलता से भुवनेश्वर अति उत्साहित नहीं हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा, पर्पल कैप मिलना निश्चित रूप से अच्छा लगता है, लेकिन मैं अब उस चरण से आगे बढ़ चुका हूँ जहाँ मुझे अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों की चिंता थी। मेरी अब भी कुछ हासिल करने की इच्छा है पर अब ये पूरी तरह से टीम के प्रदर्शन से जुड़ी है। मैं अब युवा नहीं रहा, जब आप युवा होते हैं तो पुरस्कार जीतना एक अलग अहसास देता है हालांकि ये पुरस्कार तभी मिलते हैं जब आप मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं। भुवनेश्वर ने कहा कि वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करते हैं और टीम प्रबंधन का सहयोग उन्हें प्रेरित करता है। उन्होंने इस आईपीएल सीज़न में लक्ष्य का पीछा करने में अधिकर टीम को आसानी हुई है। फिर चाहे कोई भी मैदान क्यों न हो। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाज कर 155 रन बनाये लेकिन गुजरता ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। ,भुवनेश्वर ने कहा कि केवल रन बचाने से मैच नहीं जीते जा सकते थे; जीत के लिए विकेट लेना जरुरी है।

चेन्नई ने इस सीजन में दूसरी बार मुंबई इंडियंस को पटका प्लेऑफ से लगभग बाहर हुई हार्दिक पंड्या की टीम

चेन्नई: आईपीएल 2026 के 44वें मैच में मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स ने 8 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस की टीम 7 विकेट खोकर सिर्फ 159 रन बना पाई। टारगेट का पीछा करने में सीएसके की टीम को कोई खासी दिक्कत नहीं आई और उन्होंने 18.1 ओवर्स में आसानी से इसे चेज कर लिया। इस सीजन सीएसके की ये मुंबई के ऊपर दूसरी जीत है। वहीं मुंबई ने 9 मैचों में अपना 7वां मुकाबला गंवाया है, जिसके बाद उनके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अब लगभग खत्म हो चुकी है।

कप्तान गायकवाड़ ने खेली मैच जिताऊ पारी

इस मैच में सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने एक मैच जिताऊ पारी खेली। उनके बल्ले से 67 रन निकले, जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। वहीं कार्तिक शर्मा ने भी नाबाद 54 रन की पारी खेली। इसके अलावा 24 रन उर्विल पटेल और 11 रन की पारी संजू सैमसन ने खेली। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह और अल्लाह गजनफर ने 1-1 विकेट लिया।

159 रन पर रोक दी मुंबई की टीम

मुंबई इंडियंस ने शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जीत के लिए 160 रन का टारगेट रखा था। मुंबई ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 159 रन बनाए। इस टीम को 1.2 ओवर में ही पहला झटका लगा। विल जैक्स (1) उस समय अपना विकेट गंवा बैठे जब टीम के खाते में सिर्फ 1 ही रन जुड़ सका था।

लगातार गिरते रहे मुंबई के विकेट

यहां से नमन धीर ने रयान रिकेल्टन के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 गेंदों में 58 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। रिकेल्टन 24 गेंदों में 5 छक्कों के साथ 37 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद नमन ने सूर्यकुमार यादव के साथ तीसरे विकेट के लिए 24 गेंदों में 40 रन जुटाकर टीम को 99 के स्कोर तक पहुंचाया।

सूर्यकुमार यादव रहे फेल

सूर्या 12 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद कप्तान पंड्या ने मोर्चा संभालने की कोशिश की, उन्होंने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए टीम को 150 के पार पहुंचाया, लेकिन खुद 23 गेंदों में 18 रन से ज्यादा नहीं बना सके। नमन ने 37 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 57 रन की पारी खेली। चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से अंशुल कंबोज ने 32 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि नूर अहमद ने 2 विकेट हासिल किए। रामकृष्ण घोष और जेमी ओवरटन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

रियान रिकेल्टन ने क्या रिकॉर्ड बनाया?

दरअसल, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ रयान रिकेल्टन ने पावरप्ले में पांच छक्के उड़ाए। इसी के साथ वह संयुक्त रूप से मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल की एक पारी में पावरप्ले में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

रोहित शर्मा ने भी पावरप्ले में आईपीएल की एक पारी में पांच छक्के लगा रखे हैं। वहीं इस लिस्ट में टॉप पर सनथ जयसूर्या हैं, जिन्होंने सात छक्के लगाए थे। बता दें कि मुंबई इंडियंस के ओपनर रियान रिकेल्टन 24 गेंद में 37 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने अपनी पारी में एक भी चौका नहीं लगाया।

हार्दिक पंड्या चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ काफी धीमा खेलते हुए नजर आए। एमआई को तूफानी पारी की उनसे उम्मीद थी। लेकिन वह 23 गेंद में 18 रन बनाकर आउट हो गए। उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 78.26 का था। हार्दिक के बल्ले से सिर्फ 2 चौके देखने को मिले।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबलों में नहीं खेल पायेंगे सैंटनर

आकलैंड

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को अगले महीने आयरलैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र मैच से पहले एक करार झटका लगा है। टीम के कप्तान मिशेल सैंटनर चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेलेंगे। सैंटनर इस मैच के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। सैंटनर को आईपीएल में फील्डिंग के दौरान लगी कंधे में चोट लग गयी है। इसी कारण वह अगले एक महीने तक खेल से दूर रहेंगे।

सैंटनर को यह चोट 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए मैच में लगी थी। कैच लेने के प्रयास में उनका बायां कंधा और सिर जमीन से टकरा गया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि सैंटनर फिट नहीं है। इस बयान में कहा गया, सैंटनर स्वदेश पहुंच गये हैं और वह सुबह एक विशेषज्ञ से मिले। विशेषज्ञ ने जांच के बाद बताया कि उन्हें कम से कम एक महीने के आराम करने के साथ ही रिहैबिलिटेशन के दौर से भी गुजरना होगा। आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को देखते हुए ये उनके लिए निराशाजनक है।

सैंटनर अब आयरलैंड के 27 मई को बेलफास्ट में होने वाले मैच से बाहर हो गये हैं। इसके अतिरिक्त, वह इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले के लिए भी उपलब्ध नहीं होंगे, जो 4-8 जून को लार्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेला जाएगा। बोर्ड ने आगे कहा है कि दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच के लिए उनकी उपलब्धता पर फैसला बाद में किया जाएगा। न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ बाकी दो टेस्ट द ओवल (17-21 जून) और ट्रेंट ब्रिज (25-29 जून) में खेलेगी। सैंटनर का नहीं होना टीम के लिए नुकसानदेह ।

ओपन टेनिस टूर्नामेंट

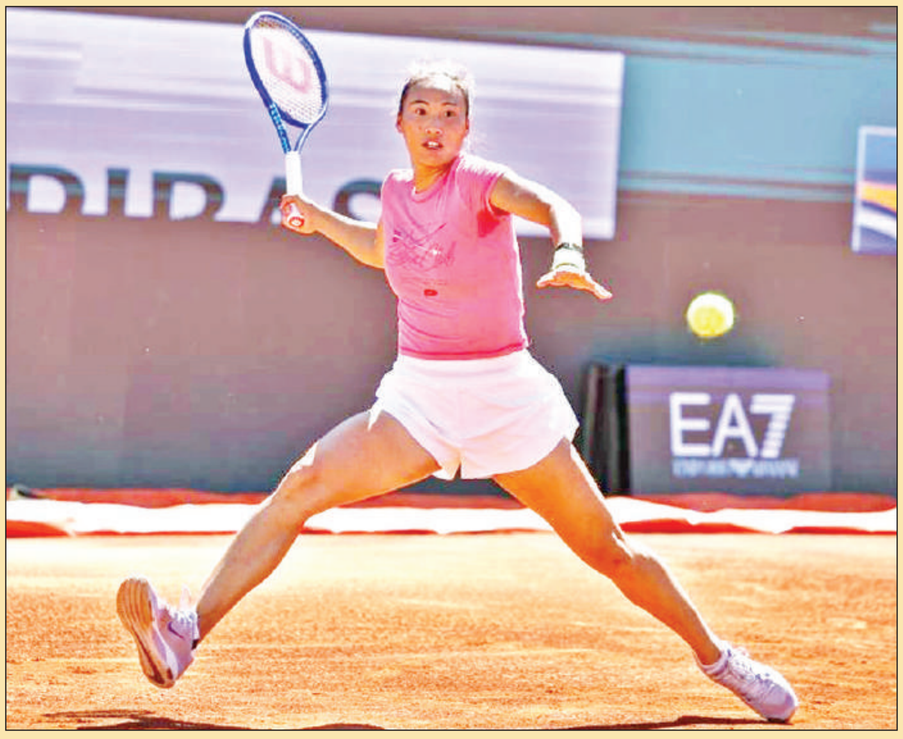

इटली में 2026 इटली ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले एक ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लेती चीन की झेंग किनवेन।

टेपे सिगेमन शतरंज 2026 : अर्जुन एरिगैसी ने दुनिया के नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को ड्रा पर रोका

माल्मो (स्वीडन)

टेपे सिगेमन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट के 31वें संस्करण में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने शानदार शुरुआत करते हुए दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को पहले दौर में ड्रा पर रोक दिया।

मैच के दौरान कार्लसन ने क्वीन साइड पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन अर्जुन ने सटीक बचाव करते हुए चाल चलकर पास्ड प्यादे के खतरे को खत्म कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपने घोड़े को सक्रिय करते हुए स्थिति को सरल बनाया। रूक के आदान-प्रदान के बाद सफेद मोहरों के पास जीत का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं बचा और मुकाबला ड्रा पर समाप्त हुआ।

2026 में मिला धीमा आगाज

अर्जुन एरिगैसी के लिए 2026 की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। वह टाटा स्टील मास्टर्स में 13वें और फीडे फ्रीस्टाइल शतरंज विश्व चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे, जिसे कार्लसन ने जीता था।

मजबूत प्रतिस्पर्धा वाला टूर्नामेंट

यह टूर्नामेंट क्लासिकल शतरंज के सबसे मजबूत आयोजनों में से एक माना जाता है। इसमें 2024 के विजेता नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव, 2021 के चैंपियन जोर्डन वान फोरेस्ट और स्वीडन के नंबर-1 खिलाड़ी निल्स ग्रैंडेलियस जैसे दिग्गज खिलाड़ी खिताब के लिए मुकाबला कर रहे हैं।

अर्जुन का यह ड्रा उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला साबित हो सकता है, क्योंकि उन्होंने दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया।

बिशप ने पांड्या का बचाव किया, अन्य खिलाड़ी भी लें जिम्मेदारी

जमैका

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर इयान बिशप ने आईपीएल में मुम्बई इंडियंस टीम के खराब प्रदर्शन लिए निशाने पर आये टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। बिशप ने कहा है कि टीम का प्रदर्शन खराब रहा है पर इसके लिए केवल कप्तान को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है। कप्तान ही अकेले टीम को जीत नहीं दिला सकता। टीम के अन्य खिलाड़ियों की गलती है इसलिए टीम का प्रदर्शन खराब रहा है। पांच बार की विजेता मुम्बई इस बार अंक तालिका में नौवें पायदान पर है। वह अब तक खेले गए आठ मैचों में से केवल दो में जीत पायी है। हार्दिक इस बार गेंद और बल्ले से भी प्रभावित नहीं कर पाये हैं जिसके बाद से ही टीम के प्रशंसक उन्हें कप्तानी से हटाने की भी मांग कर रहे हैं। बिशप ने पांड्या का बचाव करते हुए कहा कि मुंबई इंडियंस की विफलता का कारण किसी एक शख्स पर नहीं फोड़ा जा सकता। सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे टीम के बड़े खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन भी इसका कारण है। बिशप ने कहा, टीम की विफलता में कमी का जिम्मेदार किसी एक को नहीं ठहराया जा सकता। हार्दिक ने खुद स्वीकार किया है कि उनकी फार्म को और बेहतर होना चाहिए पर उनके बाकी बड़े खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी एक व्यक्ति को अपने ऊपर दोष नहीं लेना चाहिए।

बैडमिंटन : शटलर्स का शानदार आगाज़, पहले दिन उभरते सितारों ने दिखाया दमखम

इंदौर । इंदौर जिला बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में आयोजित श्रीमती शांता देवी कमल भंडारी मेमोरियल सब-जूनियर जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप का रंगारंग आगाज हुआ। 300 से अधिक प्रविष्टियों के साथ शुरू हुई इस स्पर्धा के पहले ही दिन कोर्ट पर कड़ा संघर्ष देखने को मिला। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि अतिरिक्त महाधिवक्ता राहुल सेठी ने किया। अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज मुंशी ने की। इस दौरान शेखर व केतन भंडारी विशेष अतिथि थे। स्वागत डा. अनिल भंडारी, आर.पी. सिंह नय्यर व रजनीश जैन ने किया। संचालन सुधांशु व्यास ने किया एवं आभार मनीष त्रिवेदी ने व्यक्त किया। बालक अंडर-13 : अनिन्जय कृष्ण बिंजू ने अर्नव नालायया को, यथार्थ सूर्य ने दीपेन्द्र बैरागी को, आयांश साहू ने करण पांडे को और मनीत पुंगलिया ने अबीर गोयल को हराया। वहीं हर्ष वर्धन, वीर मिरचंदानी, अथर्व दुबे, अन्वित गोयल, अनय जैन, अदम्य मिश्रा, निश्चय कुशवाह, आयांश मोहता, अर्नव गौर, शुभ जैन, अर्पण गांधी और वेदांत सिंह तोमर ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। बालिका अंडर-13 : नवेशा पुरोहित ने सान्या मौर्य को, आराध्या पाठक ने सान्वी मौर्य को और तन्वी गांधी ने अवनि गुर्जर को शिकस्त दी। इनके अलावा पारिधि भारद्वाज, मानवी गांधी, अर्शिया गुप्ता, राधिका सोनी और शनाया सिंहवानी भी विजयी रहीं। बालक अंडर-15 : लक्ष्य सिंह चौहान ने प्रतीक पटेल को मात दी। मितांश जैन, हर्ष बाधे, शिवांश शर्मा, शाश्वत दुबे, कार्तिकेय उपाध्याय, अभ्युदय दांडेवाल, हृध्दान जायसवाल, कबीर शर्मा और अंश चंसोरिया ने भी जीत के साथ अभियान की शुरुआत की।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मई को होंडा भारतीय बाजार में उतारेगी दो नए वाहन

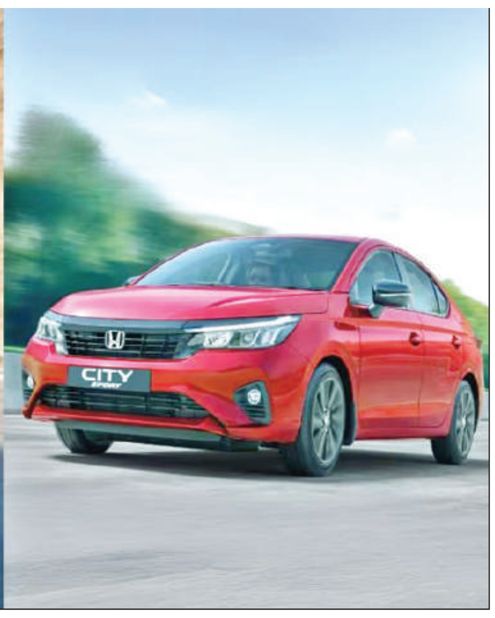

नई दिल्ली

होंडा कार्स इंडिया एक बार फिर भारतीय बाजार में बड़ी हलचल मचाने की तैयारी में है। अगले महीने 22 मई को कंपनी दो नए उत्पाद पेश करने जा रही है, जिनमें एक बिल्कुल नई स्पोर्ट यूटिलिटी वाहन जेडआर-वी और दूसरी लोकप्रिय सेडान सिटी का अपडेटेड संस्करण शामिल है। होंडा की नई जेडआर-वी भारतीय बाजार में एक बिल्कुल नया नाम होगा, जिसे कंपनी प्रीमियम श्रेणी में पेश करने जा रही है। इसे पूरी तरह आयातित रूप में लाए जाने की संभावना है, जिससे इसकी कीमत करीब 40 लाख रुपये के आसपास रह सकती है।

यह वाहन एक आकर्षक और शहरी शैली के साथ सामने आएगा, जिसकी लंबाई लगभग साढ़े चार मीटर बताई जा रही है। इसमें शक्तिशाली दो लीटर क्षमता वाला चार सिलेंडर युक्त मजबूत मिश्रित प्रणाली (हाइब्रिड) इंजन मिलने की उम्मीद है, जो लगभग 180 अश्वशक्ति का प्रदर्शन कर सकता है।

इसमें बड़ा स्पर्श आधारित स्क्रीन, दोहरे क्षेत्र का तापमान नियंत्रण, आगे की सीटों का विद्युत संचालन, पीछे का स्वचालित दरवाजा, बिना तार के चार्जिंग और उन्नत चालक सहायता प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। नई जेडआर-वी के साथ कंपनी अपनी लोकप्रिय सेडान होंडा सिटी का भी अपडेटेड संस्करण पेश करेगी।

दक्षिण कोरिया में कार का कारोबार बंद करेगी होंडा

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया में होंडा मोटर कंपनी ने अपने कार कारोबार को वर्ष 2026 के अंत तक पूरी तरह बंद करने की घोषणा की है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह अपने मौजूदा ग्राहकों को बिक्री के बाद मिलने वाली सभी सेवाएं, जैसे सर्विसिंग, मेंटेनेंस, स्पेयर पार्ट्स और वारंटी, पहले की तरह जारी रखेगी। होंडा ने वर्ष 2004 में दक्षिण कोरिया के बाजार में प्रवेश किया था और होंडा अकॉर्ड तथा होंडा सीआर-वी जैसे लोकप्रिय मॉडल पेश किए थे। हालांकि, कड़ी प्रतिस्पर्धा और लगातार सीमित बिक्री के कारण कंपनी यहां कभी मजबूत स्थिति नहीं बना सकी। आंकड़े बताते हैं कि कम बिक्री इस फैसले का प्रमुख कारण रही है। वर्ष 2025 में कंपनी दक्षिण कोरिया में 2000 से भी कम कारें बेच पाई, और मार्च 2026 में तो यह आंकड़ा केवल 84 गाड़ियों तक ही सीमित रहा। यह स्थिति तब है जब टेस्ला, बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज-बेंज जैसे ब्रांड्स इसी दौरान हजारों यूनिट्स की बिक्री कर रहे थे। दक्षिण कोरिया के बाजार में विदेशी कार ब्रांड्स के बीच प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है, और इस माहौल में होंडा के लिए अपनी बिक्री बढ़ाना बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। कंपनी का यह कदम दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में डिजिटल सिस्टम से छोटे उद्यमों की कमाई बढ़ी, अब बड़े कारोबारियों को दे पा रहे टक्कर

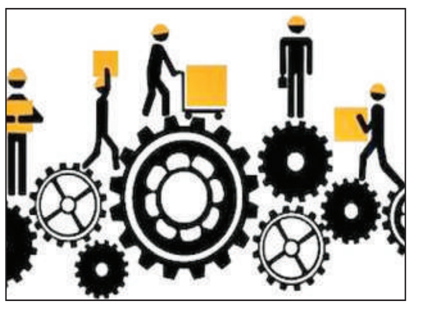

नई दिल्ली। भारत में सरकारी प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने की पहल का असर अब साफ तौर पर दिख रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की एक नई स्टडी के मुताबिक, जिन राज्यों ने प्रशासनिक कामकाज को तेजी से आनलाइन किया, वहां छोटे कारोबारों (माइक्रो एंटरप्राइज) की उत्पादकता बढ़ी है और अलग-अलग कंपनियों के बीच का अंतर भी कम हुआ है। यह अध्ययन 2010-11 और 2015-16 के राष्ट्रीय सर्वे डेटा पर आधारित है। इसमें अलग-अलग राज्यों के कारोबारों की तुलना की गई, खासकर उन राज्यों की जिन्होंने टैक्स फाइलिंग, परमिट, निरीक्षण और विवाद समाधान जैसे कामों को डिजिटल किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन राज्यों ने ज्यादा डिजिटल सुधार अपनाए, वहां कारोबारों की काम करने की क्षमता (प्रोडक्टिविटी) तेजी से बढ़ी। साथ ही कंपनियों के बीच जो फर्क पहले ज्यादा था, वह भी कम हुआ। इसका मतलब है कि छोटे और बड़े कारोबारों के बीच प्रतिस्पर्धा अब ज्यादा संतुलित हुई है। 2014 में राज्यों ने मिलकर 98-पाइंट एक्शन प्लान लागू किया था, जिसका मकसद बिजनेस के लिए नियम आसान बनाना और ज्यादा से ज्यादा प्रक्रियाओं को आनलाइन करना था। इसके तहत छह मुख्य क्षेत्रों टैक्स सिस्टम, निर्माण परमिट, पर्यावरण और श्रम नियम, निरीक्षण, व्यावसायिक विवाद और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस में सुधार किए गए। डिजिटल सिस्टम आने से छोटे कारोबारियों का काम काफी आसान हुआ। अब उन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर कम लगाने पड़ते हैं, समय और पैसा दोनों की बचत होती है। आनलाइन टैक्स फाइलिंग और आटोमेटेड मंजूरी जैसी सुविधाओं ने पारदर्शिता बढ़ाई है और देरी को कम किया है। इससे रिश्वत जैसे अनौपचारिक खर्चों में भी कमी आई है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि जिन राज्यों में सुधार ज्यादा हुए, वहां कारोबार लगातार बेहतर प्रदर्शन करते दिखे।

क्रूजर बाइक वी302सी का नया अपडेटेड माडल लान्च

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी कीवे ने अपनी प्रीमियम क्रूजर बाइक वी302सी का नया अपडेटेड माडल लान्च कर दिया है। कंपनी को उम्मीद है कि यह बाइक भारतीय बाजार में और ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित करेगी। कंपनी ने इस मोटरसाइकिल में नया येलो कलर आप्शन शामिल किया है, जो पहले से उपलब्ध रेड और ब्लैक रंगों के साथ ग्राहकों को मिलेगा। फिलहाल कीवे की भारतीय वेबसाइट पर वी302सी के अलावा एसआर125 और एसआर250 माडल भी उपलब्ध हैं, लेकिन वी302सी अपनी दमदार डिजाइन और वी-ट्विन इंजन की वजह से सबसे अलग मानी जा रही है।

इस मोटरसाइकिल में 298 सीसी का वी-ट्विन इंजन दिया गया है, जो बेल्ट ड्रिवेन ट्रांसमिशन के साथ आता है। यह इंजन 8500 आरपीएम पर 29.5 हार्सपावर की ताकत और 6500 आरपीएम पर 26.5 न्यूटन मीटर का टार्क पैदा करता है। कंपनी ने बाइक की राइड क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए फ्रंट में टेलिस्कोपिक फोर्क और रियर में ट्विन शाक एब्जार्बर लगाए हैं। इसके अलावा बाइक में दोनों पहियों पर कास्ट अलाय व्हील और डिस्क ब्रेक दिए गए हैं, जिससे इसकी ब्रेकिंग क्षमता मजबूत होती है। फीचर्स की बात करें तो कीवे वी302सी में पूरी तरह डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ड्यूल चैनल एबीएस, आल एलईडी लाइटिंग, सिंगल पीस सीट और 15 लीटर का बड़ा फ्यूल टैंक मिलता है। डिजिटल कंसोल में स्पीडोमीटर, ओडोमीटर, ट्रिप मीटर और फ्यूल लेवल जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दिखाई देती हैं। कंपनी का दावा है कि यह बाइक करीब 37 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है, जो इस सेगमेंट की बाइक के लिए अच्छा माना जा रहा है। सबसे खास बात यह है कि कंपनी ने इसकी कीमत में भी कमी की है। पहले यह बाइक 4.29 लाख रुपए की कीमत पर बिक रही थी, लेकिन अब जीएसटी लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के बाद इसकी कीमत घटाकर करीब 3.99 लाख रुपए कर दी गई है।

मुंबई में आवासीय मांग मजबूत, राजस्व वृद्धि में मामूली वृद्धि के साथ स्टाम्प शुल्क संग्रह बढ़ा

मुंबई । महाराष्ट्र में आवासीय पंजीकरण और स्टाम्प विभाग के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2026 में 13,864 संपत्ति लेनदेन के आंकड़े दर्ज हुए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 6 प्रतिशत की अधिक हैं और यह एक दशक से अधिक समय में अप्रैल महीने के सबसे मजबूत आवासीय प्रदर्शन रहा है। जानकारों का कहना है यह उछाल शहरों आवासीय बाजार में उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को दिखाता है। पिछले साल अप्रैल 2025 की तुलना में इस साल अप्रैल में 14 साल का सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। इस महीने स्टाम्प शुल्क संग्रह 1,114 करोड़ रुपये से अधिक रहा, हालांकि पंजीकरण में वृद्धि के बाद भी राजस्व वृद्धि सालाना आधार पर देखे तो लगभग एक प्रतिशत रही है। वृद्धि के बाद भी मुबई में मांग में स्थिरता बनी हुई है नाइट फ्रैंक इंडिया के इंटरनेशनल पार्टनर चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर शिशिर बैजल बताते हैं, मुंबई में आवासीय बाजार लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रहा है और अप्रैल 2026 में पिछले एक दशक में किसी भी अप्रैल महीने की तुलना में सबसे अच्छा प्रदर्शन दर्ज किया गया है। पंजीकरण में लगातार उच्च वृद्धि बनी हुई है। बावजूद इसके टिकट के आकार में मामूली बदलाव की वजह से (यानी बड़े महंगे घरों की तुलना में मध्यम बजट वाले घरों की मांग) स्टम्प शुल्क संग्रह में थोड़ी नरमी आई है, लेकिन मांग लगातार बनी हुई है। आवासीय बाजार में बदलाव के संकेत रियल एस्टेट विशेषज्ञ पकंज कुमार कहते हैं, पिछले 14 वर्षों में अप्रैल महीने में सबसे अधिक पंजीकरण होना बाजार में अंतिम उपभोक्ताओं की मांग को दिखाते हैं। हालांकि स्टाम्प शुल्क संग्रह कुछ स्तर तक स्थिर रहा है, जो मध्य श्रेणी की आवास की ओर लेनदेन में बदलाव का संकेत देता है। यह भविष्य के लिए काफी अच्छा है, इससे यह भी पता चलता है, कि मध्यम वर्ग उपभोक्ता अपने घरों की खरीदारी को अब तेज कर रहे हैं, जिसमें छोटे टिकट साइज वाले आवासीय परियोजनाओं को लेकर मांग बढ़ेगी। महीने दर महीने गिरावट देखी गई आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने की तुलना में अप्रैल में पंजीकरण 13 प्रतिशक की गिरावट आई स्टाम्प शुल्क संग्रह में 27 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। यह गिरावट मौसमी है, क्योंकि मार्च महीने में मजबूत लेनदेन के बाद अप्रैल में आम तौर गति धीमी हो जाती है।

प्रीमियम और बड़ी गाड़ियों पर ध्यान केंद्रित कर रही किआ

Certified Pre-Owned

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में किआ इंडिया कंपनी प्रीमियम और बड़ी गाड़ियों के बाजार पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस साल की दूसरी छमाही में, किआ दो शानदार ग्लोबल मॉडल लॉन्च करने जा रही है। ये दोनों ही गाड़ियां हाइब्रिड टेक्नोलॉजी से लैस होंगी। कंपनी का उद्देश्य ऐसे ग्राहकों को आकर्षित करना है जो लग्जरी के साथ-साथ बेहतर माइलेज और पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखते हैं। इस कड़ी में पहली बड़ी एंट्री किआ सोरेंटो हाइब्रिड की होगी। यह एक दमदार डी-सेगमेंट एसयूवी है, जिसकी लंबाई 4,815 मिमी है और यह दिखने में काफी मस्कुलर है।

भारत में इसे 7-सीटर स्टैंडर्ड और 6-सीटर विकल्प के साथ उतारा जा सकता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि किआ इसे भारत में ही बनाने की योजना बना रही है, जिससे इसकी कीमतें कम रहने की उम्मीद है।

यह गाड़ी उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प होगी जो एक बड़ी फैमिली कार की तलाश में हैं। सोरेंटो के इंजन की बात करें तो भारत के लिए इसमें थोड़ा बदलाव देखा जा सकता है।

ग्लोबली इसमें 1.6-लीटर टर्बो पेट्रोल हाइब्रिड इंजन मिलता है, जबकि भारत में लागत कम रखने के लिए कंपनी इसमें 1.5-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल कर सकती है, जो सेल्टोस में भी देखने को मिलता है।

फीचर्स के तौर पर इसमें 14-वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, वेंटिलेटेड सीटें, डिजिटल आईआरवीएम, जेस्चर-कंट्रोल टेलगेट और सुरक्षा के लिए 10-एयरबैग्स के साथ एडीएएस जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलने की उम्मीद है। किआ की दूसरी बड़ी पेशकश नई कार्निवल हाइब्रिड होगी।

यह प्रीमियम एमपीवी संभवत: सीधे विदेश से आयात (सीबीयू) की जाएगी। इसमें 1.6-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर जुड़ी होगी। दक्षिण कोरिया में यह गाड़ी करीब 14 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। भारत में इसे 7-सीटर लेआउट के साथ पेश किया जा सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

खुले में...

जगहों पर ही किए जाएंगे न कि सार्वजनिक सड़कों या नई जगहों पर जिससे स्थापित परंपराओं के संरक्षण की लगातार एडमिनिस्ट्रेटिव पॉलिसी को मजबूत किया जा सके। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने विचार करने के बाद कहा कि जो मुद्दा उठता है वह यह है कि क्या, और किस हद तक आर्टिकल 25 और 26 के तहत गारंटी वाले अधिकार, सामूहिक धार्मिक गतिविधियों के संचालन तक लागू होते हैं चाहे वह सार्वजनिक भूमि पर हो या प्राइवेट जगह पर। कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए अपने फैसले में कहा कि एक संवैधानिक समाज में आज़ादी के साथ हमेशा दूसरों के प्रति ज़िम्मेदारी भी जुड़ी होती है। संविधान धर्म मानने के अधिकार की रक्षा करता है लेकिन यह भी साफ़ करता है कि यह अधिकार सार्वजनिक आदेश, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन है।

यह असीमित अधिकार नहीं है। इसका इस्तेमाल इस तरह से नहीं किया जा सकता है जिससे दूसरों पर असर पड़े या सार्वजनिक जिंदगी के नॉर्मल कामकाज में रुकावट आए। जैसा कि अक्सर कहा जाता है एक इंसान की आज़ादी वहीं खत्म हो जाती है जहाँ वह किसी और पर असर डालना शुरू करती है। कोर्ट ने कहा कि यदि कोई पक्ष परंपरा से हटकर सार्वजनिक स्थान का उपयोग किसी विशेष धार्मिक गतिविधि के लिए करना चाहता है तो कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य सरकार हस्तक्षेप कर सकती है। साथ ही अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि किसी एक समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता दूसरे समुदाय के अधिकारों पर निर्भर करती है।

कर्मचारियों की...

उन्होंने पीआरसी अधिकारियों को बिना देरी किए रिपोर्ट देने का निर्देश दिया ताकि वेतन संशोधन पर जल्द फैसला लिया जा सके। उन्होंने कर्मचारी यूनियनों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बैठक को संबोधित करते हुए आश्वासन दिया कि 2 जून (तेलंगाना स्थापना दिवस) तक सभी लंबित बिलों का निपटारा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में बीआरएस शासन के दौरान हजारों करोड़ रुपये का बकाया जमा हो गया था। सरकार ने इन मुद्दों के समाधान के लिए एक व्यापक अभ्यास किया है, जो कर्मचारियों के प्रति उसकी ईमानदारी का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सभी लंबित चिंताओं को दूर करने के लिए एक सुस्पष्ट योजना के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

फाल्टा में अब...

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के दफ्तर के सूत्रों ने बताया कि आयोग ने डायमंड हार्बर जिला पुलिस को चेतावनी दी है कि अगर वे उसके निर्देशों का पालन करने में नाकाम रहते हैं और एफआईआर दर्ज करके गांव वालों को धमकाने के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू नहीं करते हैं, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पूरे निर्वाचन क्षेत्र में दोबारा मतदान की उठी थी मांग

दक्षिण 24 परगना जिले की सभी विधानसभा सीटों पर, जिनमें फाल्टा भी शामिल है, पश्चिम बंगाल में दो चरणों में हुए विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण में 29 अप्रैल को वोट डाले गए थे। हालांकि ईसीआई द्वारा नियुक्त विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने शुक्रवार को फाल्टा के 30 मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान कराने की सिफारिश की थी, लेकिन आयोग ने सभी केंद्रों पर फिर से वोटिंग का फैसला लिया है।

पूरे फाल्टा निर्वाचन क्षेत्र में दोबारा मतदान की मांग भाजपा ने तब उठाई थी, जब यह आरोप लगाया गया कि कुछ बूथों पर भाजपा उम्मीदवार के नाम और फोटो के बगल में मौजूद ईवीएम के बटन सफेद टेप से ढके हुए थे।29 अप्रैल को मतदान से पहले ही फाल्टा ने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा था। इसकी वजह जहांगीर खान और ईसीआई द्वारा नियुक्त विशेष पुलिस पर्यवेक्षक, अजय पाल शर्मा (उत्तर प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी) के बीच हुई बातचीत थी। मतदान के दिन भी दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर उपमंडल के तहत आने वाले फाल्टा और आसपास के विधानसभा क्षेत्रों से मतदान से जुड़ी छिटपुट हिंसा की खबरें मिली थीं। बता दें कि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को हुए थे। वोटों की गिनती 4 मई को होगी और उसी दिन नतीजे घोषित किए जाएंगे।

'हार्ट अटैक' बम...

उनके नेताओं को हार्ट अटैक आ सकता है। अपनी बात दोहराते हुए ईरानी ने फिर कहा, इस्लामिक गणराज्य ईरान बहुत जल्द दुश्मन सेनाओं का सामना एक ऐसे हथियार से करेगा, जिससे वे बहुत डरते हैं। यह हथियार दुश्मनों के एकदम करीब है, मुझे डर है कि उनके नेताओं को हार्ट अटैक आ सकता है। दुनिया जानती है कि अमेरिका और इजरायल जैसे ईरान के दुश्मन ईरान की मिसाइलों से नहीं, सिर्फ उसके एटमी मंसूबे से डरते हैं। इसलिए अब आशंका जताई जा रही है कि कहीं ईरान एटम बम बनाने में कामयाब तो नहीं हो गया है। क्योंकि उसके पास 60% तक संवर्धित यूरेनियम पहले से है। 90% तक संवर्धन सिर्फ 2 हफ्ते में किया जा सकता है। ईरान-अमेरिका के बीच सीजफायर को इससे ज्यादा वक्त बीत चुका है। यानी ईरान के पास इतना वक्त था कि वो सुविधा मिलने पर एटम बम बना सकता है। रूस ईरान के बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र को संचालित करने और इसके विस्तार की कई यूनिट्स में तकनीकी मदद कर रहा है। 28 फरवरी के हमले के बाद रूस ने अपने लोगों को ईरान के प्लांट्स से बाहर निकाला था। रूस ने ईरान और अमेरिका की जंग रुकवाने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की है। कुछ रिपोर्ट्स में ऐसे प्रस्तावों का दावा किया जा रहा है कि ईरान अपना न्यूक्लियर प्लान कुछ सालों के लिए टाल सकता है। दावा तो ये भी है कि ईरान अपना सारा यूरेनियम रूस को सौंप सकता है। लेकिन अभी ये तमाम दावे महज अटकलें ही हैं, इसकी आधिकारिक पुष्टि रूस या ईरान ने अबतक नहीं की है।

हम समुद्री...

उल्लेखनीय है कि ईरान पहले से ही अमेरिकी नाकेबंदी को समुद्री डकैती करार देता रहा है। इसी बीच, ईरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका किसी भी संधि या समझौते का पालन नहीं करता और खाड़ी क्षेत्र में नए सिरे से युद्ध भड़क सकता है। अमेरिका के विदेशी संपत्ति नियंत्रण विभाग ने चेतावनी दी है कि होर्मुज क्षेत्र से गुजरने के लिए ईरान को टोल देने वाले जहाजों पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने दावा किया है कि नौसैनिक नाकेबंदी के बाद से अब तक 48 व्यापारिक जहाजों को होर्मुज की ओर लौटाया गया है। आइएएनएस के अनुसार, सैन्य तैनाती में भी बदलाव देखने को मिला है। लाल सागर में तैनात अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड फोर्ड को पश्चिम एशिया से वापस अमेरिका भेज दिया गया है, हालांकि होर्मुज के बाहर अब भी दो विमानवाहक पोत तैनात हैं। बताया गया कि जेराल्ड फोर्ड पिछले 10 महीनों से समुद्र में तैनात था और 12 मार्च को इसमें आग लगने की घटना भी हुई थी, जिसके बाद यह कुछ समय के लिए सेवा से बाहर रहा। फ्लोरिडा के पाम बीच में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि समुद्री डकैती का काम काफी मुनाफे वाला है और हाल ही में अमेरिकी बलों ने ईरान के एक तेल टैंकर पर कब्जा किया, जिससे उसका तेल भी अमेरिकी नियंत्रण में आ गया। उधर, ईरानी समाचार एजेंसी फीर्स के अनुसार, खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर्स के डिप्टी इंस्पेक्टर सरदार असादी ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों के बयान और कार्रवाइयां मीडिया-प्रेरित हैं। उनका उद्देश्य तेल की कीमतों में गिरावट को रोकना और मौजूदा हालात से खुद को बाहर निकालना है। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरानी सशस्त्र बल किसी भी नई 'हरकत या मूर्खता' का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

क्यूबा पर भी टिप्पणी

एपी के अनुसार, पाम बीच के कार्यक्रम में ट्रंप ने हल्के अंदाज में कहा कि ईरान युद्ध से लौटते समय अमेरिकी नौसेना क्यूबा पर कब्जा कर सकती है। उन्होंने कहा कि क्यूबा में कई समस्याएं हैं और यूएसएस अब्राहम लिंकन जैसे विमानवाहक पोत के जरिए यह संभव हो सकता है। ट्रंप ने मजाकिया लहजे में कहा कि जैसे ही अमेरिकी पोत क्यूबा के तट से 100 गज की दूरी पर पहुंचेगा, वहां के लोग समर्पण कर देंगे। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन लगातार क्यूबा सरकार पर सुधारों के लिए दबाव बनाता रहा है।

इमरजेंसी अलर्ट...

शनिवार को देश के सभी राज्यों की राजधानियों और दिल्ली- एनसीआर में सभी मोबाइल फोन पर एकसाथ टेस्टिंग मैसेज भेजा गया। यह मैसेज हिंदी और अंग्रेजी के साथ सभी क्षेत्रीय भाषाओं में भी भेजा गया। मैसेज में बताया गया कि यह केवल परीक्षण है और इस पर कोई एक्शन लेने की जरूरत नहीं है।

सरकार ने दो दिन पहले ही मैसेज भेजकर लोगों से अपील की थी कि इमरजेंसी मोबाइल अलर्ट ट्रायल के दौरान यानी टेस्टिंग वाला मैसेज मिलने पर घबराएं नहीं। शनिवार का मैसेज केवल इमरजेंसी के हालात में चेतावनी देने वाले सिस्टम की जांच के लिए भेजा गया था।इमरजेंसी की स्थिति में लोगों को रियल टाइम अलर्ट देने के लिए सरकारी संस्था सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स (सी-डॉट) ने इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम ' एसएसीएचईटी ' को विकसित किया है। सचेत नाम का यह सिस्टम कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) पर आधारित है। इसे देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक्टिव कर दिया गया है।

एनडीएमए ने मोबाइल एसएमएस को सेल ब्रॉडकास्ट (सीबी) तकनीक से जोड़ा है। इससे चुने गए इलाके में एक्टिव सभी मोबाइल फोन पर एक साथ अलर्ट मिलेगा। इससे इमरजेंसी के समय रियल टाइम सूचना पहुंच सकेगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस सिस्टम के जरिए अलग-अलग प्राकृतिक आपदाओं जैसे मौसम में बदलाव और चक्रवात के अलर्ट दिए जा चुके हैं। अब तक 19 से ज्यादा भारतीय भाषाओं में 134 अरब से ज्यादा एसएमएस अलर्ट भेजे जा चुके हैं। इस सिस्टम का इस्तेमाल हर इमरजेंसी सिचुएशन में लोगों को तुरंत चेतावनी देने के लिए किया जा सकता है।

6 सवाल-जवाब से समझें यह सिस्टम कैसे काम करता है

सवाल-1: सेल ब्रॉडकास्ट सेवा क्या है? जवाब: यह एक तकनीक है, जिससे सरकार किसी इलाके के सभी मोबाइल फोन पर एक साथ अलर्ट मैसेज भेज सकती है।

सवाल-2: यह एसएमएस से अलग कैसे है? जवाब: एसएमएस में मैसेज नंबर-टू-नंबर जाता है, जबकि सीबीएस में पूरे इलाके (सेल/टावर कवरेज) के सभी फोन पर एक साथ मैसेज पहुंचता है।

सवाल-3: सीबीएस का इस्तेमाल कब किया जा सकता है? जवाब: आपदा चेतावनी (भूकंप, बाढ़, चक्रवात), मौसम अलर्ट, राष्ट्रीय/आपातकालीन सूचना।

सवाल-4: क्या इसके लिए इंटरनेट जरूरी है? जवाब: नहीं, सीबीएस बिना इंटरनेट के भी काम करता है।

सवाल-5: क्या सभी मोबाइल पर मैसेज आता है? जवाब: हां, अगर फोन नेटवर्क कवरेज में है और सीबीएस फीचर एक्टिव है तो मैसेज आता है।

सवाल-6: भारत में सीबीएस कौन लागू कर रहा है? जवाब: भारत में इसे एनडीएमए (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) और टेलीकॉम विभाग लागू कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 03 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

गोवत्स फाउण्डेशन की क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के साथ 'श्रीमद् भागवत कथा' संबंधित चर्चा

पुरुषोत्तम मास में नुमाईश मैदान में 28 मई से 3 जून तक भागवत कथा का भव्य आयोजन, युवाओं के लिए विशेष संवादात्मक सत्र भी

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोवत्स फाउण्डेशन द्वारा पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 28 मई से 3 जून 2026 तक नुमाईश मैदान में किया जायेगा। श्रीमद् भागवत कथा अन्तर्गत परम पूज्य गोवत्स राधाकृष्णजी महाराज अपने मुखार्विन्द से श्रीमद् भागवत कथा रसपान करायेंगे।

ईसामियां बाजार व चप्पल बाजार क्षेत्र में कार्यकर्ता बैठकें सम्पन्न

इस संदर्भ में शहर के सभी वैष्णवजनों को इस पुनीत कथा एवं गोसेवा से जोड़ने हेतु फाउण्डेशन के अध्यक्ष ने ईसामियां बाजार व चप्पल बाजार क्षेत्र में गोवत्स कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक के दौरान संस्था के अध्यक्ष सीए मुरलीमनोहर पलोड ने श्री अष्टकोणी रामदेवरा प्रभात फेरी के सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए उनसे निवेदन किया कि श्रीमद् भागवत कथा के निमंत्रण पत्र सभी वैष्णवों को ईसामियां बाजार, कोठी, सुल्तान बाजार, रामकोट में घर-घर जाकर गोवत्स फाउण्डेशन द्वारा की जा रही सेवाओं एवं गोसेवा के प्रकल्पों की जानकारी दें। वैष्णवों को ईसीएस एवं 'जीवन के साथ भी-जीवन के बाद भी' कार्पस फण्ड योजना से भी अवगत करवायें।

ईसामियां बाजार की क्षेत्रीय बैठक में श्री अष्टकोणी रामदेवरा प्रभात फेरी के विजयनंदन काबरा, कैलाश बांगड़, राजेश तोतल, शैलेश बंग, केशव भराडिया, सुमित्रा राठी, इंदिरा भराडिया, यतिराज तोतल, प्रेमा लोया, गोवत्स फाउण्डेशन के अध्यक्ष सीए मुरली मनोहर पलोड, मंत्री बद्रीविशाल लोया, घनश्यामदास राठी, श्रीनिवास मोदानी ने भाग लिया।

युवाओं के लिए विशेष संवादात्मक सत्र का आयोजन

श्रीमद् भागवत कथा के अन्तर्गत 31 मई को प्रातः 8:30 बजे से नुमाईश मैदान में गोवत्स श्री राधाकृष्णजी महाराज के पावन सान्निध्य में 14 वर्ष से 40 वर्ष तक के युवाओं के लिए - कैसे अपना जीवन सुन्दर, सार्थक एवं सफल बनाये विषय पर प्रश्नोत्तर (संवादात्मक सत्र) का आयोजन किया जायेगा। संवादात्मक सत्र में भाग लेने के लिए युवाओं को अपना नाम पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा। आज के इस आपाधापी भरे युग में युवाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस संवादात्मक सत्र में भाग लेकर युवा अपने जीवन को सुन्दर, सार्थक एवं सफल बनाने के लिए अपने मन में उत्पन्न प्रश्नों के उत्तर पूज्य महाराजजी से प्राप्त कर सकते हैं और अपने जीवन को सफल एवं सार्थक बना सकते हैं।

चप्पल बाजार निवासी श्रीनिवास मोदानी, घनश्याम लोया एवं प्रकाशनारायण राठी ने भी इस कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए अपना पूर्ण समर्थन देंगे और चप्पल बाजार, निम्बोली अड्डा, बरकतपुरा, काचीगुडा क्षेत्रों में घर घर जाकर वैष्णवों को कथा एवं गौसेवा से जोडने का प्रयास करेंगे।

3 मई को गौशाला पर समिति गठन एवं निमंत्रण पत्र विमोचन

रविवार, 3 मई को सायंकाल 5 बजे श्री समर्थ कामधेनु गौशाला, जियागुडा पर कार्यकर्ताओं एवं यजमान परिवारों के लिए एक बैठक आयोजन किया जायेगा जिसमें कथा के अन्तर्गत सुचारु रूप से व्यवस्था के लिए विभिन्न समितियों का गठन एवं कथा के निमंत्रण पत्र का विमोचन भी किया जायेगा। अतः सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं, गोवत्स फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं एवं यजमान परिवारों से निवेदन है कि वे अवश्य भाग लें।

हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा
आज के श्रृंगार दर्शन
श्री पहाड़ी श्याम मंदिर
महिंद्राहिल्स - सिकंदराबाद

एनएमडीसी ने 16% की वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 27 की मजबूत शुरुआत की

हैदराबाद, 2 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। खनन पावरहाउस एनएमडीसी ने अप्रैल 2026 में लौह अयस्क का 46.4 लाख टन उत्पादन और 36.8 लाख टन बिक्री की है ।

देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क खनन कंपनी ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में वित्त वर्ष 27 के पहले महीने में उत्पादन में 16% की वृद्धि दर्ज की है । बैलाडीला लौह अयस्क परियोजनाओं में अपने अब तक के सर्वोत्तम खनन प्रदर्शन के आधार पर एनएमडीसी ने अप्रैल 2026 में अप्रैल माह का अबतक का सर्वोच्च उत्पादन किया है ।

हाल के चार वर्षों के लौह अयस्क उत्पादन को ट्रैक करने पर भारत के लिए 3.9% की नियमित सीएजीआर का पता चलता है । इस पृष्ठभूमि में, एनएमडीसी ने इस उद्योग की वृद्धि से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 6.8% सीएजीआर प्राप्त किया और इस प्रकार उत्पादन के क्रमिक-वृद्धि से अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है । इस उपलब्धि पर श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी ने कहा कि, एनएमडीसी की क्षमताओं और योग्यताओं में विस्तार पूरे जोरों पर है । हमने अपनी रणनीतिक प्रगति को सक्षम बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति-शृंखला एकीकरण में आवश्यक आधारभूत कार्य किए हैं । अप्रैल में 4.6 मिलियन टन से शुरू होकर एनएमडीसी का इस वित्तीय वर्ष के लिए 60 मिलियन टन से अधिक का लक्ष्य है । टीम तैयार है, सरेखित है और विकास के अगले स्तर तक पहुंचने के लिए आश्वस्त है ।

वित्त वर्ष 26 में 53+ मिलियन टन और एनएमडीसी से सकारात्मक प्रारंभिक अपडेट ने भारत के लौह और इस्पात क्षेत्र को और अधिक आशान्वित किया है ।

राजभवन में गुजरात एवं महाराष्ट्र स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला का तेलंगाना प्रवासी संघ एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा किया गया अभिनंदन

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना स्थित गुजराती एवं महाराष्ट्रीयन समुदायों के लिए एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का दिन रहा जब राजभवन में गुजरात एवं महाराष्ट्र स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उनका तेलंगाना प्रवासी संघ एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

समारोह में महामहिम राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला का तेलंगाना प्रवासी संघ के सुभाष अग्रवाल, श्री गुजराती प्रगती समाज के उपाध्यक्ष महेश पटेल, अखिल भारत गुजराती समाज के रिद्धीश जागीरदार व दिनेश गोसर, पाटीदार समाज के अध्यक्ष अमृत पटेल, जैन रत्न संपतराज कोठारी एवं अन्य समाज बंधुओं ने माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर भव्य अभिनंदन किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने राज्यपाल महोदय का हार्दिक स्वागत किया और उन्हें गुजरात एवं महाराष्ट्र स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं।

राजभवन में आयोजित इस समारोह में गुजरात और महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया। उपस्थित समाज बंधुओं ने दोनों राज्यों की संस्कृति, परंपराओं और भाषा के प्रति अपनी गहरी आस्था और प्रेम प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम में गुजराती और मराठी समुदाय के प्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने अपने-अपने राज्यों की स्थापना के इतिहास और विकास यात्रा को याद किया।

इस अवसर पर तेलंगाना में रह रहे गुजराती और महाराष्ट्रीयन प्रवासियों ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए अपनी मूल भूमि से जुड़ाव को दर्शाया।

समारोह में दोनों राज्यों की लोकसंस्कृति, कला और परंपराओं को सहेजने एवं संजोए रखने के संकल्प भी लिए गए।

कार्यक्रम का संचालन सुचारु रूप से संपन्न हुआ और उपस्थित सभी अतिथियों ने इस अवसर को यादगार बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, सभी के सहयोग से संभव : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर समाज में सेवा और सहयोग का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और यह तभी संभव है जब सभी का सहयोग और सामूहिक सहभागिता मिलती रहे। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप लगातार इसी भावना के साथ समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, तेज प्रकाश अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदूजा, उमाकांत गुप्ता सहित कई सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

आज की सेवा सेठ नानूराम चिड़ियावाले की ओर से की गई। इस दौरान मनीषा, चेष्टा, यश्विता और कृष्णा भी उपस्थित रहकर सेवा कार्य में सहभागी बने।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य हिन्दू सम्मेलन आज

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दू सम्मेलन समिति के अध्यक्ष श्री गोकुलचन्द उपाध्याय ने आगामी हिन्दू सम्मेलन के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया जा रहा है और इसका उद्देश्य सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः दृढ़ करना है।

श्री उपाध्याय ने बताया कि कार्यक्रम रविवार, 03 मई 2026 को सायं 5:00 बजे ज्ञानबाग कालोनी, जी.बी.सी. कम्युनिटी हाल, भाग्यनगर में प्रारंभ होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक समरसता को मजबूत करना और सभी नागरिकों में राष्ट्रीय चेतना का संदेश फैलाना है।

उन्होंने आगे बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि अच्युत रामानुजाचार्य (अजय महाराज), मठाधिपति, श्री जगन्नाथ मठ, सीताराम बाग होंगे, जबकि मुख्य वक्तव्य श्री गरुडा विजय कुमार, भाग्यनगर विभाग भौदिक प्रमुख द्वारा दिया जाएगा। सुश्री गायत्री लता गजानंद लोहकारे, पूर्णकालिक प्रचारिका एवं संगठन मंत्री, चिखमंगले सभा, भाग्यनगर भी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

श्री उपाध्याय ने सभी नागरिकों से परिवार सहित भाग लेकर कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने की अपील की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार, गौ पूजन, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामाजिक एकता का संदेश शामिल रहेगा। भोजन प्रसादी रात्रि 8:00 बजे से वितरित की जाएगी।

हिन्दू सम्मेलन समिति सभी धर्मप्रेमियों को इस ऐतिहासिक आयोजन में उपस्थित होकर इसे भव्य सफल बनाने के लिए हार्दिक आमंत्रण देती है।

कॉनकोर की रीफर कंटेनर ट्रेन – 'औषधि एक्सप्रेस' का शुभारंभ

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार दि. 2 मई 2026 को इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी), सनतनगर से पहली रेफ्रिजेरेटेड (रीफर) कंटेनर रेक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उनके साथ कॉनकोर (कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय स्वरूप भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में श्रीमती के. पद्मजा (पीसीओएम/एस-सीआर), श्रीमती इति पांडे (पीसीसीएम/एससीआर), श्री आर. गोपालकृष्णन (डी आर एम, सिकंदराबाद मंडल) सहित रेलवे, कॉनकोर और मेर्स्क के वरिष्ठ अधिकारी, लॉजिस्टिक्स पार्टनर और प्रमुख हितधारक भी मौजूद रहे। औषधि एक्सप्रेस के रूप में ब्रांडेड यह रेफ्रिजेरेटेड (रीफर) कंटेनर सेवा कॉनकोर द्वारा जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (जेएनपीटी) तक संचालित की जा रही है। यह सेवा विशेष रूप से जीवन रक्षक दवाओं और अन्य तापमान-संवेदनशील कार्गो के सुरक्षित परिवहन के लिए डिज़ाइन की गई है। इस खेप को उन्नत रीफर कंटेनरों में ले जाया जा रहा है, जो पूरी यात्रा के दौरान निर्बाध शीतलन (कूलिंग) सुनिश्चित करने के लिए डीजल पावर पैक से लैस हैं।

यह रीफर रेक सेवा कोल्ड-चेन कनेक्टिविटी को मजबूत करने और भारत की फार्मास्युटिकल आपूर्ति शृंखला की दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मेर्स्क लाइन के साथ रणनीतिक साझेदारी, जो उच्च गुणवत्ता वाले रीफर कंटेनर प्रदान कर रही है, आईसीडी सनतनगर की कोल्ड-चेन लॉजिस्टिक्स क्षमताओं को और अधिक सुदृढ़ करती है।

हैदराबाद भारत के सबसे बड़े फार्मास्युटिकल केंद्रों में से एक है और इसे अक्सर भारत की फार्मा राजधानी कहा जाता है। हैदराबाद के प्रमुख फार्मा क्षेत्रों में जीनोम वैली (तुर्कापल्ली में स्थित एक प्रमुख आरएंडडी हब), जीदीमेटला औद्योगिक क्षेत्र, पाटनचेरु (एक औद्योगिक फार्मा क्षेत्र) और मुचेरला शामिल हैं। हैदराबाद-जेएनपीटी कॉरिडोर तेलंगाना के औद्योगिक क्षेत्रों और भारत के सबसे व्यस्त बंदरगाहों में से एक के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है और इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में मदद करता है।समर्पित रीफर रेक सेवाओं की शुरुआत से पारगमन समय कम होने, लॉजिस्टिक्स लागत घटने और निर्यातकों व घरेलू वितरकों के लिए आपूर्ति शृंखला की विश्वसनीयता में सुधार होने की उम्मीद है।

गो सम्मान आह्वान अभियान की विशेष बैठक सम्पन्न

–गौवंश संरक्षण को लेकर संत–समाज ने की केंद्र सरकार से कड़ी मांग

–गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने व गोसेवा मंत्रालय बनाने का आह्वान

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जलाराम बापा मंदिर, बड़ी चावड़ी में गो सम्मान आह्वान अभियान एवं गो रक्षा के संदर्भ में एक विशेष बैठक आर.एस.एस. अखिल भारतीय गो सेवा सहसंयोजक नवल किशोर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में गौवंश के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए समाज–आधारित गौवृत्ति परिवार की स्थापना को समय की आवश्यकता बताते हुए विस्तृत चर्चा हुई।

गौ–आधारित अर्थव्यवस्था पुनर्जीवित करने की जरूरत

अखिल भारतीय सहसंयोजक, गौ सेवा गतिविधि श्री नवल किशोर जी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि गौवंश आधारित अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करना देश के समग्र विकास से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में केवल लगभग 15 प्रतिशत गायें ही किसानों द्वारा पाली जा रही हैं, जबकि शेष 85 प्रतिशत का पालन गौशालाओं में सरकार और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से किया जा रहा है। सरकारें इस पर भारी बजट खर्च कर रही हैं, लेकिन गोपालन मूलतः समाज की जिम्मेदारी होनी चाहिए। भारतीय समाज में गाय को सदैव सम्मान और आस्था का प्रतीक माना गया है, लेकिन वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। यह न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी देश के लिए शुभ संकेत नहीं है।

श्री नवल किशोर जी ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि प्राचीन काल में गाय भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी रही है। ऋषि विश्वामित्र के समय से स्थापित यह व्यवस्था हजारों वर्षों तक मजबूत रही, लेकिन औपनिवेशिक काल में इसे कमजोर करने के प्रयास किए गए। 1857 की क्रांति के बाद अंग्रेजों द्वारा कराए गए सर्वेक्षणों में भारतीय शिक्षा प्रणाली में बदलाव, भूमि अधिग्रहण कानूनों के क्रियान्वयन और गौ–आधारित अर्थव्यवस्था को समाप्त करने जैसी सिफारिशें शामिल थीं। इसी नीति के तहत भारतीयों को गौवंश से दूर करने के प्रयास हुए, कृषि में मशीनीकरण और रासायनिक खादों को बढ़ावा दिया गया तथा गौमांस के उपभोग को प्रोत्साहित किया गया। इसके परिणामस्वरूप पारंपरिक कृषि प्रणाली कमजोर हुई और भूमि की उर्वरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। गौपालन में गिरावट के कारण किसानों की लागत बढ़ी है और रासायनिक खादों पर निर्भरता बढ़ी है, जिससे भूमि बंजर होने का खतरा बढ़ रहा है।

श्री नवल किशोर जी ने सुझाव दिया कि गौवंश के संरक्षण के लिए ऐसे लोगों को तैयार किया जाए जो गौ–आधारित उत्पादों जैसे जैविक खाद, पंचगव्य उत्पाद आदि का उत्पादन और विपणन कर सकें। इसके लिए नगर, जिला और विकासखंड स्तर पर संगठित टोली बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में गाय का विशेष स्थान है। गोपाष्टमी जैसे पर्व इसका प्रमाण हैं, जब पूरे देश में गौपूजा की जाती है। गौसंरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए गौपूजा, गौकथा और जनजागरण कार्यक्रमों के आयोजन पर बल दिया जाए।

समाज–संगठनों की भागीदारी व अभियान की रूपरेखा

लव फॉर काऊ फाउंडेशन एवं गोवत्स फाउंडेशन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ती में रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि महीने के आखिरी गुरुवार के दिन गुरुवार दिनांक 30 अप्रैल 2026 को सांय 4.30 बजे से श्री जलाराम मंदिर में श्री हैदराबाद लोहाणा समाज द्वारा सुंदरकांड, आरती, महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने भाग लिया।

तत्पश्चात गो सम्मान आह्वान अभियान एवं गोरक्षा के संदर्भ में एक विशेष बैठक का आयोजन नगर पधारे आर.एस.एस. अखिल भारतीय गो सेवा सहसंयोजक नवल किशोर की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

इस अवसर पर जसमत पटेल ने कहा कि गत सोमवार दिनांक 27 अप्रैल 2026 को भारत वासियों, गोप्रेमियों के माध्यम से सम्पूर्ण भारत वर्ष के मंडलों में माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, सभी राज्यों के माननीय राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम से मंत्री, जिलाधीश, तहसीलदार, ब्लॉक अधिकारी तथा विभिन्न महानुभावों से भेट कर उनको गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत गौमाता को राष्ट्रमाता / राष्ट्र आराध्या का संवैधानिक दर्जा दिलाने, केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय की स्थापना एवं एकीकृत केंद्रीय कानून निर्माण हेतु ज्ञापन सौंपा गया।

जसमत पटेल ने मंत्री से कहा कि गो सम्मान आह्वान अभियान के मुख्य उद्देश्य हैं कि केंद्र सरकार और देश की सभी राज्य सरकारों से राष्ट्र और भारतीय संस्कृति के हित में संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से प्रार्थना कर गो माता को (1) सेवा – गो माता को उचित अनुसंधान और अनुदान मिले, (2) सुरक्षा – भारत से गोहत्या पूरी तरह समाप्त हो, (3) सम्मान – गो माता राष्ट्र माता (राष्ट्रदेव, राष्ट्र आराध्या, राष्ट्र धरोहर, राष्ट्र आधार बने) का मौलिक अधिकार प्रदान करवाना।

जसमत पटेल ने आगे कहा कि सरकार से मुख्य आग्रह है कि (1) गोमाता को राष्ट्र माता, राष्ट्र आराध्या, राष्ट्र धरोहर अथवा राष्ट्र आधार का सम्मानित पद प्रदान करें (गो माता को सम्मान मिले), (2) गो सेवा हेतु केंद्रीय कानून बनें, जिससे संपूर्ण भारत वर्ष में समान रूप से गो सेवा हो सके, (3) भारत वर्ष में गो हत्या पूरी तरह समाप्त हो, जिससे गो माता पूर्णतः सुरक्षित हो।

रिद्धीश जगीरदार ने कहा कि देशभर में गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत देश में लगभग 780 जिलों में प्रत्येक जिला स्थल पर 3 संत और 3 गौप्रेमी कार्यकर्ता जुड़े, जो जिले के अन्य गौ प्रेमी संतों और गौरक्षकों को जोड़ा और अपने–अपने क्षेत्र के तहसीलदार, एम.आर.ओ. आदि को ज्ञापन सौंपे।

यह अभियान किसी राजनैतिक दल, संगठन, अथवा केंद्र या राज्य सरकार के विरुद्ध नहीं है, अपितु यह गौ माता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति समर्पित है। गोवंश की वर्तमान पीड़ादायक स्थिति को देखते हुए अभियान के माध्यम से समाधान हेतु निम्नलिखित आग्रह महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, माननीय मुख्यमंत्री, महामहिम राज्यपाल के नाम से प्रेषित किए गए।

कानूनी प्रावधान व गौशालाओं के लिए विशेष मांगें

मुरली मनोहर पलोड ने कहा कि सरकार से कानून संबंधीत मुख्य आग्रह है कि (1) गो हत्यारों, गो तस्करी में लिप्त अपराधियों के लिए आजीवन कठोर कारावास जैसी सजा का प्रावधान हो, (2) गो तस्करी में उपयोग आने वाले वाहनों की जब्ती होने पर जमानत न हो व सदा के लिए राजसात हो और उन्हें नीलाम किया जाए अथवा गोशालाओं को उपयोग हेतु सौंप दिया जाए, (3) कंपनियों के सीएसआर फंड में से एक निश्चित राशि गो सेवा से जुड़े कार्यों हेतु खर्च करने की अनिवार्यता लागू हो, (4) पशु मेले के नाम पर हो रही अवैध गो तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु केंद्रीय कानून बनें।

उन्होंने गौशाला संबंधित मुख्य आग्रह की जानकारी देते हुए कहा कि (1) भारत के प्रत्येक प्रांत में कम से कम एक गो अभ्यारण्य उपयुक्त वन भूमि या गोचर भूमि पर खोला जाए, (2) प्रत्येक ग्राम पंचायत पर निराश्रित नर गोवंश के लिए नंदीशाला की स्थापना हो, (3) गौशालाओं को मनरेगा से जोड़ा जाए, ताकि गौशाला में काम करने वाले लोगों को 100 दिन का ग्वाल वेतन मनरेगा से प्राप्त हो एवं मनरेगा योजना के तहत गौशालाओं में निर्माण कार्य हों, (4) संपूर्ण देश में गोवंश संख्या के आधार पर गौशालाओं को एक निश्चित बिजली यूनिट निःशुल्क आवंटित हो अथवा बिजली बिल में एक निश्चित छूट मिले, (5) अधिक दान प्राप्त करने वाले सरकारी नियंत्रण में चल रहे मंदिरों के साथ गौशाला संचालन अनिवार्य किया जाए।

बैठक में उपस्थित प्रमुख गणमान्य

इस अवसर पर लव फॉर काऊ फाउंडेशन चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, गोवत्स फाउंडेशन अध्यक्ष मुरली मनोहर पलोड, भद्रीविशाल लोया, भारतीय प्राणीमित्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसराज श्रीश्रीमाल, टी.टी.डी धर्म प्रचार बोर्ड के पूर्व सदस्य स्वामी कमलेश महाराज, आर.एस.एस. तेलंगाना प्रांत प्रचारक नीवासजी, राजस्थानी ग्रेजुएट्स एसोसिएशन के डॉ. मोहन गुप्ता, भगवान महावीर जैन रिलीफ फाउंडेशन के चेयरमैन निर्मल सिंघवी, अग्रवाल समाज तेलंगाना गोसेवा समिति की संयोजिका मोनिका अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, शिल्पा अग्रवाल, श्री कच्छ लेवा वागड़ पाटीदार समाज के अध्यक्ष धनजीभाई पटेल, लोहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल गौशाला दर्शन अग्रवाल, विश्वमंगल गोशाला के सदस्य शांतिलाल सुथार, श्री हैदराबाद लोहाणा समाज के राजेश रामाणी, मुकेश बदियानी, जितेन मजेठीया, बीजेपी नेता सतीश जाजु, आनंद बोहरा ठाकरे आदि उपस्थित थे।

अन्नदान के जरिए मानवता की मिसाल मोहित अग्रवाल ने दिया सहयोग का संदेश

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर गौशाला के पास शनिवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का संदेश दिया गया।

इस मौके पर मोहित अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कर रहा है। उन्होंने कहा कि अन्नदान जैसी सेवा से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और जरूरतमंदों की मदद करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से इस पुनीत कार्य में सहयोग करने का आह्वान भी किया।कार्यक्रम में जगन नारायण अग्रवाल, मीना अग्रवाल, लता गोयल, रेनू गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, स्वास्ति अग्रवाल, मोहित अग्रवाल एवं अनिल धरसुवाले सहित कई सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई।

नवजात शिशुओं को भीषण गर्मी से राहत: 'सेवा परमो धर्म' संस्था ने गांधी अस्पताल में भेंट किए चार कूलर

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नर सेवा ही नारायण सेवा के मूल मंत्र को साकार करते हुए सेवा परमो धर्म संस्था ने मानवता की सेवा में एक और सराहनीय पहल की है। संस्था द्वारा शनिवार को स्थानीय गांधी अस्पताल के डिलीवरी वार्ड (प्रसूति कक्ष) में 4 नए कूलर भेंट किए गए, जिससे भीषण गर्मी के बीच नवजात शिशुओं और उनकी माताओं को राहत मिल सके। गर्मी के बढ़ते प्रकोप को ध्यान में रखते हुए संस्था के सदस्यों ने यह विशेष कदम उठाया। कार्यक्रम के दौरान कूलरों को वार्ड में स्थापित किया गया, जिससे वहाँ भर्ती महिलाओं और उनके परिजनों को तुरंत राहत का अनुभव हुआ। अस्पताल प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए संस्था का आभार व्यक्त किया। प्रबंधक ने कहा कि डिलीवरी वार्ड में कूलरों की अत्यंत आवश्यकता थी और इस सहयोग से नवजात शिशुओं को गर्मी से सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने संस्था की संवेदनशीलता और तत्परता की प्रशंसा की।

कार्यक्रम के अंत में संस्था की सदस्य शीतल पवार ने सभी सहयोगियों एवं अस्पताल प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह एक छोटा सा प्रयास है और संस्था भविष्य में भी जनहित के ऐसे कार्य निरंतर करती रहेगी। इस अवसर पर संस्था के सदस्य एवं अस्पताल स्टाफ मौजूद रहे।

एस.डी. सिग्नोदिया कॉलेज में एमबीए विभाग का भव्य बिदाई समारोह आयोजित

प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने द्वितीय वर्ष को दी भावभीनी विदाई

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एस. डी. सिग्नोदिया कॉलेज के एम. बी. ए. विभाग में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा विभाग के कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रारंभ से यह प्रथा रही है कि जब द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी अपना तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा के पश्चात चतुर्थ सेमेस्टर हेतु परीक्षा देने जाते हैं, उसके पहले उन्हें प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा कॉलेज से सम्मानपूर्वक बिदा किया जाता है। उसी प्रकार द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी भी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के कॉलेज में प्रवेश करने के पश्चात फ्रेशर कार्यक्रम का आयोजन करते हैं, जिससे दोनों वर्ष के विद्यार्थियों का आपस में समन्वय हो।

कार्यक्रम का आरंभ माँ सरस्वती की पूजा कर दीप प्रज्वलित कर किया गया। मंच पर कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल, निदेशिका प्रोफेसर पल्लवी के. रंगनाथ, सहायक प्रोफेसर सत्यजीत सिंह, वेंकटेश, रश्मिता, पद्मजा तथा लाइब्रेरियन सीनू उपस्थित थे। निदेशिका प्रोफेसर पल्लवी रंगनाथन ने द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ प्रदान करते हुए परीक्षा में अच्छे अंक लाकर अपना, परिवार, एम. बी. ए. विभाग, कॉलेज तथा अग्रवाल शिक्षा समिति का नाम उजागर करने हेतु प्रेरित किया।

अपने संबोधन में कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने एम. बी. ए. एवं एम. सी. ए. विभाग द्वारा सेडमल हॉल में आयोजित रजत जयंती समारोह की अभूतपूर्व सफलता हेतु सभी विद्यार्थियों, प्रधानाचार्य, टीचिंग एवं नॉन–टीचिंग स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए पुरस्कार विजेताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के जीवन की यह सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होती है, जिसमें उन्हें अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेना पड़ता हैकोई बड़ी कंपनी में नौकरी करता है, कोई निजी व्यापार करता है, कोई औद्योगिक क्षेत्र में जाता है, तो कोई बैंक या अन्य प्रतिष्ठानों में कार्य करता है। कुछ विद्यार्थी प्रोफेसर बनकर शिक्षा क्षेत्र में योगदान देना चाहते हैं, तो कुछ खेल एवं अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ते हैं।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस समय अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर उसी दिशा में निरंतर प्रयास करना चाहिए, तभी वे सफलता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने विद्यार्थियों को आगामी परीक्षा में सभी विषयों में उत्कृष्ट (आउटस्टैंडिंग) ग्रेड प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के दो वर्ष के कार्यकाल के आधार पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसमें विश्वनाथ को प्रथम तथा मधुसूदन को द्वितीय मिस्टर सिग्नोदिया तथा प्रिया सेन को प्रथम एवं पूजा मलानी को द्वितीय मिस सिग्नोदिया चुना गया।

कार्यक्रम में एम. बी. ए. के कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल, निदेशिका प्रोफेसर पल्लवी के. रंगनाथ, सहायक प्रोफेसर सत्यजीत सिंह ठाकुर, वेंकटेश, रश्मिता, पद्मजा, लाइब्रेरियन सीनू, ऑफिस इंचार्ज मनोज, सुनयना तथा अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

सोमाजीगुड़ा स्थित प्रणावा–1 में कमलेश जी महाराज के मुखारविंद से सुंदर कांड परायण का आयोजन रमेश कुमार बंग (पुर्व : चेयरमैन – महेश बैंक) द्वारा बंग निवास पर किया गया । इस अवसर पर श्रीगोपाल बंग, हरिकिशन बंग, पुरषोत्तम असावा, शशिकांत सोनी, कन्हैयालाल सारडा, राजेश करवा (अत्तापुर) एवं अन्य उपस्थित थे।

महाश्रमणोस्तु मंगलम् 3.0 एवं तेरस धम्म जागरण भक्ति संध्या का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद द्वारा परम पूज्य युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के 53वें दीक्षा दिवस (युवा दिवस) के पावन अवसर पर महाश्रमणोस्तु मंगलम् 3.0 एवं तेरस धम्म जागरण भक्ति संध्या का भव्य आयोजन किया गया। यह आध्यात्मिक कार्यक्रम श्री विमल जी – प्रेम जी दूगड़ के अतिथि गृह प्रशंसा, हिमायत नगर (स्ट्रीट संख्या 4) में अत्यंत श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद के सदस्यों द्वारा नमस्कार महामंत्र के मंगलमय उच्चारण के साथ हुआ, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिकता का संचार हुआ।

इसके पश्चात भक्ति संध्या के अंतर्गत भिक्षु प्रज्ञा मंडली द्वारा सुमधुर एवं भावपूर्ण भजनों की मनोहारी प्रस्तुति दी गई। इन भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति, साधना एवं आत्मिक आनंद के दिव्य भावों से ओत-प्रोत कर दिया।

इस पावन अवसर पर पूज्य मुनि श्री दीप कुमार जी एवं मुनि श्री काव्य कुमार जी का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। उनके प्रेरणादायक सान्निध्य में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने भजनों के माध्यम से गुरुदेव के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा एवं भक्ति भावों को अभिव्यक्त किया।

कार्यक्रम में तेरापंथ युवक परिषद के पदाधिकारी एवं सदस्यगण, भिक्षु प्रज्ञा मंडली, श्रावक-श्राविकाएं तथा युवाओं की उत्साहपूर्ण एवं सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने एकजुट होकर आचार्य श्री भिक्षु के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की तथा आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया।

यह आयोजन न केवल भक्ति और साधना का संगम रहा, बल्कि समाज में आध्यात्मिक जागृति एवं एकता का प्रेरणास्रोत भी बना।

राजेंद्रनगर पत्रकार क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न गड्डे यादगिरी की टीम बनी विजेता

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजेंद्रनगर निर्वाचन क्षेत्र पत्रकार क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन विजयानंद स्टेडियम, शिवरामपल्ली में शुक्रवार को सुबह 6 बजे से शाम तक सुहावने मौसम के बीच उत्साहपूर्वक किया गया। दर्शकों के लिए यह टूर्नामेंट एक शानदार अनुभव रहा।

टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में गड्डे यादगिरी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। गड्डे यादगिरी को उनके उत्कृष्ट खेल के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। वहीं वर्कला चंदू की टीम उपविजेता रही। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैलारदेवलपल्ली के पूर्व पार्षद एवं भाजपा नेता तोकला श्रीनिवास रेड्डी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

डीसीपी एस श्रीनिवास ने अपने संबोधन में कहा, पत्रकारों की खेल भावना सराहनीय है। खेल मानसिक उत्साह के साथ लोगों के बीच मैत्रीपूर्ण वातावरण को बढ़ाते हैं। इस प्रकार के टूर्नामेंट खेल भावना को प्रोत्साहित करते हैं, जिसके लिए राजेंद्रनगर के पत्रकार बधाई के पात्र हैं।कार्यक्रम के अंत में डीसीपी एस श्रीनिवास ने विजेताओं को पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए। इस अवसर पर एसीपी तुला श्रीनिवास, इंस्पेक्टर नागेश्वर राव, इंस्पेक्टर मुथु यादव, बंदोबस्ती विभाग के श्रीनिवास गौड़, पवन भारती सहित अनेक वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे।

देवघर में संगीतमय रामचरितमानस का आयोजन 31 मई से

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बाबा बैद्यनाथ धाम में 31 मई से संगीतमय रामचरितमानस का धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम श्री सारडा बंधु के सान्निध्य में सम्पन्न होगा।

इस आयोजन की व्यवस्था का अवलोकन करने हेतु सारडा बंधु हैदराबाद से देवघर रवाना हुए। कार्यक्रम के दौरान भक्तों को रामचरितमानस के संगीतमय पाठ के माध्यम से आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त होगा।

आयोजन समिति ने बताया कि इस अनुष्ठान का उद्देश्य समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना है। बाबा बैद्यनाथ धाम में होने वाला यह कार्यक्रम श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

बुद्ध पूर्णिमा पर 'गीत चाँदनी' का भव्य कवि सम्मेलन, विश्व शांति और राष्ट्रीय एकता के स्वर गूंजे

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय एवं सक्रिय साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर 45वें वर्ष के 7वें मासिक कवि सम्मेलन का आयोजन भव्य एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन नेकलेस रोड स्थित श्री संजीव आंजनेय स्वामी मंदिर के पवित्र प्रांगण में डॉ. भीमराव आंबेडकर की विशाल प्रतिमा के समक्ष विश्व शांति एवं राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन के रूप में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रख्यात साहित्यकार, अनुवादक एवं कवि जी. परमेश्वर ने गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर प्रभावशाली एवं विचारोत्तेजक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि अहिंसा, करुणा, मध्यम मार्ग और आत्म-जागरूकता जैसी बुद्ध की शिक्षाएँ आज के समय में मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो व्यक्ति दुःखों से मुक्ति और शांति की खोज में है, उसे बुद्ध के सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र की अध्यक्षता गृह मंत्रालय, भारत सरकार के राजभाषा विभाग के सहायक निदेशक श्री अनुप कुमार ने की, जबकि संपूर्ण कवि सम्मेलन की अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने की। संचालन संस्था के कार्यदर्शी, 'गोलकोण्डा दर्पण' के संपादक एवं कवि गोविंद अक्षय ने कुशलतापूर्वक किया। उन्होंने संस्था की गतिविधियों तथा बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में नगरद्वय में आयोजित विभिन्न कवि सम्मेलनों की जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री संजीव आंजनेय स्वामी की पूजा-अर्चना एवं आरती से हुआ। इस अवसर पर देश की एकता, विश्व-शांति और समृद्धि के लिए विशेष प्रार्थना की गई। कवयित्री आशा ठाकुर ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को आध्यात्मिकता से ओतप्रोत कर दिया। विशिष्ट अतिथियों में श्री के. एल. श्रीनिवास राव, अंजनी कुमार गोयल एवं श्री अशोक बसवा की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंदिर के पूज्य पंडित गुण्डय्या स्वामी ने मंदिर के निर्माण एवं विकास में स्वर्गीय नामदेव जी तथा श्री विश्वेश्वर राव एवं श्री बी. मुरली के योगदान को सराहा।

अपने संबोधन में श्री के. एल. श्रीनिवास राव ने कवियों द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रीय एकता एवं विश्व-शांति केंद्रित रचनाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की। वहीं श्री अशोक बसवा ने गीत चाँदनी की साहित्यिक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था के कवियों में देशभक्ति की भावना कूट-कूटकर भरी हुई है।

कवि सम्मेलन में प्रस्तुत कविताओं ने श्रोताओं के हृदय को स्पंदित कर दिया। कवियों ने देश की समसामयिक परिस्थितियों, आतंकवाद, विश्व शांति, सद्भावना एवं राष्ट्रप्रेम जैसे विषयों पर मार्मिक गीत, ग़ज़लें, हास्य-व्यंग्य एवं नवीन कविताओं का पाठ कर वातावरण को भावविभोर कर दिया। कविता पाठ करने वाले प्रमुख कवियों में गोविंद अक्षय, राजकुमार यादव, पूनम जोधपुरी, चंपालाल बैद, अनिल कुमार गुप्ता, जी. परमेश्वर, अंजनी कुमार गोयल, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, हर्षलता दुधोडिया, आशा ठाकुर, नागेश्वर राव, अनुप कुमार, सत्यनारायण काकड़ा, पुष्पा वर्मा, विजयलक्ष्मी बसवा आदि शामिल रहे।

अध्यक्षीय वक्तव्य में श्री अनुप कुमार ने कहा कि गौतम बुद्ध ने विश्व-शांति के संदेश को फैलाने हेतु अपने शिष्यों को विभिन्न देशों में भेजा, जिससे भारतीय संस्कृति एवं शांति का विस्तार हुआ। आज के वैश्विक परिदृश्य में, जब विश्व युद्ध जैसी आशंकाएं मंडरा रही हैं, तब बुद्ध के संदेश ही शांति स्थापना का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

चेन्नई अमीरता इंटरनेशनल एविएशन कॉलेज में एयर एशिया का भर्ती अभियान: छात्रों के लिए वैश्विक करियर के खुले द्वार

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): विमानन उद्योग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित करते हुए, एयर एशिया ने चेन्नई अमीरता इंटरनेशनल एविएशन कॉलेज में एक भव्य भर्ती अभियान आयोजित किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक प्रशिक्षण और विमानन उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करना है। यह सहयोग छात्रों को विमानन क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर करियर बनाने और खुद को सशक्त बनाने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है। यह भर्ती अभियान न केवल छात्रों के लिए रोजगार के अवसर लाया है, बल्कि उद्योग और शिक्षा जगत के बीच तालमेल को भी मजबूत किया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को विमानन उद्योग की बारीकियों को समझने और सीधे एयर एशिया जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के साथ जुड़ने का मौका मिला। शुक्रवार को चेन्नई अमीरता इंटरनेशनल एविएशन कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम में चेन्नई अमीरता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष श्री भूमिनाथन के साथ एयर एशिया के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। चेन्नई अमीरता और एयर एशिया के बीच यह साझेदारी छात्रों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण और वास्तविक कार्य अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अभियान के तहत चयनित होने वाले छात्रों को एयरलाइन परिचालन की आधुनिक तकनीकों और अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ काम करने का अवसर मिलेगा।

मई में सामान्य से अधिक बारिश होगी कश्मीर में

मार्च और अप्रैल सूखे को 24% ही कम कर पाए

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 2 मई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मई में जम्मू कश्मीर के लिए सामान्य से अधिक बारिश और सामान्य से कम तापमान का अनुमान लगाया है, जो गर्मी के मौसम की ठंडी और गीली शुरुआत का संकेत देता है। इतनाजरूर था कि मार्च और अप्रैल में पर्याप्त वर्षा ने असाधारण शुष्क सर्दियों के बाद वसंत ऋतु के लिए जम्मू कश्मीर में वर्षा की कमी को 24 प्रतिशत तक जरूर कम कर दिया है।

नवीनतम दृष्टिकोण के अनुसार, कश्मीर सहित केंद्र शासित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, पूरे महीने बारिश के लगातार दौर और बादलों के बढ़ने की संभावना है। अधिकतम तापमान मौसमी औसत से नीचे रहने का अनुमान है, जो सामान्य मई पैटर्न की तुलना में अपेक्षाकृत हल्के दिन की स्थिति का सुझाव देता है। जबकि मौसम विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि मार्च और अप्रैल में जम्मू संभाग में 18 प्रतिशत की कमी के साथ लगभग सामान्य बारिश दर्ज की गई, जबकि कश्मीर संभाग में 31 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जिसे कमी के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

वसंत ऋतु में सुधार नवंबर से फरवरी तक सर्दियों के भीषण शुष्क दौर के बाद आता है, जब क्षेत्र में 68 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज की गई थी – जिसे बड़ी कमी के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

उस अवधि के दौरान जम्मू कश्मीर संभागों में क्रमशः 69 प्रतिशत और 67 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई थी। आंकड़ों के बकौल, मार्च और अप्रैल के बीच, जम्मू में सामान्य 229.74 मिमी के मुकाबले 188.25 मिमी बारिश हुई। जबकि कश्मीर में सामान्य बारिश 238.48 मिमी की तुलना में 162.7 मिमी दर्ज की गई।

मौसम संबंधी वर्गीकरण के तहत, माइनस 19 प्रतिशत और प्लस 19 प्रतिशत के बीच वर्षा को सामान्य माना जाता है, जबकि माइनस 20 प्रतिशत और माइनस 59 प्रतिशत के बीच की कमी ष्कमीष् श्रेणी में आती है। शून्य से 60 प्रतिशत से अधिक की किसी भी चीज को बड़ा घाटा कहा जाता है।

कश्मीर में, अधिकांश जिले घाटे की श्रेणी में रहे, जिनमें अनंतनाग (–46 प्रतिशत), बडगाम (–40 प्रतिशत), बांडीपोरा (–27 प्रतिशत), कुलगाम (–52 प्रतिशत), पुलवामा (–32 प्रतिशत) और श्रीनगर (–27 प्रतिशत) शामिल हैं।

शोपियां में –71 प्रतिशत की भारी कमी दर्ज की गई, जिससे यह बड़े घाटे की श्रेणी में आ गया। इसी तरह से बारामुल्ला (–13 प्रतिशत), गांदरबल (–7 प्रतिशत) और कुपवाड़ा (–10 प्रतिशत) में सामान्य के करीब बारिश दर्ज की गई। अगर जम्मू संभाग की बात करें तो कठुआ में –61 प्रतिशत की कमी देखी गई, जिससे यह बड़े घाटे की श्रेणी में आ गया।

डोडा (–31 प्रतिशत), जम्मू (–23 प्रतिशत), किश्तवाड़ (–33 प्रतिशत), रामबन (–24 प्रतिशत) और उधमपुर (–32 प्रतिशत) सहित अन्य जिले घाटे में रहे।

बालाजी नगर लक्ष्मी गुडा में नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह आज

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर, लक्ष्मी गुडा में रविवार दि. 3 मई को नवनिर्मित मंदिर श्री उमा महेश्वर हनुमान जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर जगन्नाथ द्वारा खाकी अखाड़ा मठ के पीठाधीश्वर अमृत दास खाकी को मंदिर शिखर ध्वजा पूजन हेतु निमंत्रण पत्र भेंट किया गया।कार्यक्रम में यज्ञाचार्य पंडित काशीराम शर्मा सहित सुनील कुमार पाण्डेय, विजय कुमार तोतला, सुरेश चारण, लक्ष्मीकांत द्विवेदी, ओमकार वामने एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहेंगे।

आयोजकों ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

अग्रवाल समाज मैरेज डाटा कमेटी की 36वीं बैठक आज

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष हरि गोविंद अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अग्रवाल समाज मैरेज डाटा कमेटी की 36वीं बैठक कल रविवार, 3 मई को अग्रवाल समाज कार्यालय (तीसरी मंजिल, राघव रतना टावर, एबिड्स) में आयोजित की जाएगी।

उन्होंने अग्रबंधुओं से निवेदन किया है कि वे विवाह योग्य लड़के-लड़कियों के बायोडाटा समाज में जमा करवा सकते हैं। साथ ही, इच्छुक परिवार योग्य बायोडाटा समाज से प्राप्त भी कर सकते हैं और इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।उन्होंने बताया कि इस कमेटी के चेयरमैन अजय अग्रवाल एवं कन्वीनर सतीश कुमार अग्रवाल हैं, जो बैठक में उपस्थित रहकर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।समाज के सभी सदस्यों से बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की गई है।

पारीक मंदिर, कोलसावाड़ी में अनिल जायलवाल को उनकी कार्यक्षमता एवं समाज को पुनः संगठित करने में उल्लेखनीय योगदान के लिए राजस्थानी उत्सव फाउंडेशन द्वारा शाल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रामदेव नागला, मोहनलाल पंडित, संतोष व्यास, संदीप जायलवाल, नरेश पांडिया, पवन व्यास एवं अमर जायलवाल सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे और उन्होंने अनिल जायलवाल के कार्यों की सराहना की।

नामपल्ली पब्लिक गार्डन में राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान सेवा

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास शनिवार को नियमित अन्नदान (अनुदान) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने सेवा को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि ऐसे नियमित प्रयास समाज में सहयोग और करुणा की भावना को मजबूत करते हैं। राधे-राधे ग्रुप लगातार इस प्रकार के सामाजिक कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रविंद्र शर्मा, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया एवं युवान केडिया सहित कई सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

व्हिप सरकार के 'आंख और कान' हैं : सीएम रेवंत रेड्डी

प्रशासन और जनता के बीच मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करें व्हिप; मुख्यमंत्री ने की जनसमस्याओं की समीक्षा

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि सरकारी व्हिप प्रशासन के ''आंख और कान'' के रूप में कार्य करते हैं और जनसमस्याओं के समाधान में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां एमसीआरएचआरडी में विधानसभा और परिषद के व्हिप के साथ आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य भर के प्रमुख सार्वजनिक मुद्दों की समीक्षा की।

गर्मी और धान खरीद की चुनौतियों पर चर्चा

बैठक के दौरान व्हिपों ने मुख्यमंत्री को ग्रीष्मकाल के मद्देनजर अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पीने के पानी और सिंचाई की जरूरतों के साथ-साथ धान खरीद की प्रगति के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने और इससे संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने व्हिपों को निर्देश दिया कि वे जनता के साथ निकटता से जुड़े रहें और नियमित आधार पर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करें।

प्रशासन को सतर्क रहने और जनसंपर्क बढ़ाने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने सलाह दी कि समस्याओं का समय पर निवारण सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय जिला प्रशासन को सतर्क रखा जाए।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुँचाया जाए और लोगों में यह विश्वास जगाया जाए कि सरकार उनकी चिंताओं पर तुरंत प्रतिक्रिया देगी।

उन्होंने सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करने का भी सुझाव दिया और व्हिपों को जनता की शिकायतों पर उन्हें लगातार अपडेट देने का निर्देश दिया।

जमीनी स्तर के मुद्दों के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे उपलब्ध

रेवंत रेड्डी ने आश्वासन दिया कि वह जमीनी स्तर के मुद्दों को समझने और व्हिपों के साथ समन्वय करने के लिए सप्ताह में एक बार उपलब्ध रहेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी, विधान परिषद के मुख्य सचेतक पटनम महेंद्र रेड्डी, और सचेतक आदि श्रीनिवास, बीरला इलैया, येन्नम श्रीनिवास रेड्डी, विजयरामन राव, रामचंद्र नायक, वेमुला वीरेशम, अड्डुकी दयाकर और बलमुरी वेंकट उपस्थित थे।

डॉक्टरों से सेवा ही परम धर्म की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान

उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के 175वें दीक्षांत समारोह में बोले राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला; चिकित्सा को बताया मानवता के प्रति पवित्र प्रतिबद्धता

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने आज कहा कि चिकित्सा पेशा केवल आजीविका का साधन नहीं है, बल्कि मानवता की सेवा के लिए एक पवित्र प्रतिबद्धता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि डॉक्टरों को ज्ञान और तकनीकी विशेषज्ञता के साथ-साथ करुणा और सहानुभूति विकसित करनी चाहिए, और ''सेवा ही परम धर्म'' की सच्ची भावना के साथ लोगों की सेवा करनी चाहिए।

उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के 175वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस संस्थान ने वर्षों से देश के लिए समर्पित और कुशल चिकित्सा पेशेवर तैयार करने की एक विशिष्ट विरासत बनाई है। स्नातक होने वाले छात्रों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि उनकी यह उपलब्धि कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है।

तेजी से विकसित हो रहे स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के संदर्भ में, उन्होंने प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया, साथ ही चेतावनी दी कि चिकित्सा पद्धति में मानवीय स्पर्श नहीं खोना चाहिए। उन्होंने उल्लेख किया कि डॉक्टरों में मरीजों का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी संपत्ति है।

नैतिक मूल्यों और ग्रामीण सेवा पर जोर

राज्यपाल ने माता-पिता और संकाय की भूमिका की भी सराहना की और कहा कि उनके त्याग और मार्गदर्शन ने छात्रों को सक्षम पेशेवरों के रूप में ढालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने युवा डॉक्टरों से ग्रामीण सेवा से लेकर उन्नत अनुसंधान तक सभी क्षेत्रों में नैतिक मूल्यों को बनाए रखने का आह्वान किया और उनसे समाज में सार्थक योगदान देने का आग्रह किया।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उस्मानिया मेडिकल कॉलेज और अधिक ऊंचाइयों को छुएगा और स्नातकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इससे पहले, राज्यपाल ने चिकित्सा शिक्षा सफलतापूर्वक पूरी करने वाले छात्रों को डिग्रियां प्रदान कीं।

समारोह में गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर, स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के कुलपति के. रमेश रेड्डी, चिकित्सा शिक्षा निदेशक नरेंद्र कुमार, उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल राजा राव और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री 10 मई को तेलंगाना में 7,823 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 मई को अपनी तेलंगाना यात्रा के दौरान लगभग 7,823 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने शनिवार को मेडक जिले के रामायमपेट में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद श्री मोदी की राज्य की यह पहली यात्रा होगी।

उन्होंने बताया कि इन प्रमुख परियोजनाओं में जहीराबाद में एक औद्योगिक शहर की स्थापना, वारंगल में एक टेक्सटाइल पार्क और पीएम मित्र काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क शामिल हैं।

श्री राव ने कहा कि इसके अलावा हफीजपेट और जोगुलम्बा रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य और साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार भी इस कार्यक्रम का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि बाद के चरणों में वारंगल कोच फैक्ट्री और एक हवाई अड्डे जैसी बड़ी परियोजनाओं को भी शुरू किए जाने की उम्मीद है।

तेलंगाना भाजपा 10 मई को प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान उनके संबोधन के लिए एक जनसभा की तैयारियां कर रही है।

योग महोत्सव में 6,000 से अधिक लोगों ने किया भुजंगासन, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आयोजित योग महोत्सव में छह हजार से अधिक लोगों ने भुजंगासन कर एशिया बुक ऑफ रिकार्ड्स में नाम दर्ज कराया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की 50 दिनों की उलटी गिनती शुरू होने के अवसर पर हजारों योग प्रेमी एकत्र हुए। आयुष मंत्रालय के तहत मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने इस योग महोत्सव का आयोजन आध्यात्मिक केंद्र 'कान्हा शांति वनम' में किया था। इसमें 6,000 से अधिक प्रतिभागियों ने एक साथ 'भुजंगासन' का प्रदर्शन कर एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया। एक साथ इस आसन को करने वाली सबसे बड़ी सभा के रूप में इस आयोजन का नाम 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज किया गया है। यह उपलब्धि योग के माध्यम से सामूहिक भागीदारी और साझा कल्याण की भावना को दर्शाती है।

कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा, ''योग न केवल भारत की प्राचीन विरासत है, बल्कि मानवता के लिए एक अनमोल उपहार भी है। आज दुनिया भर के नेता, पेशेवर और आम लोग योग का अभ्यास कर रहे हैं और इससे लाभान्वित हो रहे हैं।'' राष्ट्र निर्माण में योग की भूमिका पर उन्होंने कहा, ''वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' बनाने के लिए हमें एक स्वस्थ, शांतिपूर्ण और अनुशासित समाज का निर्माण करना होगा। योग तनाव, अस्वास्थ्यकर जीवनशैली और प्रदूषण जैसी आधुनिक चुनौतियों का एक व्यावहारिक और सस्ता समाधान प्रदान करता है।''

उन्होंने कहा कि नवाचार और प्रौद्योगिकी के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हैदराबाद को योग और समग्र कल्याण के वैश्विक केंद्र के रूप में भी उभरना चाहिए। आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग समग्र कल्याण के लिए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देता है।'' वेलनेस और हेल्थ टूरिज्म में भारत की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि योग ने वैश्विक कल्याण और समग्र स्वास्थ्य देखभाल के केंद्र के रूप में भारत की पहचान को मजबूत किया है। ताजा लॉन्च किये गये 'योग 365' पहल के बारे में उन्होंने कहा कि योग 365 अभियान के माध्यम से आयुष मंत्रालय, हैबिल्ड और एमडीए-नआईवाई के सहयोग से नागरिकों को योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।आगामी 21 जून तक 100 दिनों का निःशुल्क योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें एक लाख से अधिक लोगों की भागीदारी का लक्ष्य है और इसमें 'योग मित्र' प्रमाणन भी दिया जा रहा है।

उन्होंने घोषणा की कि अगला योग महोत्सव, जो अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की 25 दिनों की उलटी गिनती को चिह्नित करेगा, मध्य प्रदेश के खजुराहो में आयोजित किया जायेगा। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत, वास्तुकला और कल्याण परंपराओं के संगम का प्रतीक होगा। उन्होंने जापान के ओसाका में 'वर्ल्ड एक्सपो 2025' के दौरान छह महीनों तक योग सत्र आयोजित करने के लिए 'हार्टफुलनेस संस्थान' और 'योग प्रमाणन बोर्ड' के प्रयासों की भी सराहना की।

आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव मोनालिसा दास ने हार्टफुलनेस संस्थान के योगदान को स्वीकार करते हुए कहा, ''कान्हा शांति वनम उस शांति और संतुलन को दर्शाता है, जिसे योग विकसित करने का प्रयास करता है। इस सभा का उद्देश्य स्वास्थ्य और एकता की ओर एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करना है।''

इस अवसर पर हार्टफुलनेस के अध्यक्ष श्री कमलेश डी. पटेल (दाजी), लोकसभा सांसद श्रीमती डीके अरुणा, आयुष मंत्रालय के सचिव पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा के साथ आयुष मंत्रालय, राज्य प्रशासन और प्रमुख योग संस्थानों के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

योग महोत्सव का मुख्य आकर्षण 'सामान्य योग प्रोटोकॉल' (सीवाईपी) का सामूहिक प्रदर्शन था। इस सत्र का नेतृत्व एमडीएनआईवाई के निदेशक प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगांडी ने संस्थान के योग प्रशिक्षकों के साथ किया। इसके बाद दाजी के नेतृत्व में हार्टफुलनेस ध्यान सत्र आयोजित किया गया। इसका आयोजन 21 जून को मनाये जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों में के सिलसिले में किया गया है। कार्यक्रम के अन्य आकर्षणों में 'नाट्ययोग' का प्रदर्शन और एक कोरियाई टीम की 'योग फ्यूजन' की प्रस्तुति शामिल थी। इस 50-दिवसीय काउंटडाउन कार्यक्रम में कजाकिस्तान, लेसोथो, बुल्गारिया, क्यूबा, नामीबिया, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित 20 से अधिक देशों के दूतावासों, वाणिज्य दूतावासों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो योग के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है।

ट्रैफिक ड्यूटी के दौरान जनता को असुविधा से बचाएं: डीजीपी

वीआईपी काफिले के दौरान ट्रैफिक को लंबे समय तक न रोकने के निर्देश; सड़क सुरक्षा ब्यूरो का जल्द होगा गठन

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर हाल ही में हुई दुर्घटनाओं और वाहन चालकों की शिकायतों के मद्देनजर, राज्य के पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद ने शनिवार को ट्रैफिक पुलिस को अपनी ड्यूटी कुशलतापूर्वक निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वीआईपी काफिले की आवाजाही के दौरान जनता को कम से कम असुविधा होनी चाहिए।

यह निर्देश ओआरआर पर हुई कुछ घातक दुर्घटनाओं और वीआईपी मूवमेंट के दौरान लंबे समय तक यातायात रोके जाने के खिलाफ वाहन चालकों से मिली शिकायतों के बाद जारी किया गया है।

मुख्यमंत्री ने जताई चिंता, काफिले के लिए नहीं रुकेगा ट्रैफिक

डीजीपी ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने ऐसी घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है और निर्देश दिया है कि काफिले की आवाजाही के लिए ट्रैफिक को विस्तारित अवधि तक नहीं रोका जाना चाहिए। जीएचएमसी सीमा के तहत यातायात विभाग के संयुक्त आयुक्तों और पुलिस उपायुक्तों (डीजीपी ट्रैफिक) के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, डीजीपी ने पूरे हैदराबाद में प्रभावी यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को बढ़ते ट्रैफिक वॉल्यूम को संभालने के लिए गतिशील रणनीतियां अपनाने और जहां आवश्यक हो वहां सख्त नियंत्रण उपाय लागू करने की सलाह दी।

यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा ब्यूरो की स्थापना

डीजीपी ने यह भी घोषणा की कि राज्य सरकार सड़क सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने के लिए एक 'ट्रैफिक मैनेजमेंट एंड रोड सेफ्टी ब्यूरो' स्थापित करने की प्रक्रिया में है, जिसके जल्द ही चालू होने की उम्मीद है।

उन्होंने अधिकारियों को शराब पीकर गाड़ी चलाने , हेलमेट न पहनने और सीट बेल्ट नियमों के उल्लंघन जैसे मामलों के खिलाफ प्रवर्तन अभियान तेज करने का निर्देश दिया। साथ ही, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण करने को कहा।

इस बैठक में फ्यूचर सिटी की संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) चंदना दीप्ति और कई ट्रैफिक डीसीपी मौजूद रहे।

राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर कार्रवाई का दिया आश्वासन

हैदराबाद, 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने शनिवार को आश्वासन दिया कि प्रदेश में पूर्व सैनिकों के कल्याण से जुड़ी चिंताओं को उचित कार्रवाई के लिए सरकार के समक्ष उठाया जाएगा।

तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ का एक प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें राज्य में पूर्व सैनिकों (ईएसएम) को प्रभावित करने वाले कई प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला गया था। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रकोष्ठ के संयोजक लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) सुनकारा श्रीनिवास राव ने किया। उनके साथ सह-संयोजक सूबेदार मेजर (सेवानिवृत्त) राजेंद्र सिंह और अन्य प्रतिनिधि भी थे।

बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने शहीदों और वीरता पुरस्कार विजेताओं के परिवारों को अनुग्रह राशि के भुगतान में देरी, पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार सृजित करने के लिए एक सैनिक निगम की आवश्यकता, और सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष के कथित अनुचित उपयोग को लेकर चिंताएं व्यक्त कीं। इसके साथ ही एलबी नगर/कंचनबाग इलाके में एक पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजनाई (सीएचएस) पॉलीक्लिनिक खोलने की मांग की गयी। विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के बीच वेतन में असमानताओं का मुद्दा उठाया, और भर्ती में पूर्व सैनिकों के लिए योग्यता अंक से जुड़े उच्च न्यायालय के आदेशों को लागू करने की अपील की।

अन्य मांगों में, प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व सैनिक बैंक कर्मचारियों की तैनाती उनके गृह नगरों के करीब करने, बैंकों में पूर्व सैनिकों को स्थायी सुरक्षा कर्मियों के तौर पर नियुक्त करने, और क्षेत्रीय सैनिक कल्याण अधिकारी के पदों पर योग्य पूर्व सैनिकों को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया। उन्होंने जिला कलेक्टरों के अधीन जिला-स्तरीय पूर्व सैनिक समितियां बनाने और शहीदों को सम्मान देने के लिए तेलंगाना के हर जिले में युद्ध स्मारक बनाने की भी मांग की।

राज्यपाल ने इन चिंताओं को ''महत्वपूर्ण और उचित'' माना और आश्वासन दिया कि ज़रूरी कार्रवाई के लिए इन्हें सरकार के संज्ञान में लाया जाएगा। उन्होंने समय पर और व्यवस्थित उपायों की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ज्ञापन की विस्तार से जांच करें और आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय करें। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि राज्यपाल के हस्तक्षेप से पूरे राज्य में पूर्व सैनिकों के लिए कल्याणकारी उपायों और सहायता प्रणालियों को मज़बूत करने में मदद मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.